



ULF Publication

United Liberal Foundation

Education is about creating leaders for tomorrow

History Encyclopedia

NCERT Notes Book for UPSC , State PCS & for One Day Exams

NCERT
07

Bilingual Medium



Follow us on



United Liberal Foundation



United Liberal Foundation

(EDUCATION is ABOUT creating leaders for tomorrow)

Reference Number: - IND/WB/ULF/NCERT/2023/0004

Date: - 12th January 2023

Racing Changes through a Thousand Years Chapter 1 (एक हजार साल के माध्यम से रेसिंग परिवर्तन अध्याय 1)

The period from the second half of the 8th century up to first half of the 18th century is known as the "medieval period" of Indian history. (8वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से 18वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध तक की अवधि को भारतीय इतिहास का "मध्यकाल" कहा जाता है।)

The maps by Arab geographer Al-Idrisi (1154) and French cartographer (1720) give a large sketch of the Indian subcontinent as known as earlier times. (अरब भूगोलवेत्ता अल-इदरीसी (1154) और फ्रांसीसी मानचित्रकार (1720) के नक्शे भारतीय उपमहाद्वीप का एक बड़ा रेखाचित्र देते हैं जैसा कि पहले के समय में जाना जाता था।)

Science of cartography, however, was different in two time periods.(हालाँकि, कार्टोग्राफी का विज्ञान दो समय अवधियों में भिन्न था)

New and Old Terminologies (नई और पुरानी शब्दावली)

- Historical records exist in a variety of languages. (ऐतिहासिक अभिलेख विभिन्न भाषाओं में मौजूद हैं।)
- The term Hindustan was coined by Minhaj-i-Siraj, a chronicler who wrote in Persian for areas around Punjab, Haryana, (हिंदुस्तान शब्द मिन्हाज-ए-सिराज द्वारा गढ़ा गया था, जो एक इतिहासकार था जिसने पंजाब, हरियाणा के आसपास के क्षेत्रों के लिए फारसी में लिखा था।)
- And the lands between the Ganga and the Yamuna.(और गंगा और यमुना के बीच की भूमि)
- Babur used Hindustan to describe the flora and fauna and the culture of the inhabitants of the subcontinent.(बाबर ने उपमहाद्वीप के निवासियों की वनस्पतियों और जीवों और संस्कृति का वर्णन करने के लिए हिंदुस्तान का इस्तेमाल किया)
- Fourteenth-century poet Amir Khusrau used the word, Hind.(चौदहवीं शताब्दी के कवि अमीर खुसरो ने हिंद शब्द का प्रयोग किया था)
- In Hindi, the term 'pardesi' was used to describe an alien. In Persian, it was called 'ajnabi'.(हिंदी में, 'परदेसी' शब्द का प्रयोग एक एलियन का वर्णन करने के लिए किया जाता था। फारसी में इसे 'अजनबी' कहते थे।)

Historians and their Sources (इतिहासकार और उनके स्रोत)

- The information about the medieval period is derived from two sources: Archaeological and Literary. (मध्ययुगीन काल के बारे में जानकारी दो स्रोतों से प्राप्त होती है: पुरातत्व और साहित्यिक)
- Archaeological sources available to us include monuments, temples, coins, tombs, ornaments and paintings.(हमारे पास उपलब्ध पुरातात्विक स्रोतों में स्मारक, मंदिर, सिक्के, मकबरे, आभूषण और पेंटिंग शामिल हैं)
- Since paper became available in good quantum, a lot of written accounts in the form of

chronicles, autobiographies, (चूँकि कागज़ अच्छी मात्रा में उपलब्ध हो गया था, इतिवृत्तों, आत्मकथाओं के रूप में बहुत सारे लिखित विवरण)

- Farmaans and accounts of foreign travellers are available from this period in Persian and Arabic. (इस काल के विदेशी यात्रियों के फरमान और वृत्तांत फारसी और अरबी में उपलब्ध हैं)

New Social and Political Group (नया सामाजिक और राजनीतिक समूह)

- The study of the thousand years between 700 and 1750 is a huge challenge to historian largely because of the scale and variety of developments that occurred over the period. (700 और 1750 के बीच के हजार वर्षों का अध्ययन इतिहासकारों के लिए एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि इस अवधि में बड़े पैमाने पर और विभिन्न प्रकार के विकास हुए।)
- It was a period of great mobility. One such group of people was Rajputs. Other groups of warriors were Marathas, Sikhs, Jats, Ahoms and Kayasthas. (यह अत्यधिक गतिशीलता का काल था। लोगों का ऐसा ही एक समूह राजपूत था। योद्धाओं के अन्य समूह मराठा, सिख, जाट, अहोम और कायस्थ थे)
- Throughout the period there was a gradual clearing of forests and the extension of agriculture. Challenges in their habitat forced many forest-dwellers to migrate. (पूरी अवधि के दौरान वनों की क्रमिक सफाई और कृषि का विस्तार होता रहा। उनके निवास स्थान की चुनौतियों ने कई वनवासियों को पलायन करने के लिए मजबूर किया।)
- As society became more differentiated people were grouped into jatis or sub-castes and ranked on the basis of their backgrounds and their occupations. (जैसे-जैसे समाज अधिक विभेदित होता गया लोगों को जातियों या उप-जातियों में समूहीकृत किया गया और उनकी पृष्ठभूमि और उनके व्यवसायों के आधार पर श्रेणीबद्ध किया गया।)
- Ranks were not fixed permanently and varied according to the power, influence and resources controlled by the members of the jati. (जाति के सदस्यों द्वारा नियंत्रित शक्ति, प्रभाव और संसाधनों के अनुसार रैंक स्थायी रूप से और भिन्न नहीं होती थी।)
- A major development of this period was the emergence of the idea of bhakti. (इस काल का एक प्रमुख विकास भक्ति के विचार का उदय था।)
- The teachings of the Holy Quran was also brought to India in the seventh century. (पवित्र कुरान की शिक्षाएँ भी सातवीं शताब्दी में भारत में लाई गईं।)
- Followers of Islam were divided into two sub-sects—'Shias' and 'Sunnis'. (इस्लाम के अनुयायी दो उप-संप्रदायों में विभाजित थे- 'शिया' और 'सुन्नी')।)
- At different moments in this period, new technologies made their appearance, like Persian wheel in irrigation, the spinning wheel in weaving and firearms in combat. New foods and beverages also arrived in the subcontinent in this period. (इस अवधि में अलग-अलग क्षणों में, नई तकनीकों ने अपनी उपस्थिति दिखाई, जैसे सिंचाई में फ़ारसी पहिया, बुनाई में चरखा और युद्ध में आग्नेयास्त्र। इस अवधि में उपमहाद्वीप में नए खाद्य और पेय पदार्थों का भी आगमन हुआ।)

Regions and Empires (क्षेत्र और साम्राज्य)

- Large states like those of the Cholas, the Tughlaqs, or the Mughals encompassed many regions. (चोलों, तुगलकों, या मुगलों जैसे बड़े राज्यों में कई क्षेत्र शामिल थे।)
- A Sanskrit prashsti that praises Delhi Sultan Balban tells that he was the ruler of a vast empire that stretched from Bengal in the east to Ghazni in Afghanistan in the west and included all of South India (Dravida). (एक संस्कृत प्रशस्ति जो दिल्ली के सुल्तान बलबन की प्रशंसा करती है, बताती है कि वह एक विशाल साम्राज्य का शासक था जो पूर्व में बंगाल से लेकर पश्चिम में अफगानिस्तान में गजनी तक फैला हुआ था और जिसमें संपूर्ण दक्षिण भारत (द्रविड़) शामिल था।)
- There were considerable conflicts between various states. (विभिन्न राज्यों के बीच काफी संघर्ष थे)
- When the Mughal Empire declined in the 18th century, it led to the re-emergence of regional states. (18वीं शताब्दी में जब मुगल साम्राज्य का पतन हुआ, तो इसके कारण क्षेत्रीय राज्यों का फिर से उदय हुआ।)

Old and New Religions (पुराने और नए धर्म)

- Religion was often closely associated with the social and economic organization of local communities. (धर्म अक्सर स्थानीय समुदायों के सामाजिक और आर्थिक संगठन के साथ निकटता से जुड़ा हुआ था)
- It was during the period that important changes occurred in religion. It included the worship of new deities, construction of temples by royalty and the growing importance of Brahmanas in the Hindu religion. (इस काल में धर्म में महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए। इसमें नए देवताओं की पूजा, राजघरानों द्वारा मंदिरों का निर्माण और हिंदू धर्म में ब्राह्मणों का बढ़ता महत्व शामिल था।)
- Knowledge of Sanskrit helped Brahmins to earn respect. (संस्कृत के ज्ञान ने ब्राह्मणों को सम्मान अर्जित करने में मदद की।)
- Islam was patronized by many rulers. (इस्लाम को कई शासकों का संरक्षण प्राप्त था।)

Historical Periods (ऐतिहासिक काल)

- The British historians divided the history of India into three periods: Hindu, Muslim and British. (ब्रिटिश इतिहासकारों ने भारत के इतिहास को तीन अवधियों में विभाजित किया: हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश।)
- Most historians look to economic and social factors to characterize the major elements of different moments of the past. (अधिकांश इतिहासकार अतीत के विभिन्न क्षणों के प्रमुख तत्वों को चिह्नित करने के लिए आर्थिक और सामाजिक कारकों को देखते हैं)
- The life of hunter-gatherers, early farmers and early empires were called early societies. (शिकारी-संग्रहकर्ताओं, प्रारंभिक किसानों और प्रारंभिक साम्राज्यों के जीवन को प्रारंभिक समाज कहा जाता था।)
- The growth of imperial state formations, development of Hinduism and Islam as major religions and the arrival of (शाही राज्य संरचनाओं का विकास, प्रमुख धर्मों के रूप में हिंदू धर्म और इस्लाम का विकास और का आगमन)
- European trading companies were called the medieval period. (यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को मध्यकाल कहा जाता था।)
- The last era was called the modern period which carried a sense of material progress and intellectual development. (अंतिम युग को आधुनिक काल कहा जाता था जिसमें भौतिक प्रगति और बौद्धिक विकास की भावना थी।)
- Prosperity during this period brought European trading companies to India. (इस अवधि के दौरान समृद्धि यूरोपीय व्यापारिक कंपनियों को भारत में लाई)

Maps are the sources through which we can trace out the historical changes and contexts (मानचित्र ऐसे स्रोत हैं जिनके माध्यम से हम ऐतिहासिक परिवर्तनों और संदर्भों का पता लगा सकते हैं)

Cartographers were the skilled artists who recorded these chronological effects in Maps (मानचित्रकार कुशल कलाकार थे जिन्होंने इन कालानुक्रमिक प्रभावों को मानचित्रों में दर्ज किया)

Historical records are available in different languages. Differences are also traced in the use of grammar and vocabulary, change in meaning also occurred over time, e.g., the term Hindustan is now 'India'. (ऐतिहासिक अभिलेख विभिन्न भाषाओं में उपलब्ध हैं। व्याकरण और शब्दावली के उपयोग में भी अंतर देखा जाता है, समय के साथ अर्थ में परिवर्तन भी हुआ, उदाहरण के लिए, हिंदुस्तान शब्द अब 'इंडिया' है)

The term Hindustan was first used by Minhaj-i Siraj, a Persian chronicler, in the 13th century (हिन्दुस्तान शब्द का पहली बार प्रयोग 13वीं शताब्दी में फारसी इतिहासकार मिन्हाज-ए सिराज ने किया था)

Minhaj-i Siraj's Hindustan constituted the areas of Punjab, Haryana and the lands between the Ganga

and Yamuna. The term was used in a political sense for lands forming the parts of the dominions of the Delhi Sultan. South India was not included in this map (मिन्हाज-ए सिराज के हिंदुस्तान ने पंजाब, हरियाणा के क्षेत्रों और गंगा और यमुना के बीच की भूमि का गठन किया। दिल्ली सुल्तान के प्रभुत्व के हिस्से बनाने वाली भूमि के लिए इस शब्द का इस्तेमाल राजनीतिक अर्थ में किया गया था। दक्षिण भारत को इस मानचित्र में शामिल नहीं किया गया था।)

Babur, in the early 16th century, used the term Hindustan in order to describe the geography, the fauna and the culture of the inhabitants of the subcontinent. Amir Khusrau used the term Hind in a similar sense in the 14th century (16वीं शताब्दी की शुरुआत में बाबर ने उपमहाद्वीप के भूगोल, जीवों और निवासियों की संस्कृति का वर्णन करने के लिए हिंदुस्तान शब्द का इस्तेमाल किया। 14वीं शताब्दी में अमीर खुसरो ने इसी अर्थ में हिंद शब्द का प्रयोग किया था)

With the change of time, we observe that the idea of a geographical and cultural entity like 'India' did exist but the term Hindustan did not carry the political and national meanings which we associate with it today (समय के परिवर्तन के साथ, हम देखते हैं कि 'भारत' जैसी भौगोलिक और सांस्कृतिक इकाई का विचार अस्तित्व में था लेकिन हिंदुस्तान शब्द का राजनीतिक और राष्ट्रीय अर्थ नहीं था जिसे हम आज इसके साथ जोड़ते हैं)

We trace out many changes in the use of words with the change of time. For example, the word 'foreigner' is used in the sense of one who is not an Indian, whereas it was, in the medieval period, used in the sense of one who was a part of the same village but not a part of a particular society or culture. The synonymous words for 'foreigner' in Hindi and Persian are 'pardesi and 'ajnabi' respectively (हम समय के परिवर्तन के साथ शब्दों के प्रयोग में बहुत से परिवर्तनों का पता लगाते हैं। उदाहरण के लिए, 'विदेशी' शब्द का प्रयोग उस अर्थ में किया जाता है, जो भारतीय नहीं है, जबकि मध्यकाल में इसका प्रयोग उस अर्थ में किया जाता था, जो उसी गाँव का हिस्सा था, लेकिन किसी का हिस्सा नहीं था। विशेष समाज या संस्कृति। हिंदी और फारसी में 'विदेशी' के पर्यायवाची शब्द क्रमशः 'परदेसी' और 'अजनबी' हैं)

Historians use different sources to study the past depending upon the period of their investigation. Coins, inscriptions, architecture and textual records are still the basic sources. (इतिहासकार अपनी जांच की अवधि के आधार पर अतीत का अध्ययन करने के लिए विभिन्न स्रोतों का उपयोग करते हैं। सिक्के, शिलालेख, स्थापत्य और पाठ्य अभिलेख अभी भी मूल स्रोत हैं।)

During the period of 700 to 1750, we trace out a dramatic increase in the variety of textual records. Its basic reason was that paper gradually became cheaper and more widely available. It was extensively used in writing the holy texts, chronicles of rulers, letters and teachings of saints, petitions and judicial records, and for registers of accounts and taxes. (700 से 1750 की अवधि के दौरान, हम पाठ्य अभिलेखों की विविधता में नाटकीय वृद्धि का पता लगाते हैं। इसका मूल कारण यह था कि कागज़ धीरे-धीरे सस्ता और व्यापक रूप से उपलब्ध होने लगा। इसका व्यापक रूप से पवित्र ग्रंथों, शासकों के इतिहास, संतों के पत्रों और शिक्षाओं, याचिकाओं और न्यायिक अभिलेखों, और खातों और करों के रजिस्ट्रों के लिए उपयोग किया जाता था।)

Manuscripts collected from wealthy people, rulers, monasteries and temples were placed in libraries and archives. These manuscripts and documents helped the historians with several detailed information though it is difficult to use them. (अमीर लोगों, शासकों, मठों और मंदिरों से एकत्र की गई पांडुलिपियों को पुस्तकालयों और अभिलेखागार में रखा गया। इन पांडुलिपियों और दस्तावेजों ने इतिहासकारों को कई विस्तृत जानकारी देने में मदद की, हालांकि उनका उपयोग करना मुश्किल है)

As there was no printing press in those days scribes used to copy down manuscripts by hand. Hence they were somewhere not very legible. Some changes in words and sentences were also made, in fact not knowingly, in the manuscripts while copying. This brought the same manuscripts copied presented differently by different scribes. It poses a serious problem to determine which the original one was. (चूंकि उन दिनों कोई प्रिंटिंग प्रेस नहीं था, इसलिए लिपिक हाथ से पांडुलिपियों की प्रतिलिपि बनाते थे। इसलिए वे कहीं बहुत सुपाठ्य नहीं थे। नकल करते समय पांडुलिपियों में शब्दों और वाक्यों में कुछ बदलाव भी किए गए

थे, वास्तव में जानबूझकर नहीं। यह एक ही पांडुलिपियों को अलग-अलग शास्त्रियों द्वारा अलग-अलग प्रस्तुत की गई प्रतिलिपि लाया। यह निर्धारित करने के लिए एक गंभीर समस्या है कि मूल कौन सा था।)

The authors used to revise their chronicles from time to time. Ziyauddin Barani, a 14th century author revised his chronicle for the first time in 1356 followed by another version two years later. In fact, the two versions differed from each other but as the original one was traceless, nobody could claim for the difference. (लेखक समय-समय पर अपने कालक्रम को संशोधित करते थे। 14वीं सदी के एक लेखक ज़ियाउद्दीन बरनी ने 1356 में पहली बार अपने क्रॉनिकल को संशोधित किया और उसके बाद दो साल बाद एक और संस्करण बनाया। वास्तव में, दो संस्करण एक-दूसरे से भिन्न थे, लेकिन जैसा कि मूल एक ट्रेसलेस था, कोई भी अंतर के लिए दावा नहीं कर सकता था।)

The period between 700 and 1750 was a phase of transition as a lot of developments took place. The Persian wheel in irrigation, the spinning wheel in weaving and firearms in combat were some of the examples of developments. (700 और 1750 के बीच की अवधि संक्रमण का चरण था क्योंकि बहुत सारे विकास हुए। सिंचाई में फ़ारसी पहिया, बुनाई में चरखा और युद्ध में आग्नेयास्त्र विकास के कुछ उदाहरण थे।)

The subcontinent saw new food like potatoes, corn, chillies, tea and coffee. (उपमहाद्वीप ने आलू, मक्का, मिर्च, चाय और कॉफी जैसे नए भोजन देखे।)

The new technologies and crops came along with the migrants who also brought other ideas with them. (नई प्रौद्योगिकियां और फसलें प्रवासियों के साथ आईं जो अपने साथ अन्य विचार भी लाए।)

It was a period of economic, political, social and cultural changes and also of great mobility. (यह आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परिवर्तनों और महान गतिशीलता का भी काल था।)

People travelled to far off lands to make their fortune. (लोग अपना भाग्य बनाने के लिए दूर देशों की यात्रा करते थे।)

Rajputs, i.e. Rajputs, one of the prominent communities were the group of warriors between the eighth and fourteenth centuries. They were the 'kshatriyas' by caste status. They included the rulers, chieftains, soldiers and commanders serving in the armies of the different monarchs all over the subcontinent. Extreme valour and a great sense of loyalty were the prominent qualities of this community. (राजपूत, यानी राजपूत, आठवीं और चौदहवीं शताब्दी के बीच के प्रमुख समुदायों में से एक योद्धा समूह थे। वे जाति की स्थिति से 'क्षत्रिय' थे। उनमें पूरे उपमहाद्वीप में विभिन्न राजाओं की सेनाओं में सेवारत शासक, मुखिया, सैनिक और सेनापति शामिल थे। अत्यधिक वीरता और निष्ठा की महान भावना इस समुदाय के प्रमुख गुण थे।)

Marathas, Sikhs, Jats, Ahoms and Kayasthas (a caste of scribes and secretaries) were the other prominent classes of people. (मराठा, सिख, जाट, अहोम और कायस्थ (शास्त्रियों और सचिवों की एक जाति) लोगों के अन्य प्रमुख वर्ग थे।)

This period witnessed a gradual clearing of forests and the extension of agriculture. It caused changes in people's 'habitat' which forced many of the forest-dwellers to migrate. (इस अवधि में वनों की क्रमिक सफाई और कृषि का विस्तार देखा गया। इसने लोगों के 'आवास' में परिवर्तन किया जिसने कई वनवासियों को पलायन करने के लिए मजबूर किया।)

Some others adopted tilling the land and became peasants and soon became part of large complex societies. They were also put under tax cover as per their status which gave rise to many jatis i.e. sub-castes. (कुछ अन्य लोगों ने भूमि की जुताई अपनाई और किसान बन गए और जल्द ही बड़े जटिल समाजों का हिस्सा बन गए। उन्हें उनकी हैसियत के अनुसार कर के दायरे में भी रखा गया जिससे कई जातियां यानी उप-जातियां पैदा हुईं।)

The divisions of sub-castes were made on the basis of their backgrounds and occupations. Ranks were variable as per the change in power, influence and resources controlled by members of the jati. This status of the same jati varied from area to area. (उप-जातियों का विभाजन उनकी पृष्ठभूमि और व्यवसायों के आधार पर किया गया था। जाति के सदस्यों द्वारा नियंत्रित शक्ति, प्रभाव और संसाधनों में परिवर्तन के अनुसार पद परिवर्तनशील थे। एक ही जाति की यह स्थिति एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है।)

Jatis had their own system of ruling. They framed rules and regulations in order to manage their own people. An assembly of elders called Jati Panchayat was responsible for enforcing the regulations. (जातियों की अपनी शासन व्यवस्था थी। उन्होंने अपने ही लोगों को प्रबंधित करने के लिए नियम और कानून बनाए। जाति पंचायत नामक बुजुर्गों की एक सभा नियमों को लागू करने के लिए जिम्मेदार थी।)

Jatis were bound to follow the rules of their villages. Villages constituted only one small unit of a state and were governed by a chieftain. (जातियाँ अपने गाँवों के नियमों का पालन करने के लिए बाध्य थीं। गाँव राज्य की केवल एक छोटी इकाई का गठन करते थे और एक मुखिया द्वारा शासित होते थे)

The subcontinent was divided into several regions which were ruled by empires of different dynasties. By 700 several regions developed their distinct geographical dimensions and their own cultural characteristics. (उपमहाद्वीप को कई क्षेत्रों में विभाजित किया गया था जिन पर विभिन्न राजवंशों के साम्राज्यों का शासन था। 700 तक कई क्षेत्रों ने अपने विशिष्ट भौगोलिक आयामों और अपनी स्वयं की सांस्कृतिक विशेषताओं का विकास किया।)

During the period of 700 and 1750 (the thousand years of history that we are exploring here) there were significant developments in religious traditions. 700 और 1750 की अवधि के दौरान (हज़ार साल का इतिहास जिसे हम यहां खोज रहे हैं) धार्मिक परंपराओं में महत्वपूर्ण विकास हुए

The changes were seen in people's beliefs. Hinduism saw a great many changes which included the worship of new deities the construction of temples by royalty and growing dominance of Brahmanas and the priests. (लोगों की आस्था में बदलाव देखा गया। हिंदू धर्म में कई बड़े परिवर्तन हुए जिनमें नए देवताओं की पूजा, राजघरानों द्वारा मंदिरों का निर्माण और ब्राह्मणों और पुजारियों का बढ़ता प्रभुत्व शामिल था।)

For their knowledge of Sanskrit texts Brahmanas earned great respect in society. The new rulers were their patrons. (संस्कृत ग्रंथों के अपने ज्ञान के लिए ब्राह्मणों ने समाज में बहुत सम्मान अर्जित किया। नए शासक उनके संरक्षक थे।)

The most significant development of the period was the rise of the idea of bhakti which also paved the rise of many new religions in the subcontinent. (इस अवधि का सबसे महत्वपूर्ण विकास भक्ति के विचार का उदय था जिसने उपमहाद्वीप में कई नए धर्मों के उदय का मार्ग प्रशस्त किया।)

The teachings of the holy Quran was brought to India in the seventh century by the migrants. (सातवीं शताब्दी में प्रवासियों द्वारा पवित्र कुरान की शिक्षाओं को भारत लाया गया था)

Quran is the most prominent holy book of the Muslims which delineates the idea of one God, Allah and His love, bounty and mercy for those who believe in Him. (कुरान मुसलमानों की सबसे प्रमुख पवित्र पुस्तक है जो एक ईश्वर, अल्लाह और उसके प्यार, इनाम और दया के विचार को चित्रित करती है जो उस पर विश्वास करते हैं)

Islam and the Ulema—the learned theologians and jurists were patronized by many rulers. (इस्लाम और उलेमा-विद्वान धर्मशास्त्रियों और न्यायविदों को कई शासकों का संरक्षण प्राप्त था)

Like Hinduism, Islam was also interpreted in many ways and the followers of Islam were divided in

two sub-sects—Shias and Sunnis. (हिंदू धर्म की तरह, इस्लाम की भी कई तरह से व्याख्या की गई और इस्लाम के अनुयायी दो उप-संप्रदायों- शिया और सुन्नियों में बंट गए।)

For historians, time reflects changes in social and economic organization, in the persistence and transformation of ideas and beliefs. Hence for the historians, it becomes convenient to study time by dividing it into segments—periods—that possess shared characteristics.(इतिहासकारों के लिए, समय सामाजिक और आर्थिक संगठन में परिवर्तन, विचारों और विश्वासों की दृढ़ता और परिवर्तन को दर्शाता है। इसलिए इतिहासकारों के लिए, समय को खंडों-कालों में विभाजित करके अध्ययन करना सुविधाजनक हो जाता है, जिनमें साझा विशेषताएं होती हैं।)

In the middle of the nineteenth century, the history of India was divided into three periods —Hindu, Muslim, and British. It was done so because there was no significant historical development other than religion.(उन्नीसवीं शताब्दी के मध्य में, भारत का इतिहास तीन अवधियों में विभाजित था - हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश। ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि धर्म के अलावा कोई महत्वपूर्ण ऐतिहासिक विकास नहीं हुआ)

This periodisation is followed by some of the historians even today (कुछ इतिहासकारों द्वारा आज भी इस अवधिकरण का अनुसरण किया जाता है)

Cartographer- The artist who is skilled in drawing or making maps.

काटोग्राफर: वह कलाकार जो चित्र बनाने या मानचित्र बनाने में दक्ष हो। .

Chronicler: One who writes history or pens down the events of the time from the historical point of view

कालक्रम से अभिलेखन करनेवाला: वह जो इतिहास लिखता है या ऐतिहासिक दृष्टि से उस समय की घटनाओं को कलमबद्ध करता है।

Archives : A collection of historical documents or records of the government, a family, a place or an organization; the place where these records are stored.

अभिलेखागार : सरकार, परिवार, स्थान या संगठन के ऐतिहासिक दस्तावेजों या अभिलेखों का संग्रह; वह स्थान जहाँ ये अभिलेख रखे जाते हैं।

Manuscripts: The original script written by the Author in his/her own handwriting.

पांडुलिपियाँ : लेखक द्वारा अपनी हस्तलिपि में लिखी गई मूल लिपि।

Habitat : The living condition of specie.

प्राकृतिक वास: प्रजातियों की रहने की स्थिति।

Patron : A person with influence and affluence who provides support with money and mental boost up to an artist, a craftsman, a learned man, or a noble, or some other persons of such categories.

संरक्षक : प्रभाव और संपन्नता वाला व्यक्ति जो एक कलाकार, एक शिल्पकार, एक विद्वान व्यक्ति, या एक महान, या ऐसी श्रेणियों के कुछ अन्य व्यक्तियों को धन और मानसिक प्रोत्साहन प्रदान करता है।

Jati: The sub-caste which was defined or identified on the basis of one's profession, status and influence.

जाति : उप-जाति जिसे किसी के पेशे, स्थिति और प्रभाव के आधार पर परिभाषित या पहचाना गया था।

Region: The particular area designated or occupied by a certain group or empire.

क्षेत्र : किसी निश्चित समूह या साम्राज्य द्वारा निर्दिष्ट या अधिकृत क्षेत्र।

Periodisation: Division of time into different segments for the purpose of study from the historical point of view. It was done on the basis of dominant factors of the time. In the middle of the

nineteenth century, British historians divided the history of India into three periods—Hindu, Muslim, and British.

आवधिकता : ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अध्ययन के उद्देश्य से समय का विभिन्न खंडों में विभाजन। यह उस समय के प्रमुख कारकों के आधार पर किया गया था। उन्नीसवीं सदी के मध्य में, ब्रिटिश इतिहासकारों ने भारत के इतिहास को तीन कालखंडों- हिंदू, मुस्लिम और ब्रिटिश में विभाजित किया।

Seventh century AD – The teachings of the holy Quran brought to India.

सातवीं शताब्दी ई - पवित्र कुरान की शिक्षाएं भारत में लाई गईं

1154 – Map of the Indian Subcontinent made by al-Idrisi.

1154 - भारतीय उपमहाद्वीप का मानचित्र अल-इदरीसी द्वारा बनाया गया

1266-1287 – Reign of the Delhi Sultan Ghiyasuddin Balban.

1266 -1287- दिल्ली सुल्तान गयासुद्दीन बलबन का शासनकाल।

1356 – Ziyauddin Barani wrote his first chronicle. He wrote another version two years later.

1356- ज़ियाउद्दीन बरनी ने अपना पहला कालक्रम लिखा। उन्होंने दो साल बाद एक और संस्करण लिखा।

New Kings and Kingdoms Chapter 2

नए राजा और राज्य अध्याय 2

Several major ruling dynasties emerged in different parts of the subcontinent between the seventh and twelfth centuries. (सातवीं और बारहवीं शताब्दियों के बीच उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई प्रमुख शासक राजवंशों का उदय हुआ।)

The Emergence of New Dynasties (नए राजवंशों का उदय)

- By the 7th century, there were big landlords or warrior chiefs in different regions of the subcontinent. (7वीं शताब्दी तक, उपमहाद्वीप के विभिन्न क्षेत्रों में बड़े जमींदार या योद्धा मुखिया थे।)
- Existing kings often acknowledged them as their samantas or subordinates. (मौजूदा राजा अक्सर उन्हें अपने सामंतों या अधीनस्थों के रूप में स्वीकार करते थे।)
- They were expected to bring gifts for their kings or overlords and provide them with military support. (उनसे उम्मीद की जाती थी कि वे अपने राजाओं या अधिपतियों के लिए उपहार लाएंगे और उन्हें सैन्य सहायता प्रदान करेंगे)
- The main ruling dynasties were Gurjara-Pratiharas, Palas, Rashtrakutas and Chahamanas in North India and the Chola, Pandyas and (उत्तर भारत में मुख्य शासक राजवंश गुर्जर-प्रतिहार, पलास, राष्ट्रकूट और चाहमान थे और चोल, पांड्य और)
- Chalukyas in South India. (दक्षिण भारत में चालुक्य।)

Administration in the Kingdoms (रियासतों में प्रशासन)

- The kings at apex adopted big titles like Maharaja-adhiraja. (शीर्षस्थ राजाओं ने महाराजा-अधिराज जैसी बड़ी उपाधियाँ धारण कीं)
- The kings shared power with their samantas, and with an association of peasants, traders and Brahmanas. (राजाओं ने अपने सामंतों और किसानों, व्यापारियों और ब्राह्मणों के संघ के साथ सत्ता साझा की)
- Resources were obtained from the producers who were persuaded to surrender part of what they produced. (उन उत्पादकों से संसाधन प्राप्त किए गए जिन्हें उनके द्वारा उत्पादित उत्पादन का कुछ हिस्सा वापस करने के लिए राजी किया गया था)
- These resources were used to finance the king's establishment and construct temples and forts (इन संसाधनों का उपयोग राजा की स्थापना और मंदिरों और किलों के निर्माण के लिए किया जाता था)

- Functionaries for collecting revenue were recruited from influential families. (राजस्व एकत्र करने के लिए पदाधिकारियों की भर्ती प्रभावशाली परिवारों से की जाती थी)

Prashastis and Land Grants (प्रशस्तियां और भूमि अनुदान)

- Prashastis tells us how rulers wanted to depict themselves as valiant and victorious warriors. (प्रशस्तियां हमें बताती हैं कि कैसे शासक स्वयं को वीर और विजयी योद्धाओं के रूप में चित्रित करना चाहते थे।)
- The kings often rewarded Brahmanas by grants of land. These were recorded on copper plates, which were given to those who received the land. (राजा प्रायः ब्राह्मणों को भूमि अनुदान देकर पुरस्कृत करते थे। ये ताम्रपत्रों पर दर्ज किए गए थे, जो भूमि प्राप्त करने वालों को दिए गए थे)

Warfare for Wealth (धन के लिए युद्ध)

- For centuries Gurjara-Pratihara, Rashtrakuta and Pala's dynasties fought for control over Kannauj. (सदियों से कन्नौज पर नियंत्रण के लिए गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पाल राजवंशों ने संघर्ष किया)
- The long drawn conflict is known as a tripartite struggle as three parties were involved in it. (लंबे समय से चले आ रहे संघर्ष को त्रिपक्षीय संघर्ष के रूप में जाना जाता है क्योंकि इसमें तीन पक्ष शामिल थे।)
- Sultan Mahmud of Ghazni raided the subcontinent seventeen times between AD 1000—AD 1025. His sole purpose was to plunder the wealth of India. He looted temples like Somnath, Gujarat, Mahmud entrusted a scholar named al-Biruni to write an account of the subcontinent. (गजनी के सुल्तान महमूद ने 1000 ई. से 1025 ई. के बीच सत्रह बार उपमहाद्वीप पर आक्रमण किया। उसका एकमात्र उद्देश्य भारत की संपत्ति को लूटना था। उसने सोमनाथ, गुजरात जैसे मंदिरों को लूटा, महमूद ने उपमहाद्वीप का लेखा-जोखा लिखने के लिए अल-बिरूनी नामक विद्वान को सौंपा)
- Other kings engaged in warfare were Chauhan, who ruled over the region around Delhi and Ajmer. (युद्ध में लगे अन्य राजा चौहान थे, जिन्होंने दिल्ली और अजमेर के आसपास के क्षेत्र पर शासन किया)
- Chauhans were engaged in conflict with Chalukyas of Gujarat and the Gahadavalas of western UR (चौहानों का गुजरात के चालुक्यों और पश्चिमी उर के गढ़वालियों से संघर्ष चल रहा था)
- Prithviraj III was a popular Chauhan ruler who defeated Afghan ruler Ghori in 1191 but lost to him in 1192. (पृथ्वीराज तृतीय एक लोकप्रिय चौहान शासक था जिसने 1191 में अफगान शासक गौरी को हराया था लेकिन 1192 में उससे हार गया था)

The Cholas (चोल)

- Cholas were from a small family of Uraiyur. The successors of Vijayalaya conquered neighbouring regions and the kingdom grew in size and power. (चोल उरैयुर के एक छोटे से परिवार से थे। विजयालय के उत्तराधिकारियों ने पड़ोसी क्षेत्रों पर विजय प्राप्त की और राज्य का आकार और शक्ति में वृद्धि हुई।)
- Rajaraja I was considered the most powerful Chola ruler and expanded control over most of these areas. (राजराजा प्रथम को सबसे शक्तिशाली चोल शासक माना जाता था और इन क्षेत्रों में से अधिकांश पर नियंत्रण का विस्तार किया)
- His son Rajendra I, conquered Sri Lanka and countries of Southeast Asia. (उनके पुत्र राजेंद्र प्रथम ने श्रीलंका और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों पर विजय प्राप्त की)
- Cholas were big temple builders. Two famous temples were in Thanjavur and Gangaikondacholapuram. (चोल बड़े मंदिर निर्माता थे। तंजावुर और गंगईकोंडचोलपुरम में दो प्रसिद्ध मंदिर थे)
- Agriculture was well developed along with various methods of irrigation. (सिंचाई के विभिन्न तरीकों के साथ-साथ कृषि अच्छी तरह से विकसित थी)
- Settlements of peasants called or became prosperous with the spread of irrigation in agriculture. The village council and the Nadu performed several administrative functions (कृषि

में सिंचाई के प्रसार से किसानों की बस्तियाँ समृद्ध हुईं या बनीं। ग्राम परिषद और नाडु ने कई प्रशासनिक कार्य किए)

- Association of traders known as nagarams also performed administrative functions in the town.(नगरम के रूप में जाने जाने वाले व्यापारियों के संघ ने भी कस्बे में प्रशासनिक कार्य किए)
- Inscriptions also mention about sabha. The Sabha had separate committees to look after irrigation works, gardens, temples, etc.(अभिलेखों में भी सभा का उल्लेख मिलता है। सभा में सिंचाई कार्यों, उद्यानों, मंदिरों आदि की देखभाल के लिए अलग समितियाँ थीं।)

During the period of seventh and twelfth centuries, many new dynasties emerged in different parts of the subcontinent.(सातवीं और बारहवीं शताब्दी की अवधि के दौरान, उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में कई नए राजवंशों का उदय हुआ।)

The new rulers were previously the big landlords or warriors working under the existing kings as subordinates or samantas. They gradually gained power and wealth and thereafter declared themselves to be maha-Samanta, maha-mandleshwar (the great lord of the circle or region). They were now independent lords. (नए शासक पहले बड़े जमींदार या योद्धा थे जो मौजूदा राजाओं के अधीनस्थ या सामंत के रूप में काम करते थे। उन्होंने धीरे-धीरे शक्ति और धन प्राप्त किया और उसके बाद खुद को महा-सामंत, महा-मंडलेश्वर (वृत्त या क्षेत्र का महान स्वामी) घोषित कर दिया। वे अब स्वतंत्र स्वामी थे।)

Dantidurga, a Rashtrakuta chief, overthrew his Chalukya overlord and performed a ritual known as hiranya-garbhk (literally, the golden womb). It was done in order to transform one's identity as kshatriya, even if one was not one by birth. (दंतिदुर्ग, एक राष्ट्रकूट प्रमुख, ने अपने चालुक्य अधिपति को उखाड़ फेंका और हिरण्य-गर्भक (शाब्दिक रूप से, स्वर्ण गर्भ) के रूप में जाना जाने वाला एक अनुष्ठान किया। यह किसी की पहचान को क्षत्रिय के रूप में बदलने के लिए किया गया था, भले ही वह जन्म से एक न हो)

Some other lords like Kadamba Mayurashrman and Gurjara-Pratihara Harichandra, brahmanas by birth, used their military skills to establish their kingdoms in Karnataka and Rajasthan.(कदंब मयूरश्रमण और गुर्जर-प्रतिहार हरिचंद्र, जन्म से ब्राह्मण जैसे कुछ अन्य राजाओं ने कर्नाटक और राजस्थान में अपने राज्य स्थापित करने के लिए अपने सैन्य कौशल का इस्तेमाल किया।)

Many of these new kings adopted high-sounding titles like maharaja-adhiraja (great king, overlord of kings), tribhuvana-chakravartin (lord of the three worlds), though they shared power with their samantas as well! As with associations of peasants, traders and Brahmanas. (इन नए राजाओं में से कई ने महाराजा-अधिराज (महान राजा, राजाओं के अधिपति), त्रिभुवन-चक्रवर्तिन (तीनों लोकों के स्वामी) जैसी ऊँची-ऊँची उपाधियाँ अपनाईं, हालाँकि उन्होंने हमारे सामंतों के साथ सत्ता साझा की! जैसा कि किसानों, व्यापारियों और ब्राह्मणों के संघों के साथ है।)

The producers—the peasants, cattle-keepers, artisans—were the main feeders to these states. The land was owned by the lords and so the producers were compelled to pay rent to the owners whereas traders were to pay revenue to the lords. उत्पादक- किसान, पशु-पालक, कारीगर- इन राज्यों के मुख्य फीडर थे। भूमि पर सामंतों का स्वामित्व था और इसलिए उत्पादकों को मालिकों को लगान देने के लिए मजबूर किया गया था जबकि व्यापारियों को सामंतों को राजस्व का भुगतान करना था।

These resources were used to finance the establishment of the king, construction of temples and forts, and also for fighting wars which were also done to expand resources through plundering, acquiring land and finding trade routes.(इन संसाधनों का उपयोग राजा की स्थापना, मंदिरों और किलों के निर्माण और युद्ध लड़ने के लिए भी किया जाता था, जो लूटपाट, भूमि अधिग्रहण और व्यापार मार्ग खोजने के माध्यम से संसाधनों का विस्तार करने के लिए भी किया जाता था।)

The revenue functionaries were recruited from influential families, and positions were often hereditary. Similar was the case with army positions. In most cases, such posts were held by

the close relatives of the king.(इन संसाधनों का उपयोग राजा की स्थापना, मंदिरों और किलों के निर्माण और युद्ध लड़ने के लिए भी किया जाता था, जो लूटपाट, भूमि अधिग्रहण और व्यापार मार्ग खोजने के माध्यम से संसाधनों का विस्तार करने के लिए भी किया जाता था।)

Prashastis were composed by learned Brahmanas in praise of the rulers. It used to depict the rulers as valiant, victorious warriors.(प्रशस्तियों की रचना विद्वान ब्राह्मणों ने शासकों की प्रशंसा में की थी। यह शासकों को वीर, विजयी योद्धाओं के रूप में चित्रित करता था)

Brahmanas were also rewarded by grants of land.(ब्राह्मणों को भी भूमि के अनुदान से पुरस्कृत किया गया।)

Kalhana's long poem in Sanskrit recorded the history of kings who ruled over Kashmir. He usually used a variety of sources, including, inscriptions, documents, eyewitness accounts, and earlier histories, in order to present his accounts.(संस्कृत में कल्हण की लंबी कविता ने कश्मीर पर शासन करने वाले राजाओं के इतिहास को दर्ज किया। उन्होंने आमतौर पर अपने खातों को प्रस्तुत करने के लिए शिलालेखों, दस्तावेजों, प्रत्यक्षदर्शी खातों और पहले के इतिहास सहित विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल किया।)

Ruling Dynasties were based in a particular region.(शासक राजवंश एक विशेष क्षेत्र में आधारित थे)

Kanauj was a prized area in the Ganga valley. There was a tripartite struggle among Gurjara-Pratihara, Rashtrakuta and Pala dynasties over Kanauj. (कन्नौज गंगा घाटी में एक बेशकीमती क्षेत्र था। कन्नौज को लेकर गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पाल वंशों में त्रिपक्षीय संघर्ष हुआ।)

Rulers used to build large temples in order to demonstrate their power and resources. So temples were the first target of when one ruler attacked over the other. One prominent reason for this was that the temples were often very rich.(कन्नौज गंगा घाटी में एक बेशकीमती क्षेत्र था। कन्नौज को लेकर गुर्जर-प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पाल वंशों में त्रिपक्षीय संघर्ष हुआ।)

Sultan Mahmud Ghazni of Afghanistan (997—1030) extended his control over parts of Central Asia, Iran and the north-western part of the subcontinent. During his attacks he targeted wealthy temples, of which the temple of Somnath in Gujarat was the most prominent.(अफगानिस्तान के सुल्तान महमूद गजनी (997-1030) ने मध्य एशिया, ईरान और उपमहाद्वीप के उत्तर-पश्चिमी हिस्से के हिस्सों पर अपना नियंत्रण बढ़ाया। अपने हमलों के दौरान उसने अमीर मंदिरों को निशाना बनाया, जिनमें गुजरात में सोमनाथ का मंदिर सबसे प्रमुख था।)

Al-Baruni's Kitab al-Hind, an Arabic work written on the request of Sultan, is an important source for historians. al-Baruni also consulted the Sanskrit scholars while preparing this book.(अल-बरूनी की किताब अल-हिंद, सुल्तान के अनुरोध पर लिखी गई एक अरबी कृति, इतिहासकारों के लिए एक महत्वपूर्ण स्रोत है। इस पुस्तक को तैयार करते समय अल-बरूनी ने संस्कृत के विद्वानों से भी सलाह ली थी।)

Some other notable kings engaged in war were Chahamanas, later known as Chauhans, ruled over the region around Delhi and Ajmer and made efforts to expand their control to the west and the east. They were opposed by the Chalukyas of Gujarat and Gahadavalas of Uttar Pradesh.(युद्ध में लगे कुछ अन्य उल्लेखनीय राजा चाहमान थे, जिन्हें बाद में चौहान के नाम से जाना गया, जिन्होंने दिल्ली और अजमेर के आसपास के क्षेत्र पर शासन किया और पश्चिम और पूर्व में अपने नियंत्रण का विस्तार करने के प्रयास किए। उनका गुजरात के चालुक्यों और उत्तर प्रदेश के गढ़वालों ने विरोध किया था)

Prithviraja III (1168-11 ९2), who defeated an Afghan ruler Sultan Muhammad Ghori in 1191, but lost to him the very next year, in 1192, was the most popular of the Chahamanas. (पृथ्वीराज III (1168-11 ९2), जिसने 1191 में एक अफगान शासक सुल्तान मुहम्मद गोरी को हराया था, लेकिन अगले ही साल 1192 में उससे हार गया, चाहमानों में सबसे लोकप्रिय था।)

Muttaraiyar, the subordinates to the Pallava kings of Kanchipuram, held power in the Kaveri delta.

(कांचीपुरम के पल्लव राजाओं के अधीनस्थ मुत्तैरैयार ने कावेरी डेल्टा में सत्ता संभाली थी)

Vijayalaya, a member of the ancient chiefly family of the Cholas from Uraiyur, captured the delta from the Muttaraiyar in the middle of the ninth century. The town of Thanjavur and a temple for goddess Nishumbhasudini there were some of his major creations. (उरईउर के प्राचीन चोलों के मुख्य परिवार के एक सदस्य विजयालय ने नौवीं शताब्दी के मध्य में मुत्तैरैयार से डेल्टा पर कब्जा कर लिया। तंजावुर शहर और देवी निशुंभसुदिनी के लिए एक मंदिर उनकी कुछ प्रमुख रचनाएँ थीं।)

Vijayalaya's successors expanded their kingdom in size and power adding the Pandyan and the Pallava territories to the south and north to their kingdom. (विजयालय के उत्तराधिकारियों ने आकार और शक्ति में अपने राज्य का विस्तार किया और पांड्यन और पल्लव क्षेत्रों को अपने राज्य में दक्षिण और उत्तर में जोड़ दिया।)

Rajaraja I was the most famous and powerful Chola ruler who became king in 985 and thereafter expanded control over most of these areas. He was known also for his reorganization of the administration of his empire. His son Rajendra I also added to the glory of his father. (राजराजा प्रथम सबसे प्रसिद्ध और शक्तिशाली चोल शासक था जो 985 में राजा बना और उसके बाद इनमें से अधिकांश क्षेत्रों पर नियंत्रण का विस्तार किया। उन्हें अपने साम्राज्य के प्रशासन के पुनर्गठन के लिए भी जाना जाता था। उनके पुत्र राजेंद्र प्रथम ने भी अपने पिता की शान में इजाफा किया।)

The big temples of Thanjavur and Gangaikonda-cholapuram, built by Rajaraja and Rajendra, are architectural marvels. (राजराजा और राजेंद्र द्वारा निर्मित तंजावुर और गंगईकोंडा-चोलपुरम के बड़े मंदिर वास्तुकला के चमत्कार हैं)

The temples of Cholas were the nuclei of settlements that grew around them. They were Also centres of craft production and were also endowed with land by rulers as well as others. (चोलों के मंदिर उन बस्तियों के केंद्र थे जो उनके आसपास विकसित हुए थे। वो थे साथ ही शिल्प उत्पादन के केंद्र और शासकों के साथ-साथ अन्य लोगों द्वारा भी भूमि से संपन्न थे।)

The produce of the land were spared to maintain the specialists working at the temple and usually lived near it. They were the priests, garland makers, cooks, sweepers, musicians, dancers etc. (भूमि की उपज को मंदिर में काम करने वाले विशेषज्ञों को बनाए रखने के लिए बख्शा जाता था और आमतौर पर इसके पास रहते थे। वे पुजारी, माला बनाने वाले, रसोइया, सफाईकर्मी, संगीतकार, नर्तक आदि थे।)

Temples were not only the place of worship but they were the hub of economic, social and cultural life as well. (मंदिर न केवल पूजा के स्थान थे बल्कि वे आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन के केंद्र भी थे)

The making of bronze images of the deities was the most distinctive of the crafts associated with the temples. Chola bronze images are still considered the best in the world. (देवताओं की कांस्य प्रतिमाओं का निर्माण मंदिरों से जुड़े शिल्पों में सबसे विशिष्ट था। चोल कांस्य प्रतिमाएं आज भी विश्व में सर्वश्रेष्ठ मानी जाती हैं।)

The development of agriculture contributed much to the achievements of the Cholas. (चोलों की उपलब्धियों में कृषि के विकास ने बहुत योगदान दिया)

Although agriculture had developed earlier in other parts of Tamil Nadu, it was only from the fifth or sixth century that this area was opened up for large scale cultivation. (यद्यपि तमिलनाडु के अन्य भागों में कृषि पहले ही विकसित हो चुकी थी, यह पाँचवीं या छठी शताब्दी से ही इस क्षेत्र को बड़े पैमाने पर खेती के लिए खोल दिया गया था।)

Forests had to be cleared in some areas while land had to be levelled in some other regions. (कुछ क्षेत्रों में वनों को साफ करना पड़ा जबकि कुछ अन्य क्षेत्रों में भूमि को समतल करना पड़ा।)

Embankments were built to prevent flood and canals were constructed to carry water to the fields. In many areas two crops were grown in a year. (बाढ़ को रोकने के लिए तटबंधों का निर्माण किया गया और खेतों तक पानी ले जाने के लिए नहरों का निर्माण किया गया। कई क्षेत्रों में एक वर्ष में दो फसलें उगाई जाती थीं)

A variety of methods like digging of wells, placing huge tanks were used for irrigation. (सिंचाई के लिए कुएँ खोदना, बड़े-बड़े तालाब बनाना जैसी कई विधियों का प्रयोग किया जाता था)

Most of the new rulers, as well as people living in villages, were actively involved in these activities. (अधिकांश नए शासकों के साथ-साथ गाँवों में रहने वाले लोग भी इन गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल थे।)

The administration of the empires was also well organized. Ur, the settlement of peasants grew prosperous with the spread of irrigation agriculture. Groups of such villages formed larger units called nadu performed several administrative functions including dispensing justice and collecting taxes. (साम्राज्यों का प्रशासन भी सुव्यवस्थित था। उर, किसानों की बस्ती सिंचाई कृषि के प्रसार के साथ समृद्ध हुई। ऐसे गाँवों के समूहों ने नाडु नामक बड़ी इकाइयों का गठन किया और न्याय प्रदान करने और कर एकत्र करने सहित कई प्रशासनिक कार्य किए)

Rich peasants of the Vellala caste controlled over the affairs of the nadu under the supervision of the central Chola government. Some rich landowners were honoured with the titles like Vendavelan (a velan or peasant serving three kings) Araiyan (chief) etc. and they were also entrusted with important offices of the state at the centre. (केंद्रीय चोल सरकार की देखरेख में नाडु के मामलों पर वेल्लाला जाति के धनी किसानों का नियंत्रण था। कुछ धनी जमींदारों को वेंदावेलन (तीन राजाओं की सेवा करने वाला एक वेलन या किसान) अरैयार (प्रमुख) आदि उपाधियों से सम्मानित किया गया था और उन्हें केंद्र में राज्य के महत्वपूर्ण कार्यालय भी सौंपे गए थे।)

As Brahmanas often received land grants or brahmadeya, a large number of Brahmana settlements emerged in the Kaveri valley as in other parts of south India. Each brahmadeya was looked after by an assembly or sabha of prominent Brahmana landholders which worked efficiently. Their decisions were recorded in detail in inscriptions on the stone of walls of temples. (जैसा कि ब्राह्मणों को अक्सर भूमि अनुदान या ब्रह्मदेय प्राप्त होता था, दक्षिण भारत के अन्य हिस्सों की तरह कावेरी घाटी में बड़ी संख्या में ब्राह्मण बस्तियाँ उभरीं। प्रत्येक ब्रह्मदेय की देखभाल प्रमुख ब्राह्मण जमींदारों की एक सभा या सभा द्वारा की जाती थी जो कुशलता से काम करती थी। उनके निर्णय मंदिरों की दीवारों के पत्थरों पर शिलालेखों में विस्तार से दर्ज किए गए थे।)

Associations of traders known as nagarams also occasionally performed administrative functions in towns. (नगरम के रूप में जाने जाने वाले व्यापारियों के संघ भी कभी-कभी कस्बों में प्रशासनिक कार्य करते थे।)

Inscriptions from Uttaramerur in Chingleput district, Tamil Nadu, tell us the way in which the sabha was organised. There were separate committees to look after different works like that of irrigation, temples, etc. The allocation of work was decided through a lottery system. (तमिलनाडु के चिंगलेपुट जिले के उत्तरामेरुर के शिलालेख हमें उस तरीके के बारे में बताते हैं जिसमें सभा का आयोजन किया गया था। विभिन्न कार्यों जैसे सिंचाई, मंदिर आदि की देखभाल के लिए अलग-अलग समितियाँ थीं। काम का आवंटन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से तय किया गया था।)

Samanta: The subordinates of kings or overlords who used to bring gifts for their kings or overlords.
सामंत : राजाओं या अधिपतियों के अधीनस्थ जो अपने राजाओं या अधिपतियों के लिए उपहार लाते थे।

Maha-Samanta or Maha-mandaleshwara: The Samantas who gained power and wealth declared themselves Maha-Mahabaleshwar or Maha-samantas i.e. the great lord of a circle or region.

महा-सामंत या महा-मंडलेश्वर: सत्ता और धन प्राप्त करने वाले सामंतों ने खुद को महा-महाबलेश्वर या महा-सामंत घोषित किया, यानी एक मंडली या क्षेत्र का महान स्वामी।

Maharaja-adhiraja: A high sounding title used for great king, overlord.

महाराजा-अधिराज: महान राजा, अधिपति के लिए इस्तेमाल की जाने वाली उच्च ध्वनि वाली उपाधि।

Tribhuvan-chakravartin: Lord of the three worlds.

त्रिभुवन-चक्रवर्ती: तीनों लोकों के स्वामी।

Rent: The part of the product that the producers—the peasants, cattle-keepers, artisans- were compelled to pay to the lords.

लगान: उत्पाद का वह हिस्सा जो उत्पादकों-किसानों, पशुपालकों, कारीगरों- को सामंतों को देने के लिए विवश किया जाता था।

Revenue: The tax traders had to pay to their lords.

राजस्व: कर व्यापारियों को अपने स्वामियों को भुगतान करना पड़ता था।

Prashastis: A literary composition often in verse written in praise of the ruler depicting him as a valiant, victorious warrior. It was mainly done by the Brahmanas who were often rewarded by grants of land for such jobs. This reward was recorded on copper plates and given to those who received the land.

प्रशस्ति: शासक की प्रशंसा में लिखी गई एक साहित्यिक रचना जो उसे एक बहादुर, विजयी योद्धा के रूप में चित्रित करती है। यह मुख्य रूप से ब्राह्मणों द्वारा किया जाता था जिन्हें अक्सर ऐसी नौकरियों के लिए भूमि अनुदान द्वारा पुरस्कृत किया जाता था। यह इनाम ताम्रपत्रों पर दर्ज किया गया था और भूमि प्राप्त करने वालों को दिया गया था।

Sultan: An Arabic term used for the ruler.

सुल्तान: शासक के लिए प्रयुक्त अरबी शब्द

Ur: Settlements of peasants.

उर: किसानों की बस्तियाँ।

Nadu: Group of Urs i.e. villages formed a large unit called Nadu.

नाडु: उर्स के समूह अर्थात गाँवों ने नाडु नामक एक बड़ी इकाई का गठन किया।

Brahmadeya: The land given to the Brahmanas as a grant.

ब्रह्मदेय: अनुदान के रूप में ब्राह्मणों को दी गई भूमि।

Vellanvagai: The land of non-Brahmana peasant proprietors.

वेल्लनवगई: गैर-ब्राह्मण किसानों के मालिकों की भूमि।

Shalabhoga: The land for the maintenance of a school.

शालभोग: स्कूल के रखरखाव के लिए भूमि

Devadana/Tirunamattukkani: The land gifted to temples.

देवदाना/तिरुनामट्टुककानी: मंदिरों को उपहार में दी गई भूमि।

Pallichchandam: The land donated to Jaina institutions.

पल्लीछंदम: जैन संस्थाओं को दान की गई भूमि।

Nagarams: Associations of traders

नगरम: व्यापारियों का संघ

Sabha: The assembly of Brahmanas.

सभा: ब्राह्मणों की सभा।

7th century – Rise of the new dynasties.

7वीं शताब्दी - नए राजवंशों का उदय।

Mid-eighth century – Rise of Rashtrakuta chief as Kshatriya

मध्य-आठवीं शताब्दी - राष्ट्रकूट प्रमुख का क्षत्रिय के रूप में उदय।

1168-1192 – Prithviraja III ruled over the regions around Delhi.

1168-1192 - पृथ्वीराज तृतीय ने दिल्ली के आसपास के क्षेत्रों पर शासन किया।

1191 – Prithviraja III defeated Muhammad Ghori.

1191 - पृथ्वीराज तृतीय ने मुहम्मद गोरी को हराया।

1192 – Prithviraja III lost a battle and was finished by Muhammad Ghori.

1192 - पृथ्वीराज तृतीय एक युद्ध हार गया और मुहम्मद गोरी द्वारा समाप्त कर दिया गया।

985 – Rajaraja I became a great Chola ruler.

985 - राजराजा प्रथम एक महान चोल शासक बना।

5th/6th century – The area of Tamil Nadu was opened up for large-scale cultivation.

5वीं/छठी शताब्दी - तमिलनाडु के क्षेत्र को बड़े पैमाने पर खेती के लिए खोल दिया गया था।

The Delhi Sultans Chapter 3

दिल्ली सुल्तान अध्याय 3

Delhi first became the capital of a kingdom under the Tomara Rajputs, who were defeated by Chauhan (also called Chahamanas) of Ajmer (दिल्ली पहले तोमर राजपूतों के अधीन एक राज्य की राजधानी बनी, जिन्हें अजमेर के चौहान (जिन्हें चाहमान भी कहा जाता है) ने हराया था।)

The transformation of Delhi into a capital that controlled a vast area of the subcontinent started with the foundation of the Delhi Sultanate at the beginning of the 13th century. (उपमहाद्वीप के एक विशाल क्षेत्र को नियंत्रित करने वाली राजधानी में दिल्ली का परिवर्तन 13 वीं शताब्दी की शुरुआत में दिल्ली सल्तनत की नींव के साथ शुरू हुआ।)

Rulers of Delhi दिल्ली के शासक

Tomars: Early 12th century 1165.

तोमर: प्रारंभिक 12वीं शताब्दी 1165

Chauhans: 1165-1192

चौहान: 1165-1192

Prithviraj Chauhan: 1175-1192

पृथ्वीराज चौहान: 1175-1192

- **Under the Tomaras and Chauhans, Delhi became an important commercial centre (तोमरों और चौहानों के अधीन, दिल्ली एक महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र बन गया)**

Slave Dynasty: 1206-1290 (गुलाम वंश: 1206-1290)

In 1236, Razia, the daughter of Sultan Iltutmish, became the Sultan of Delhi. She was removed from the throne in 1240. (1236 में सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी रजिया दिल्ली की सुल्तान बनी। उसे 1240 में सिंहासन से हटा दिया गया था।)

Khilji Dynasty: 1290-1320 (खिलजी वंश: 1290-1320)

External frontier was the next phase of expansion which started with Alauddin Khilji in southern India. Alauddin Khilji, the most important ruler of Khilji dynasty, introduced the system of market control and administrative measures in order to maintain a large standing army. (बाहरी सीमा विस्तार का अगला चरण था जो दक्षिणी भारत में अलाउद्दीन खिलजी के साथ शुरू हुआ। खिलजी वंश के सबसे महत्वपूर्ण शासक अलाउद्दीन खिलजी ने एक बड़ी स्थायी सेना बनाए रखने के लिए बाजार नियंत्रण और प्रशासनिक उपायों की व्यवस्था की शुरुआत की।)

Tughlaq Dynasty: 1320-1414 (तुगलक वंश: 1320-1414)

External frontier culminated with Muhammad-bin-Tughluq and he introduced three projects – Shifting of capital from Delhi to Daulatabad, the introduction of token currency, raising the land tax in the Doab region to fifty per cent—all of which failed and weakened his position.

बाहरी सीमा का समापन मुहम्मद-बिन-तुगलक के साथ हुआ और उसने तीन परियोजनाएँ शुरू कीं - राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद स्थानांतरित करना, टोकन मुद्रा की शुरुआत, दोआब क्षेत्र में भूमि कर को बढ़ाकर पचास प्रतिशत करना - जिनमें से सभी विफल रहे और उसकी स्थिति कमजोर हुई .

Sayyid Dynasty: 1414-1451 (It was the only Shia dynasty)

सैय्यद वंश: 1414-1451 (यह एकमात्र शिया वंश था)

Lodi Dynasty: 1451-1526

लोदी वंश: 1451-1526

Finding out about the Delhi Sultans (दिल्ली के सुल्तानों के बारे में पता लगाना)

- Inscriptions, coins and architecture provide a lot of information. (शिलालेख, सिक्के और वास्तुकला बहुत सी जानकारी प्रदान करते हैं।)
- Further valuable sources are 'histories', Tarikh (singular)/tawarikh (plural), written in Persian, the language of administration under the Delhi Sultans. (आगे के मूल्यवान स्रोत 'इतिहास', तारिख (एकवचन)/तवारीख (बहुवचन), फारसी में लिखे गए हैं, जो दिल्ली सुल्तानों के अधीन प्रशासन की भाषा है)
- The authors of tawarikh were learned men; secretaries administrators, poets and courtiers who both recounted events and advised rulers on governance, emphasizing the importance of the just rule. (तवारीख के लेखक विद्वान पुरुष थे; सचिवों, प्रशासकों, कवियों और दरबारियों ने घटनाओं का वर्णन किया और शासकों को न्यायपूर्ण शासन के महत्व पर बल देते हुए शासन पर सलाह दी।)

From Garrison Town to Empire (गैरीसन टाउन से साम्राज्य तक)

- In the early 13th century the control of the Delhi Sultans rarely went beyond heavily fortified towns occupied by garrisons. (13वीं शताब्दी की शुरुआत में दिल्ली के सुल्तानों का नियंत्रण शायद ही कभी भारी किलेबंद कस्बों से आगे बढ़ा, जिन पर सैनिकों का कब्जा था।)
- Delhi's authority was challenged by Mongols and by governors who rebelled at any sign of the Sultan's weakness. (दिल्ली के अधिकार को मंगोलों और राज्यपालों द्वारा चुनौती दी गई, जिन्होंने सुल्तान की कमजोरी के किसी भी संकेत पर विद्रोह कर दिया।)
- The expansion of Delhi Sultanate took place under the reign of Balban, Alauddin Khilji and

Muhammad- Bin-Tughlaq.(दिल्ली सल्तनत का विस्तार बलबन, अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद-बिन-तुगलक के शासनकाल में हुआ)

Administration and Consolidation (प्रशासन और समेकन)

- To have reliable governors the early Delhi Sultans, especially Iltutmish' favoured their special slaves purchased for military service called 'Bandage' in Persian. (विश्वसनीय राज्यपाल रखने के लिए दिल्ली के शुरुआती सुल्तानों, विशेष रूप से इल्तुतमिश ने सैन्य सेवा के लिए खरीदे गए अपने विशेष दासों को फारसी में 'बैंडेज' कहा जाता था।)
- The Khiljis and Tughluqs continued to use Bandage and also raised people of humble birth, who were their clients, to high positions like governors and generals. (खिलजी और तुगलक ने बैंडेज का उपयोग करना जारी रखा और विनम्र जन्म के लोगों को भी उठाया, जो उनके ग्राहक थे, राज्यपालों और जनरलों जैसे उच्च पदों पर)
- The Khiljis and Tughluqs appointed military commanders as governors of territories of varying sizes.(खिलजी और तुगलक ने सैन्य कमांडरों को अलग-अलग आकार के प्रदेशों के गवर्नर के रूप में नियुक्त किया)
- These lands were called iqta and their holder was called muqti or iqtadar. The duty of muqtis was to lead military campaigns and maintain law and order in their iqtas.(इन भूमियों को इक्ता कहा जाता था और उनके धारक को मुक्ति या इक्तादार कहा जाता था। मुक्तियों का कर्तव्य सैन्य अभियानों का नेतृत्व करना और उनके इक्ता में कानून व्यवस्था बनाए रखना था।)
- In return, muqtis collected the revenues of their assignments as salary. They also paid their soldiers from this revenue.(इसके बदले में मुक्ती वेतन के रूप में अपने कार्यों से राजस्व वसूल करते थे। इस राजस्व से वे अपने सैनिकों को वेतन भी देते थे।)
- Under Alauddin Khilji and Muhammad, Tughluq accountants were appointed to check the amount collected by the muqtis.(अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद के अधीन, तुगलक लेखाकार मुक्तियों द्वारा एकत्र की गई राशि की जाँच के लिए नियुक्त किए गए थे।)
- As Delhi Sultans brought the hinterland of the cities under their control, they forced the samants and the rich landlords to accept their authority.(जब दिल्ली के सुल्तानों ने शहरों के भीतरी इलाकों को अपने नियंत्रण में ले लिया, तो उन्होंने सामंतों और अमीर जमींदारों को अपनी सत्ता स्वीकार करने के लिए मजबूर कर दिया।)
- The attack of Mongols under Genghis Khan forced Khiljis and Tughluqs to mobilise a large standing army in Delhi. (चंगेज खान के अधीन मंगोलों के हमले ने खिलजी और तुगलक को दिल्ली में एक बड़ी स्थायी सेना जुटाने के लिए मजबूर किया।)

The Sultanate in the Fifteenth and Sixteenth Centuries (पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में सल्तनत)

- The Tughluq, the Sayyid and Lodi dynasties ruled from Delhi and Agra until 1526.(तुगलक, सैय्यद और लोदी राजवंशों ने 1526 तक दिल्ली और आगरा पर शासन किया)
- By then Jaunpur, Bengal, Malwa, Gujarat, Rajasthan and entire South India had Independent rulers who had established flourishing states and prosperous capitals.(तब तक जौनपुर, बंगाल, मालवा, गुजरात, राजस्थान और पूरे दक्षिण भारत में स्वतंत्र शासक थे जिन्होंने फलते-फूलते राज्यों और समृद्ध राजधानियों की स्थापना की थी।)
- New ruling dynasties like the Afghans and Rajputs also arose during the period. (इस अवधि के दौरान अफगानों और राजपूतों जैसे नए शासक राजवंशों का भी उदय हुआ।)
- In 1526, Mughals established their empire.(1526 में मुगलों ने अपना साम्राज्य स्थापित किया।)
- Sher Shah Suri challenged and defeated the Mughal emperor Humayun. He captured Delhi and established his own dynasty. Although, he ruled for only fourteen years (1540-1555) but his administration became the model followed by the great Mughal emperor Akbar (1556-1605), when he consolidated the Mughal Empire.(शेर शाह सूरी ने मुगल बादशाह हुमायूँ को चुनौती दी

और पराजित किया। उसने दिल्ली पर कब्जा कर लिया और अपना राजवंश स्थापित किया। हालाँकि, उन्होंने केवल चौदह वर्षों (1540-1555) तक शासन किया, लेकिन उनका प्रशासन महान मुगल सम्राट अकबर (1556-1605) के बाद का मॉडल बन गया, जब उन्होंने मुगल साम्राज्य को मजबूत किया।)

Delhi became the capital of a kingdom under the Tomara Rajputs.(दिल्ली तोमर राजपूतों के अधीन एक राज्य की राजधानी बन गई।)

It was only under the rule of the Tomars and Chauhans that Delhi flourished as an important commercial centre. (यह तोमरों और चौहानों के शासन में ही था कि दिल्ली एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक केंद्र के रूप में फली-फूली)

The city was inhabited by many Jaina merchants who also constructed a number of temples.(शहर में कई जैन व्यापारी रहते थे जिन्होंने कई मंदिरों का निर्माण भी किया था।)

Coins, known as dehlival, were minted here and had a wide circulation.(देहलीवाल के नाम से जाने जाने वाले सिक्के यहां ढाले गए थे और इनका प्रचलन व्यापक था।)

Delhi Sultanate played the most vital role in the transformation of Delhi into a capital which controlled vast areas of the subcontinent. (दिल्ली सल्तनत ने उपमहाद्वीप के विशाल क्षेत्रों को नियंत्रित करने वाली राजधानी में दिल्ली के परिवर्तन में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई)

Inscriptions, coins and architecture provide a lot of information but especially significant are "histories", Tarikh (singular)/tawarikh (plural), written in Persian, the language of administration under Delhi Sultan.

शिलालेख, सिक्के और वास्तुकला बहुत सारी जानकारी प्रदान करते हैं, लेकिन विशेष रूप से महत्वपूर्ण "इतिहास", तारिख (एकवचन) / तवारीख (बहुवचन), फारसी में लिखे गए हैं, जो दिल्ली सुल्तान के अधीन प्रशासन की भाषा है।

Tawarikh were written by learned men, secretaries, administrators, poets, and courtiers who lived in cities (mainly Delhi). They were written for the Sultans with anticipation of rich rewards. They also advised rulers on governance, emphasizing the importance of just rule based on birthright and gender distinctions, not shared by everyone.

तवारीख शहरों (मुख्य रूप से दिल्ली) में रहने वाले विद्वान पुरुषों, सचिवों, प्रशासकों, कवियों और दरबारियों द्वारा लिखी गई थी। वे सुल्तानों के लिए समृद्ध पुरस्कारों की प्रत्याशा में लिखे गए थे। उन्होंने शासकों को जन्मसिद्ध अधिकार और लैंगिक भेद पर आधारित न्यायपूर्ण शासन के महत्व पर बल देते हुए शासन की सलाह भी दी, जिसे हर कोई साझा नहीं करता।

Raziyya, the daughter of Sultan Iltutmish, became the Sultan of Delhi in 1236 but she was dethroned only in 1240 only for being a woman and was unacceptable to the nobles. Even a famous chronicler of the age, Minhaj-i Siraj, recognized her as more able than all her brothers but was not comfortable with her, only for her being a lady.

सुल्तान इल्तुतमिश की बेटी रज़िया 1236 में दिल्ली की सुल्तान बनी, लेकिन केवल एक महिला होने के कारण उसे 1240 में ही गद्दी से हटा दिया गया और वह अमीरों को अस्वीकार्य थी। यहाँ तक कि उस समय के एक प्रसिद्ध इतिहासकार मिन्हाज-ए सिराज ने भी उसे अपने सभी भाइयों से अधिक सक्षम माना था, लेकिन वह उसके साथ सहज नहीं था, केवल उसके एक महिला होने के कारण।

In the early thirteenth century, there was no significant expansion of Delhi beyond heavily fortified town occupied by garrisons, it was only during the reigns of Ghiyasuddin Balban, Alauddin Khalji and Muhammad Tughluq that Delhi saw expansion for the first time.

तेरहवीं शताब्दी की शुरुआत में, गैरों के कब्जे वाले भारी किलेबंद शहर से परे दिल्ली का कोई महत्वपूर्ण विस्तार नहीं हुआ था, यह केवल गयासुद्दीन बलबन, अलाउद्दीन खिलजी और मुहम्मद तुगलक के शासनकाल के दौरान ही दिल्ली ने पहली बार विस्तार देखा था।

The expansion was initiated with the internal frontier. Forests were cleared in the Ganga-Yamuna doab and hunter-gatherers and pastoralists expelled from their habitats and these lands were given to the peasants in order to promote agriculture. Regional trades were also promoted.

विस्तार आंतरिक सीमा के साथ शुरू किया गया था। गंगा-यमुना दोआब में जंगलों को साफ कर दिया गया और शिकारी-संग्रहकर्ताओं और पशुपालकों को उनके आवासों से निकाल दिया गया और कृषि को बढ़ावा देने के लिए ये भूमि किसानों को दे दी गई। क्षेत्रीय व्यापारों को भी बढ़ावा दिया गया।

External frontier was the next phase of expansion which started with Alauddin Khalji in southern India and culminated with Muhammad Tughluq.

बाहरी सीमा विस्तार का अगला चरण था जो दक्षिणी भारत में अलाउद्दीन खिलजी के साथ शुरू हुआ और मुहम्मद तुगलक के साथ समाप्त हुआ।

The armies of Delhi Sultanate had marched across a large part of the subcontinent till the reign of Muhammad Tughluq. They defeated rivals, seized cities. The Sultanate collected taxes from the peasantry.

दिल्ली सल्तनत की सेनाओं ने मुहम्मद तुगलक के शासनकाल तक उपमहाद्वीप के एक बड़े हिस्से में मार्च किया था। उन्होंने प्रतिद्वंद्वियों को हराया, शहरों को जब्त कर लिया। सल्तनत किसानों से कर वसूल करती थी

The early Delhi Sultans favoured the appointment of their slaves purchased for military service as governors to control the administration of the vast empire. These slaves were totally dependent upon their master and so they were more reliable and trustworthy. They were called bandagan in Persian.

शुरुआती दिल्ली के सुल्तानों ने विशाल साम्राज्य के प्रशासन को नियंत्रित करने के लिए राज्यपालों के रूप में सैन्य सेवा के लिए खरीदे गए अपने दासों की नियुक्ति का समर्थन किया। ये दास पूरी तरह से अपने स्वामी पर निर्भर थे और इसलिए वे अधिक भरोसेमंद और भरोसेमंद थे। फारसी में उन्हें बंदगान कहा जाता था

The Khaljis and Tughluqs continued the use of bandagan and also raised people of humble birth, usually their clients, to high positions and appointed them as generals and governors. However, this also gave rise to political instability as there was often a conflict for succession.

खलजियों और तुगलकों ने बंदगान का उपयोग जारी रखा और विनम्र जन्म के लोगों को, आमतौर पर उनके ग्राहकों को, उच्च पदों पर खड़ा किया और उन्हें सेनापति और राज्यपाल नियुक्त किया। हालाँकि, इसने राजनीतिक अस्थिरता को भी जन्म दिया क्योंकि अक्सर उत्तराधिकार के लिए संघर्ष होता था।

This system was criticised by the elites and authors of tawarikh, because for them the new high class people were in fact 'low and base-born'.

तवारीख के अभिजात वर्ग और लेखकों द्वारा इस प्रणाली की आलोचना की गई, क्योंकि उनके लिए नए उच्च वर्ग के लोग वास्तव में 'निम्न और नीच पैदा' थे।

Khalji and Tughluq monarchs, like their predecessors, appointed military commanders as governors of territories of varying sizes. These territories were called iqta and their holders were called iqtadar or muqti.

खलजी और तुगलक राजाओं ने अपने पूर्ववर्तियों की तरह सैन्य कमांडरों को अलग-अलग आकार के प्रदेशों के राज्यपालों के रूप में नियुक्त किया। इन प्रदेशों को इक्ता कहा जाता था और उनके धारकों को इक्तादार या मुक्ती कहा जाता था।

Muqtis were responsible for leading their military campaigns and maintaining their iqtas.

मुक्ती अपने सैन्य अभियानों का नेतृत्व करने और अपने इक्ता को बनाए रखने के लिए जिम्मेदार थे।

Accountants were appointed by the state to check the amount of revenue collected by muqtis who were not allowed to collect revenue more than that prescribed by the state nor were they allowed to

keep soldiers more than the number prescribed by the state.

मुद्रितियों द्वारा एकत्रित राजस्व की राशि की जाँच के लिए राज्य द्वारा लेखाकारों को नियुक्त किया गया था, जिन्हें राज्य द्वारा निर्धारित राजस्व से अधिक राजस्व एकत्र करने की अनुमति नहीं थी और न ही उन्हें राज्य द्वारा निर्धारित संख्या से अधिक सैनिक रखने की अनुमति थी।

Delhi Sultans had complete control over the hinterland of the cities, and so the samanta aristocrats were forced to accept their authority. During Alauddin Khalji's regime the state brought the assessment and collection of land revenue under its control.

दिल्ली के सुल्तानों का शहरों के भीतरी इलाकों पर पूर्ण नियंत्रण था, और इसलिए सामंत अभिजात वर्ग को उनके अधिकार को स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा। अलाउद्दीन खिलजी के शासन के दौरान राज्य ने भू-राजस्व के मूल्यांकन और संग्रह को अपने नियंत्रण में ले लिया

There were three types of taxes: (1) on cultivation called kharaj and amounting to about 50 per cent of the peasant's produce; (2) on cattle; and (3) on houses.

तीन प्रकार के कर थे: (1) खराज नामक खेती पर और किसान की उपज का लगभग 50 प्रतिशत; (2) मवेशियों पर; और (3) घरों पर

As the large part of the subcontinent was outside the control of Delhi Sultan, it was difficult to control distant provinces like Bengal from Delhi. Hence, soon after annexation of southern India, the entire region became independent. The local chieftains established their rule in these regions.

चूंकि उपमहाद्वीप का बड़ा हिस्सा दिल्ली सुल्तान के नियंत्रण से बाहर था, इसलिए दिल्ली से बंगाल जैसे दूर के प्रांतों को नियंत्रित करना मुश्किल था। इसलिए, दक्षिण भारत के विलय के तुरंत बाद, पूरा क्षेत्र स्वतंत्र हो गया। स्थानीय सरदारों ने इन क्षेत्रों में अपना शासन स्थापित किया।

The Mongols led by Genghis Khan invaded Transoxiana in north-east Iran in 1219. Such attacks frequented during the reign of Alauddin Khalji and in the early days of Muhammad Tughluq's rule. This forced the two rulers to mobilize a large standing army in Delhi. It posed a huge administrative challenge.

चंगेज खान के नेतृत्व में मंगोलों ने 1219 में उत्तर-पूर्वी ईरान में ट्रांसोक्सियाना पर आक्रमण किया। इस तरह के हमले अलाउद्दीन खलजी के शासनकाल के दौरान और मुहम्मद तुगलक के शासन के शुरुआती दिनों में बार-बार हुए। इसने दोनों शासकों को दिल्ली में एक बड़ी स्थायी सेना जुटाने के लिए मजबूर किया। इसने एक बड़ी प्रशासनिक चुनौती पेश की।

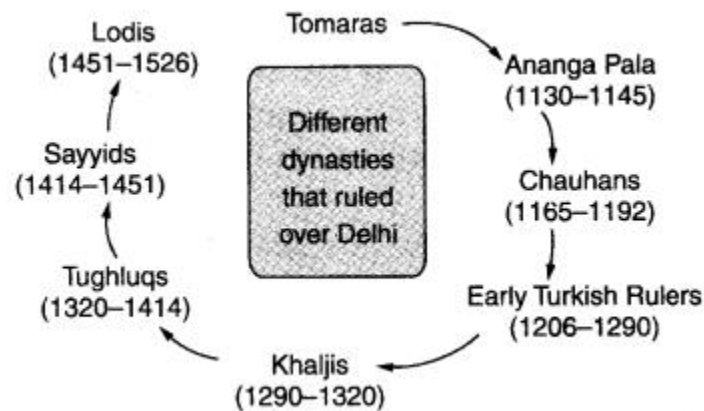
After Tughluqs the Sayyid and Lodi dynasties ruled from Delhi and Agra until 1526. By that time Jaunpur, Bengal, Malwa, Gujarat, Rajasthan and entire south India had independent rulers who established flourishing states and prosperous capitals. It was during this period that some new ruling groups like the Afghans and the Rajputs emerged.

तुगलक के बाद सैय्यद और लोदी राजवंशों ने 1526 तक दिल्ली और आगरा पर शासन किया। उस समय तक जौनपुर, बंगाल, मालवा, गुजरात, राजस्थान और पूरे दक्षिण भारत में स्वतंत्र शासक थे जिन्होंने फलते-फूलते राज्यों और समृद्ध राजधानियों की स्थापना की। इसी अवधि के दौरान अफगानों और राजपूतों जैसे कुछ नए शासक समूहों का उदय हुआ

Some small but powerful and extremely well-administered states also emerged. Sher Shah Sur (1540—1545) was the most powerful of them all. He even challenged the Mughal emperor Humayun and captured Delhi. In a very short period of fifteen years (1540-1555), he introduced many reforms and a lot of welfare works. His administration became the model followed by the great emperor Akbar (1556—1605) when he consolidated the Mughal Empire.

कुछ छोटे लेकिन शक्तिशाली और अत्यंत सुव्यवस्थित राज्यों का भी उदय हुआ। शेर शाह सूर (1540-1545) उन सभी में सबसे शक्तिशाली था। यहां तक कि उसने मुगल बादशाह हुमायूं को भी चुनौती दी और दिल्ली पर कब्जा कर लिया। पंद्रह वर्षों (1540-1555) की बहुत ही कम अवधि में, उन्होंने कई सुधार और बहुत सारे कल्याणकारी कार्यों की शुरुआत की। उनका प्रशासन महान सम्राट अकबर (1556-1605) द्वारा अपनाया गया मॉडल बन गया जब उन्होंने मुगल साम्राज्य को समेकित किया

The Rulers of Delhi



Dhaliwal: The place where coins were minted.

धालीवाल: वह स्थान जहाँ सिक्के ढाले जाते थे।

Tarikh: History.

तारिख: इतिहास।

Tawarikh: Plural of Tarikh.

तवारीख: तारिख का बहुवचन।

Birthright: It refers to the privileges claimed on account of the birth.

जन्मसिद्ध अधिकार: यह जन्म के कारण दावा किए गए विशेषाधिकारों को संदर्भित करता है।

Gender distinctions: Social and biological differences between men and women.

लिंग भेद: पुरुषों और महिलाओं के बीच सामाजिक और जैविक अंतर।

Hinterland: It refers to the land adjacent to a city or port that supply it with goods and services.

हिनटरलैंड: यह एक शहर या बंदरगाह से सटे भूमि को संदर्भित करता है जो इसे वस्तुओं और सेवाओं की आपूर्ति करता है।

Garrison town: It refers to a town which is fortified with soldiers.

गैरिसन शहर: यह एक ऐसे शहर को संदर्भित करता है जो सैनिकों के साथ किलेबंद है।

Mosque: It is called a masjid in Arabic, and literarily means a place where a Muslim prostrates in reverence to Allah.

मस्जिद: इसे अरबी में मस्जिद कहा जाता है, और इसका शाब्दिक अर्थ एक ऐसी जगह है जहाँ एक मुसलमान अल्लाह की इज्जत करता है।

Namaz: It refers to the prayer offered by a Muslim.

नमाज: यह एक मुसलमान द्वारा की जाने वाली प्रार्थना को संदर्भित करता है।

Imam: The spiritual leader of the Muslims.

इमाम: मुसलमानों के आध्यात्मिक नेता।

Khutba: Sermon.

खुतबा : उपदेश।

Client: Someone who is under the protection of another, a dependent or hanger-on.

मुवक्किल: वह जो किसी दूसरे, आश्रित या पिछलग्गू के संरक्षण में हो।

Iqta: The territories under the military commanders were known as iqta.

इक्ता: सैन्य कमांडरों के अधीन क्षेत्रों को इक्ता के रूप में जाना जाता था।

Kharaj: The tax on cultivation was known as Kharaj.

खराज: खेती पर लगने वाले कर को खराज के नाम से जाना जाता था।

Bandagan: The early Delhi Sultans especially Iltutmish favoured their slaves purchased for military service. These slaves were known as bandagan in Persian.

बंदगान: प्रारंभिक दिल्ली के सुल्तानों ने विशेष रूप से इल्तुतमिश ने सैन्य सेवा के लिए खरीदे गए अपने दासों का पक्ष लिया। इन गुलामों को फारसी में बंदगान कहा जाता था।

Early twelfth century – 1165: Reign of Tomara Rajputs.

प्रारंभिक बारहवीं शताब्दी – 1165: तोमर राजपूतों का शासन काल।

1175-1192: Reign of Prithviraj Chauhan.

1175-1192: पृथ्वीराज चौहान का शासनकाल।

1206-1210: Reign of Qutbuddin Aybak.

1206-1210 : कुतुबुद्दीन ऐबक का शासन काल।

1236: Raziyya became Sultan.

1236: रजिया सुल्तान बनी।

1240: Raziyya was dethroned.

1240: रजिया का सिंहासनारूढ़ किया गया।

1296-1316: Reign of Alauddin Khalji.

1296-1316: अलाउद्दीन खिलजी का शासन काल।

1324-1351: Reign of Muhammad Tughluq.

1324-1351: मुहम्मद तुगलक का शासन।

1351-1388: Reign of Firuz Shah Tughluq.

1351-1388: फिरोज शाह तुघीउक का शासन काल।

1414-1421: Reign of Khizr Khan belonging to Sayyid dynasty.

1414-1421: सैय्यद वंश के खिज़्र खान का शासनकाल।

1451-1489: Reign of Bahlul Lodi.

1451-1489: बहलोल लोदी का शासनकाल।

1540-1555: Sher Shah ruled over Delhi.

1540-1555: शेरशाह ने दिल्ली पर शासन किया।

मुगल साम्राज्य अध्याय 4

Babur (1526-1530) was the first Mughal emperor, who became the ruler of old Delhi by defeating Ibrahim Lodi at Panipat in 1526. From the latter half of the 16th century, the Mughals expanded their kingdom from Agra and Delhi, until in the 17th century they controlled nearly all of the subcontinent. The legacy left by them stands unparalleled.

बाबर (1526-1530) पहला मुगल सम्राट था, जो 1526 में पानीपत में इब्राहिम लोदी को हराकर पुरानी दिल्ली का शासक बना। 17वीं सदी में लगभग पूरे उपमहाद्वीप पर उनका नियंत्रण था। उनके द्वारा छोड़ी गई विरासत अद्वितीय है।

Who were the Mughals (मुगल कौन थे)

The Mughals were descendants of two great lineages of rulers. From their mother's side, they were descendants of Genghis Khan and from the father's side, they were the descendants of Timur.

मुगल शासकों के दो महान वंशों के वंशज थे। वे अपनी माता की ओर से चंगेज खान के वंशज थे और पिता की ओर से वे तैमूर के वंशज थे।

Mughal Military Campaigns (मुगल सैन्य अभियान)

- Babur, the first Mughal emperor, captured Delhi in 1526 by defeating Ibrahim Lodi in the Battle of Panipat.
पहले मुगल बादशाह बाबर ने 1526 में पानीपत की लड़ाई में इब्राहिम लोदी को हराकर दिल्ली पर कब्जा कर लिया।
- Humayun captured Delhi back in 1555.
हुमायूँ ने 1555 में वापस दिल्ली पर कब्जा कर लिया।
- Akbar captured Chittor (1568), Ranthambor (1569), Gujarat, Bihar, Bengal, Kashmir, Berar Khandesh, etc. (1585-1605).
अकबर ने चित्तौड़ (1568), रणथंभौर (1569), गुजरात, बिहार, बंगाल, कश्मीर, बरार खानदेश, आदि (1585-1605) पर कब्जा कर लिया।
- Jahangir took campaign against Sikhs and Ahoms.
जहांगीर ने सिखों और अहोमों के खिलाफ अभियान चलाया
- Shah Jahan captured Ahmadnagar and Bijapur.
शाहजहाँ ने अहमदनगर और बीजापुर पर अधिकार कर लिया।
- Aurangzeb waged a long battle in the Deccan.
औरंगजेब ने दक्कन में एक लंबी लड़ाई लड़ी।

Mughal Traditions of Succession (उत्तराधिकार की मुगल परंपराएं)

- The Mughals did not believe in the rule of primogeniture, where the eldest son inherited his father's estate.
मुगल ज्येष्ठाधिकार के नियम में विश्वास नहीं करते थे, जहाँ बड़े बेटे को अपने पिता की संपत्ति विरासत में मिलती थी।
- They followed the custom of coparcenary inheritance or a division of the inheritance amongst all the sons.
उन्होंने सहदायिकी विरासत या सभी पुत्रों के बीच विरासत के विभाजन की प्रथा का पालन किया।

Mughal Relationships with other Rulers (अन्य शासकों के साथ मुगल संबंध)

- The Mughal rulers campaigned constantly against rulers who refused to accept their authority.
मुगल शासकों ने उन शासकों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाए जिन्होंने उनकी सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था।
- But as the Mughals became powerful many other rulers also joined them voluntarily. The

Rajputs served the Mughals voluntarily.

लेकिन जैसे-जैसे मुगल शक्तिशाली होते गए, कई अन्य शासक भी स्वेच्छा से उनके साथ जुड़ गए। राजपूतों ने स्वेच्छा से मुगलों की सेवा की।

- Mughals gave mansab and jagirs which helped them to expand their territories. मुगलों ने मनसब और जागीरें दीं जिससे उन्हें अपने क्षेत्रों का विस्तार करने में मदद मिली।
- The main source of income available to Mughal rulers was tax on the produce of the peasantry.
मुगल शासकों के लिए उपलब्ध आय का मुख्य स्रोत किसानों की उपज पर कर था।

Akbar's Policies अकबर की नीतियां

- Akbar's works are found in the book Akbarnama written by Abul Fazal.
अकबर की रचनाएँ अबुल फज़ल द्वारा लिखित अकबरनामा पुस्तक में पाई जाती हैं।
- Akbar divided his kingdom into provinces called subas governed by a Subedar. अकबर ने अपने राज्य को प्रांतों में विभाजित किया जिन्हें सूबेदार कहते थे।
- Akbar's nobles commanded large armies and had access to large amounts of revenue.
अकबर के अमीरों के पास बड़ी सेनाएँ थीं और बड़ी मात्रा में राजस्व तक उनकी पहुँच थी
- While Akbar was at Fatehpur Sikri, he started a discussion on religion with the ulemas, Brahmanas, Jesuit priests who were Roman Catholics and Zoroastrians. जब अकबर फतेहपुर सीकरी में था, उसने उलेमाओं, ब्राह्मणों, जेसुइट पुजारियों के साथ धर्म पर चर्चा शुरू की जो रोमन कैथोलिक और पारसी थे
- The discussions took place in the ibadat khana.
इबादतखाने में चर्चा हुई।
- It led Akbar to the idea of Sulh-i-kul or universal peace.
इसने अकबर को सुलह-ए-कुल या सार्वभौमिक शांति के विचार के लिए प्रेरित किया।
- Shah Jahan and Jahangir also followed this principle.
शाहजहाँ और जहाँगीर ने भी इसी सिद्धांत का पालन किया।
- Akbar realized those religious scholars' emphasized rituals and dogmas were often bigots.
अकबर ने महसूस किया कि धार्मिक विद्वानों द्वारा जोर दिए जाने वाले कर्मकांड और हठधर्मिता अक्सर धर्मांध थे।
- Abul Fazl, one of the Akbar's friends and courtiers wrote a three-volume history of Akbar's reign, titled Akbar-nama.
अकबर के मित्रों और दरबारियों में से एक, अबुल फज़ल ने अकबर के शासनकाल का तीन खंडों का इतिहास लिखा, जिसका शीर्षक अकबर-नामा था।

The Mughals Empire in the 17th Century and After (17वीं शताब्दी और उसके बाद मुगल साम्राज्य)

- The administrative and military efficiency of the Mughal Empire led to great economic and commercial prosperity.
मुगल साम्राज्य की प्रशासनिक और सैन्य दक्षता ने महान आर्थिक और वाणिज्यिक समृद्धि का नेतृत्व किया।
- The Mughal emperors and their mansabdars spent a great deal of their income on salaries and goods.
मुगल बादशाह और उनके मनसबदार अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा वेतन और सामान पर खर्च करते थे
- Mansabdars received their salaries as revenue assignments called jagirs.
मनसबदारों को अपना वेतन राजस्व समनुदेशन के रूप में प्राप्त होता था जिसे जागीर कहा जाता था।
- The main source of income to Mughal rule was the tax received on the produce of the peasantry.
मुगल शासन की आय का मुख्य स्रोत किसानों की उपज पर प्राप्त कर था।
- The wealthier peasantry and artisanal groups, the merchants and bankers profited in this economic world.
धनी किसान और दस्तकार समूह, व्यापारी और साहूकार इस आर्थिक दुनिया में लाभान्वित हुए।

- Primary producers, however, lived in poverty.
प्राथमिक उत्पादक, हालांकि, गरीबी में रहते थे।
- By the end of the 17th century, the authority of the Mughal Empire declined which gave rise to many independent provinces like Hyderabad and Awadh.
17वीं शताब्दी के अंत तक, मुगल साम्राज्य के अधिकार में गिरावट आई जिसने हैदराबाद और अवध जैसे कई स्वतंत्र प्रांतों को जन्म दिया।

The Mughals were great rulers. They created a huge empire. From the latter half of the 16th century, they expanded their kingdom from Agra and Delhi, until in the 17th century they controlled nearly all the subcontinent.

मुगल महान शासक थे। उन्होंने एक विशाल साम्राज्य बनाया। 16वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से, उन्होंने आगरा और दिल्ली से अपने राज्य का विस्तार किया, 17वीं शताब्दी तक उन्होंने लगभग पूरे उपमहाद्वीप को नियंत्रित किया।

The Mughals were descendants of two great lineages of rulers. From their mother's side they were descendants of Genghis Khan, ruler of the Mongol tribes, China and Central Asia. From their father's side they were the successors of Jimur, the ruler of Iran, Iraq and modern day Turkey. However, the Mughals were proud of their Jimurid ancestry.

मुगल शासकों के दो महान वंशों के वंशज थे। अपनी माता की ओर से वे मंगोल कबीलों, चीन और मध्य एशिया के शासक चंगेज खान के वंशज थे। अपने पिता की ओर से वे ईरान, इराक और आधुनिक तुर्की के शासक जिमूर के उत्तराधिकारी थे। हालाँकि, मुगलों को अपने जिमुरिड वंश पर गर्व था।

Babur was the first Mughal emperor, He became the ruler of Delhi by defeating Ibrahim Lodi at Panipat in 1526. He also established his control over Agra. But he could not rule for a long time. After his death in 1530, his son Humayun became the second Mughal emperor.

बाबर पहला मुगल बादशाह था, वह 1526 में पानीपत में इब्राहिम लोदी को हराकर दिल्ली का शासक बना। उसने आगरा पर भी अपना अधिकार स्थापित किया। परन्तु वह अधिक समय तक शासन न कर सका। 1530 में उनकी मृत्यु के बाद, उनका बेटा हुमायूँ दूसरा मुगल बादशाह बना।

Sherkhan defeated Humayun at Chausa in 1539 and Kanauj in 1540 forcing him to flee to Iran. He recaptured Delhi in 1555 with the help of Safarid Shah but died soon afterwards.

शेरखान ने 1539 में चौसा और 1540 में कन्नौज में हुमायूँ को पराजित किया और उसे ईरान भाग जाने के लिए मजबूर किया। उसने 1555 में सफ़ारीद शाह की मदद से दिल्ली पर फिर से कब्जा कर लिया लेकिन जल्द ही उसकी मृत्यु हो गई।

Akbar became the emperor of Delhi at the age of 13. He was very competent and soon began to handle the entire empire successfully. In 1568 he seized the Sisodiya capital of Chittor and in 1569 Ranthambhor. During the period 1570-1585 he started military campaign in Gujarat which was followed by campaigns in the east in Bihar, Bengal and Orissa. During the period 1585-1605 Akbar expanded his empire.

अकबर 13 वर्ष की आयु में दिल्ली का बादशाह बना। वह बहुत योग्य था और जल्द ही पूरे साम्राज्य को सफलतापूर्वक संभालने लगा। 1568 में उसने चित्तौड़ की सिसोदिया राजधानी और 1569 में रणथंभौर पर कब्जा कर लिया। 1570-1585 की अवधि के दौरान उसने गुजरात में सैन्य अभियान शुरू किया जिसके बाद पूर्व में बिहार में अभियान चला। बंगाल और उड़ीसा। 1585-1605 की अवधि के दौरान अकबर ने अपने साम्राज्य का विस्तार किया।

Jahangir became the emperor in 1605. He continued the military campaigns started by Akbar. 1605 में जहांगीर बादशाह बना। उसने अकबर द्वारा शुरू किए गए सैन्य अभियानों को जारी रखा।

After Jahangir Shah Jahan took the control of the Mughal Empire. He continued Mughal campaigns in the Deccan.

जहांगीर के बाद शाहजहाँ ने मुगल साम्राज्य पर अधिकार कर लिया। उसने दक्कन में मुगल अभियान जारी रखा।

Aurangzeb's reign ranges from 1658 to 1707. His campaign against Maratha Chieftain Shivaji was very important. Initially, Aurangzeb got success. But soon Shivaji declared himself an independent king after being insulted by Aurangzeb. He also resumed his campaigns against the Mughals.

औरंगजेब का शासनकाल 1658 से 1707 तक है। मराठा सरदार शिवाजी के खिलाफ उसका अभियान बहुत महत्वपूर्ण था। प्रारंभ में औरंगजेब को सफलता मिली। लेकिन जल्द ही औरंगजेब द्वारा अपमानित किए जाने पर शिवाजी ने खुद को एक स्वतंत्र राजा घोषित कर दिया। उन्होंने मुगलों के खिलाफ अपने अभियानों को भी फिर से शुरू किया।

From 1698 Aurangzeb personally managed campaigns in the Deccan against the Marathas who started guerrilla warfare. Aurangzeb also faced the rebellion in north India of the Sikhs, Jats and Satnamis.

1698 से औरंगजेब ने व्यक्तिगत रूप से मराठों के खिलाफ दक्कन में अभियानों का प्रबंधन किया जिन्होंने गुरिल्ला युद्ध शुरू किया। औरंगजेब को उत्तर भारत में सिक्खों, जाटों और सतनामियों के विद्रोह का भी सामना करना पड़ा।

The Mughals followed the Mughal and Timurid custom of Loparcenary inheritance or a division of the inheritance amongst all the sons.

मुगलों ने मुगल और तैमूरी प्रथा का पालन किया जिसमें लोपारसेनरी विरासत या सभी पुत्रों के बीच विरासत का विभाजन था।

One of the major policies of the Mughals was to campaign constantly against rulers who refused to accept Mughal authority. However, several rulers joined them voluntarily. Many Rajputs married their daughters into Mughal families to gain high positions. But at the same time there were many Rajputs such as the Sisodiya Rajputs, who resisted the Mughal authority.

मुगलों की प्रमुख नीतियों में से एक शासकों के खिलाफ लगातार अभियान चलाना था जिन्होंने मुगल सत्ता को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। हालाँकि, कई शासक स्वेच्छा से उनके साथ शामिल हो गए। कई राजपूतों ने उच्च पद प्राप्त करने के लिए अपनी बेटियों की शादी मुगल परिवारों में कर दी। लेकिन साथ ही सिसोदिया राजपूत जैसे कई राजपूत भी थे, जिन्होंने मुगल सत्ता का विरोध किया।

The Mughal Empire was expanding to different regions. Hence, the Mughals recruited diverse bodies of people. Those who joined Mughal service were enrolled as mansabdars. These mansabdars held a mansab, meaning a position or rank. Rank and salary of the mansabdars were determined by a numerical value called zat.

मुघई साम्राज्य का विस्तार विभिन्न क्षेत्रों में हो रहा था। इसलिए, मुगलों ने लोगों के विविध निकायों की भर्ती की। जो लोग मुगल सेवा में शामिल हुए उन्हें मनसबदारों के रूप में नामांकित किया गया। इन मनसबदारों के पास मनसब होता था, जिसका अर्थ पद या पद होता है। मनसबदारों का पद और वेतन एक संख्यात्मक मान द्वारा निर्धारित किया जाता था जिसे ज़ात कहा जाता था

Mansabdars received their salaries as revenue assignments called jagirs.

मनसबदारों को अपना वेतन राजस्व कार्यों के रूप में प्राप्त होता था जिसे जागीर कहा जाता था।

In Akbar's reign these jagirs were carefully assessed so that their revenues were roughly equal to the salary of the mansabdar. By Aurangzeb's reign this was no longer the case. The actual revenue collected was often less than the granted sum.

अकबर के शासनकाल में इन जागीरों का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया जाता था ताकि उनका राजस्व मोटे तौर पर मनसबदार के वेतन के बराबर हो। औरंगजेब के शासनकाल में अब ऐसा नहीं था। एकत्र किया गया वास्तविक राजस्व अक्सर दी गई राशि से कम होता था

The main source of income available to Mughal rule was tax on the produce of the peasantry.

मुगल शासन के लिए उपलब्ध आय का मुख्य स्रोत किसानों की उपज पर कर था।

Akbar's revenue minister was Todar Mai. He carried out a carefully survey of crop yields, prices and areas cultivated for a 10-year period, i.e. 1570-1580. On the basis of this data, tax was fixed on each

crop in cash. Each province, was divided into revenue circles with its own schedule of revenue rates for individual crop. This revenue system was known as zabt.

अकबर के राजस्व मंत्री टोडर माई थे। उन्होंने 10 साल की अवधि, यानी 1570-1580 की अवधि के लिए फसल की पैदावार, कीमतों और खेती वाले क्षेत्रों का सावधानीपूर्वक सर्वेक्षण किया। इस आँकड़ों के आधार पर प्रत्येक फसल पर नकद रूप में कर निर्धारित किया जाता था। प्रत्येक प्रांत को अलग-अलग फसल के लिए राजस्व दरों की अपनी अनुसूची के साथ राजस्व हलकों में विभाजित किया गया था। इस राजस्व प्रणाली को ज़बत के नाम से जाना जाता था।

Abul Fazl, one of the Akbar's friends and courtiers wrote a three-volume history of Akbar's reign, titled Akbar Nama.

अकबर के मित्रों और दरबारियों में से एक अबुल फजल ने अकबर के शासनकाल का तीन खंडों का इतिहास लिखा, जिसका शीर्षक अकबरनामा था।

Abul Fazl explained that the empire was divided into provinces called subas, governed by a subadar. अबुल फजल ने बताया कि साम्राज्य सूबे नामक प्रांतों में विभाजित था, जो एक सूबेदार द्वारा शासित होता था।

The subadar carried out both political and military functions. Each province also had a financial officer or diwan.

सूबेदार राजनीतिक और सैन्य दोनों प्रकार के कार्य करता था। प्रत्येक प्रांत में एक वित्तीय अधिकारी या दीवान भी होता था।

Akbar's nobles commanded large armies and had access to large amounts of revenue. By the end of the 17th century these nobles became independent...

अकबर के अमीरों ने बड़ी सेनाओं की कमान संभाली थी और बड़ी मात्रा में राजस्व तक उनकी पहुंच थी। 17वीं शताब्दी के अंत तक ये कुलीन स्वतंत्र हो गए।

During the 1570 Akbar started discussions on religion at Fatehpur Sikri with the ulama, Brahmanas, Jesuit priests who were Roman catholics and Zoroastrians. These religious discussions led Akbar to the idea of Sulh-i Kul or 'universal peace'

1570 के दौरान अकबर ने फतेहपुर सीकरी में उलमा, ब्राह्मणों, जेसुइट पुजारियों के साथ धर्म पर चर्चा शुरू की जो रोमन कैथोलिक और पारसी थे। इन धार्मिक चर्चाओं ने अकबर को सुलह-ए-कुल या 'सार्वभौमिक शांति' के विचार के लिए प्रेरित किया।

Akbar's son Jahangir followed his father's policy of Sulh-i kul.

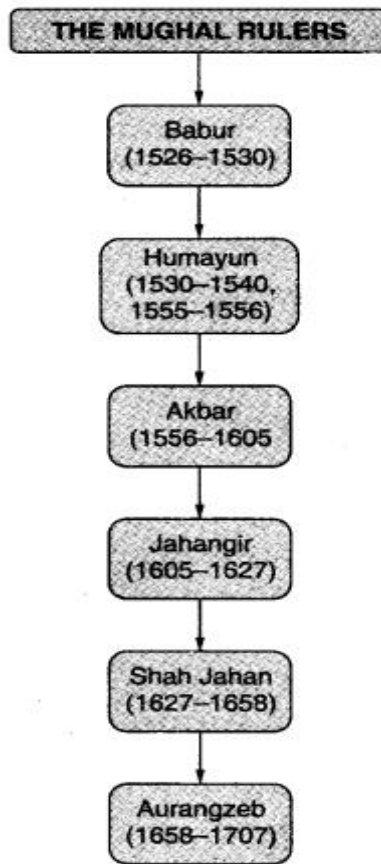
अकबर के बेटे जहांगीर ने अपने पिता की सुलह-ए-कुल की नीति का पालन किया।

Mehrnuiza married the Emperor Jahangir in 1611 and received the title Nur Jahan. She was very supportive to the monarch.

मेहरुनुइज़ा ने 1611 में बादशाह जहांगीर से शादी की और नूरजहाँ की उपाधि प्राप्त की। वह महाराजा के लिए बहुत सहायक थीं।

The Mughal Empire exercised a great deal of influence and power. But by the end of the 17th century the authority of the Mughal Empire declined which gave rise to many independent provinces like Hyderabad and Awadh.

मुगल साम्राज्य ने बहुत अधिक प्रभाव और शक्ति का प्रयोग किया। लेकिन 17वीं शताब्दी के अंत तक मुगल साम्राज्य के अधिकार में गिरावट आई जिसने हैदराबाद और अवध जैसे कई स्वतंत्र प्रांतों को जन्म दिया।



Genealogy: History of generations of one's family in sequence.

वंशावली: क्रम में किसी के परिवार की पीढ़ियों का इतिहास।'

Mansabdar: An individual who holds a mansab meaning a position or rank.

मनसबदार: एक व्यक्ति जिसके पास एक मनसब होता है जिसका अर्थ है पद या पद।

Zat: Ranks and salary were determined by a numerical value called Zat.

जाट: रैंक और वेतन का निर्धारण एक संख्यात्मक मान द्वारा किया जाता था जिसे जत कहा जाता था।

Jagir: Mansabdars received their salaries as revenue assignments called Jagirs. Zamindars. The headmen or the local chieftain.

जागीर: मनसबदारों को अपना वेतन राजस्व के रूप में प्राप्त होता था जिसे जागीर कहा जाता था। जमींदार। मुखिया या स्थानीय मुखिया

Zabt: Each province during Mughals was divided into revenue circles with its own schedule of revenue rates for individual crops. This revenue system was called as Zabt. Suba and Subadar. The empire was divided into provinces called Subas which were governed by a Subadar who carried both political and military functions.

ज़बत: मुगलों के दौरान प्रत्येक प्रांत को अलग-अलग फसलों के लिए राजस्व दरों की अपनी अनुसूची के साथ राजस्व हलकों में विभाजित किया गया था। इस राजस्व प्रणाली को ज़बत कहा जाता था। सूबा और सूबेदार। साम्राज्य को सूबा

नामक प्रांतों में विभाजित किया गया था जो एक सूबेदार द्वारा शासित थे जो राजनीतिक और सैन्य दोनों प्रकार के कार्य करते थे

Diwan: The financial officer of a Suba was called as Diwan.

दीवान: एक सूबे के वित्तीय अधिकारी को दीवान कहा जाता था।

1237: Genghis Khan died.

1237: चंगेज खान की मृत्यु हुई।

1404: Jimur died.

1404: जिमूर की मृत्यु हुई।

1526-1530: Reign of Babur. He captured Delhi in 1526 by defeating Ibrahim Lodi and laid the foundation of the Mughal Empire.

1526-1530: बाबर का शासन। उसने 1526 में इब्राहिम लोदी को हराकर दिल्ली पर कब्जा कर लिया और मुगल साम्राज्य की नींव रखी।

1539: Sher Shah defeated Humayun at Chausa.

1539: शेरशाह ने चौसा के युद्ध में हुमायूँ को हराया

1540: Sher Shah again defeated Humayun, this time at Kanauj.

1540: शेर शाह ने इस बार कन्नौज में हुमायूँ को फिर से हराया।

1555: Humayun recaptured Delhi

1555: हुमायूँ ने दिल्ली पर पुनः अधिकार किया

1556: Akbar became the Mughal Emperor at the age of 13.

1556: अकबर 13 साल की उम्र में मुगल बादशाह बना।

1568: Akbar seized Sisodiya capital of Chittor

1568: अकबर ने सिसोदिया की राजधानी चित्तौड़ पर अधिकार कर लिया

1569: Akbar seized Ranthambhore

1569: अकबर ने रणथंभौर पर अधिकार कर लिया

1605-1627: Jahangir ruled over Delhi as the Mughal emperor

1605-1627: जहाँगीर ने मुगल बादशाह के रूप में दिल्ली पर शासन किया

1627-1658: Shah Jahan reigned over Delhi.

1627-1658: शाहजहाँ ने दिल्ली पर शासन किया।

1632: Ahmadnagar was annexed by Shah Jahan

1632: शाहजहाँ ने अहमदनगर पर अधिकार कर लिया

1658-1707: Aurangzeb reigned over Delhi.

1658-1707: औरंगजेब ने दिल्ली पर शासन किया।

1685: Aurangzeb annexed Bijapur

1685: औरंगजेब ने बीजापुर पर अधिकार कर लिया

1687: Aurangzeb annexed Golconda

1687: औरंगजेब ने गोलकुंडा पर कब्जा किया

1698: Aurangzeb campaigned in the Deccan against the Marathas.

1698: औरंगजेब ने दक्कन में मराठों के खिलाफ अभियान चलाया

Rulers and Buildings Chapter 5 **शासक और भवन अध्याय 5**

In medieval period rulers built private and public buildings like forts, palaces, tombs, temples, mosques, tanks, etc
मध्ययुगीन काल में शासकों ने निजी और सार्वजनिक भवनों जैसे किलों, महलों, मकबरों, मंदिरों, मस्जिदों, तालाबों आदि का निर्माण किया।

Engineering Skills and Construction (इंजीनियरिंग कौशल और निर्माण)

- Monuments provide an insight into the technologies used for construction.
स्मारक निर्माण के लिए उपयोग की जाने वाली तकनीकों के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।
- Between the seventh and tenth centuries, architects started adding more rooms, doors and windows to buildings.
सातवीं और दसवीं शताब्दी के बीच, वास्तुकारों ने इमारतों में अधिक कमरे, दरवाजे और खिड़कियां जोड़नी शुरू कीं
- Roofs, doors and windows were made by placing a horizontal beam across two vertical columns, a style of architecture called 'trabeate' or 'corbelled'.
छत, दरवाजे और खिड़कियाँ दो ऊर्ध्वाधर स्तंभों के बीच एक क्षैतिज बीम रखकर बनाई गई थीं, वास्तुकला की एक शैली जिसे 'ट्रेबीट' या 'कोरबेल' कहा जाता है।
- Two technological and stylistic developments from the twelfth century are 'arcuate architectural' form and use of limestone mixed with stone chips that led to faster construction.
बारहवीं शताब्दी से दो तकनीकी और शैलीगत विकास 'आर्क्युएट आर्किटेक्चरल' रूप और स्टोन चिप्स के साथ मिश्रित चूना पत्थर का उपयोग है जिससे तेजी से निर्माण हुआ
- Assimilation of Indian style with Persian style of architecture was prominent. फारसी शैली की वास्तुकला के साथ भारतीय शैली का समावेश प्रमुख था।

Buildings, Temples, Mosques and Tanks (इमारतें, मंदिर, मस्जिद और तालाब)

- Temples and mosques were beautifully constructed because they were places of worship and meant to demonstrate the power, wealth and devotion of the patron. (मंदिरों और मस्जिदों का निर्माण खूबसूरती से किया गया था क्योंकि वे पूजा के स्थान थे और संरक्षक की शक्ति, धन और भक्ति का प्रदर्शन करने के लिए थे)
- The largest temples were all constructed by kings. The other, lesser deities in the temples were gods and goddesses of the allies and subordinates of the ruler.
सबसे बड़े मंदिरों का निर्माण राजाओं ने करवाया था। अन्य, मंदिरों में कम देवता शासक के सहयोगियों और अधीनस्थों के देवी-देवता थे।)
- Muslim Sultans and Padshahs did not claim to be incarnations of God but Persian court chronicles described the Sultan as the 'Shadow of God'.
मुस्लिम सुल्तानों और पादशाहों ने ईश्वर के अवतार होने का दावा नहीं किया, लेकिन फारसी दरबारी इतिहासकारों ने सुल्तान को 'ईश्वर की छाया' के रूप में वर्णित किया।

- As each new dynasty came to power, kings wanted to emphasise their moral right to be rulers.
प्रत्येक नए राजवंश के सत्ता में आने के बाद, राजा अपने शासक होने के नैतिक अधिकार पर जोर देना चाहते थे।
- It was widely believed that the rule of a just king would be an age of plenty when the heavens would not withhold rain.
यह व्यापक रूप से माना जाता था कि एक न्यायी राजा का शासन बहुतायत का युग होगा जब आकाश वर्षा को रोक नहीं पाएगा।

Why Were Temples Destroyed (मंदिरों को क्यों तोड़ा गया)

- Since kings built temples to demonstrate their devotion to God and their power and wealth, they attacked and targeted these buildings when they attacked one another's kingdoms.
चूंकि राजाओं ने भगवान के प्रति अपनी भक्ति और अपनी शक्ति और धन का प्रदर्शन करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया, इसलिए जब उन्होंने एक दूसरे के राज्यों पर हमला किया तो उन्होंने इन इमारतों पर हमला किया और उन्हें निशाना बनाया।
- In the early 11th century, when the Chola king Rajendra I built a Shiva temple in his capital he filled it with prized statues seized from defeated rulers.
11वीं शताब्दी की शुरुआत में, जब चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने अपनी राजधानी में एक शिव मंदिर का निर्माण किया, तो उन्होंने इसे पराजित शासकों से जब्त की गई बेशकीमती मूर्तियों से भर दिया।

Gardens, Tombs and Forts (उद्यान, मकबरे और किले)

- Under the Mughals, architecture became more complex. Babur, Humayun, Akbar, Jahangir and Shah Jahan were personally interested in literature, art and architecture.
मुगलों के अधीन, वास्तुकला और अधिक जटिल हो गई। बाबर, हुमायूँ, अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ व्यक्तिगत रूप से साहित्य, कला और वास्तुकला में रुचि रखते थे।
- Babur got gardens called Chahar Bagh (four gardens) built in Kabul. They were further constructed in Kashmir, Agra and Delhi by Akbar, Jehangir and Shah Jahan. बाबर ने काबुल में चार बाग (चार बाग) बनवाए। वे आगे अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ द्वारा कश्मीर, आगरा और दिल्ली में बनाए गए थे।
- Akbar's architecture is visible in his father, Humayun's tomb.
अकबर की वास्तुकला उसके पिता हुमायूँ के मकबरे में दिखाई देती है
- Under Shah Jahan, Mughal architecture was fused together in a grand harmonious synthesis.
शाहजहाँ के अधीन, मुगल वास्तुकला को एक भव्य सामंजस्यपूर्ण संश्लेषण में एक साथ जोड़ा गया था।
- The ceremonial halls of the public and private audience (diwan-i-Khas; diwan-i-am) were carefully planned.
सार्वजनिक और निजी दर्शकों के औपचारिक हॉल (दीवान-ए-खास; दीवान-ए-आम) की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई थी
- Shah Jahan adapted the Chahar Bagh technique in the layout of the Taj Mahal, the grandest architectural accomplishment of his reign.
शाहजहाँ ने ताजमहल के लेआउट में चार बाग तकनीक को अपनाया, जो उसके शासनकाल की सबसे भव्य वास्तुशिल्प उपलब्धि थी।

Region and Empire क्षेत्र और साम्राज्य

- As construction activity increased between the eighth and eighteenth centuries, there was also a considerable sharing of ideas across regions.
आठवीं और अठारहवीं शताब्दियों के बीच जैसे-जैसे निर्माण गतिविधि बढ़ी, वैसे-वैसे विभिन्न क्षेत्रों में विचारों का काफी आदान-प्रदान भी हुआ।
- In Vijayanagar, for example, the elephant stables of the rulers were strongly influenced by the

style of architecture found in the adjoining Sultanates of Bijapur and Golconda.

उदाहरण के लिए, विजयनगर में, शासकों के हाथियों के अस्तबल, बीजापुर और गोलकोंडा के निकटवर्ती सल्तनतों में पाई जाने वाली वास्तुकला की शैली से अत्यधिक प्रभावित थे।

- In Vrindavan, near Mathura, temples were constructed in architectural styles that were very similar to the Mughal palaces in Fatehpur Sikri.
वृंदावन में, मथुरा के पास, मंदिरों का निर्माण स्थापत्य शैली में किया गया था जो फतेहपुर सीकरी में मुगल महलों के समान थे
- The creation of large empires that brought different regions under their rule helped in this cross-fertilisation of artistic forms and architectural styles.
विभिन्न क्षेत्रों को अपने शासन में लाने वाले बड़े साम्राज्यों के निर्माण ने कलात्मक रूपों और स्थापत्य शैली के इस क्रॉस-निषेचन में मदद की।
- The Mughals adopted the 'Bangla dome' in their architecture.
मुगलों ने अपनी वास्तुकला में 'बंगला गुंबद' को अपनाया।

Between the eighth and the eighteenth centuries kings and their officers built two kinds of structures—the first were forts, palaces, garden residences and tombs and the second was structures meant for public activity including temples, mosques, tanks, bazaars, etc. आठवीं और अठारहवीं शताब्दी के बीच राजाओं और उनके अधिकारियों ने दो प्रकार की संरचनाओं का निर्माण किया- पहले किले, महल, बगीचे के निवास और मकबरे थे और दूसरे मंदिर, मस्जिद, तालाब, बाजार आदि सहित सार्वजनिक गतिविधियों के लिए बने ढांचे थे।

Merchants and others also carried out construction activity. They built temples, mosques and wells. व्यापारियों और अन्य लोगों ने भी निर्माण गतिविधि की। उन्होंने मंदिर, मस्जिद और कुएँ बनवाए।

The technologies used in the monuments are unique. It requires sophisticated skills in making a large room with an elaborate superstructure.

स्मारकों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियां अद्वितीय हैं। एक विस्तृत अधिरचना के साथ एक बड़ा कमरा बनाने के लिए परिष्कृत कौशल की आवश्यकता होती है।

Between the seventh and tenth centuries, architects started adding more rooms, doors and windows to building.

सातवीं और दसवीं शताब्दी के बीच, वास्तुकारों ने भवन में अधिक कमरे, दरवाजे और खिड़कियां जोड़ना शुरू कर दिया।

Between the eighth and thirteenth centuries, the trabeate style (a style of architecture in which roofs, doors and window were made by placing a horizontal beam across two vertical columns) was used in building temples, mosques, etc.

आठवीं और तेरहवीं शताब्दियों के बीच, मंदिर, मस्जिद आदि के निर्माण में ट्रेबीट शैली (वास्तुकला की एक शैली जिसमें दो ऊर्ध्वाधर स्तंभों के बीच एक क्षैतिज बीम लगाकर छत, दरवाजे और खिड़की बनाई गई थी) का उपयोग किया गया था।

The early eleventh century temples were decorated with elaborately carved sculptures. The temples had shikhara too.

प्रारंभिक ग्यारहवीं शताब्दी के मंदिरों को विस्तृत नक्काशीदार मूर्तियों से सजाया गया था। मंदिरों में शिखर भी था।

From the twelfth century, two technological and stylistic developments came to be noticed—firstly, the weight of the superstructure above the doors and window was sometimes carried by arches. This architectural form was known as 'arcuate', secondly, limestone cement was increasingly used in construction.

बारहवीं शताब्दी से, दो तकनीकी और शैलीगत विकास देखने को मिले- सबसे पहले, दरवाजे और खिड़की के ऊपर अधिरचना का भार कभी-कभी मेहराबों द्वारा उठाया जाता था। इस स्थापत्य रूप को 'आर्क्यूएट' के रूप में जाना जाता

था, दूसरा, निर्माण में चूना पत्थर सीमेंट का तेजी से उपयोग किया जाने लगा।

Temples and mosques were built to demonstrate the power, wealth and devotion of the patron. संरक्षक की शक्ति, धन और भक्ति को प्रदर्शित करने के लिए मंदिरों और मस्जिदों का निर्माण किया गया।

According to an inscription the Rajarajeshvara temple was built by King Rajarajadeva for the worship of his god, Rajarajeshvaram. Here, it is worth mentioning that the name of the ruler and the god are very similar. The king took the god's name because it was auspicious and he wanted to appear like a god.

एक शिलालेख के अनुसार राजराजेश्वर मंदिर राजा राजराजदेव द्वारा अपने देवता राजराजेश्वरम की पूजा के लिए बनवाया गया था। यहां यह उल्लेखनीय है कि शासक और देवता के नाम में काफी समानता है। राजा ने भगवान का नाम लिया क्योंकि यह शुभ था और वह भगवान की तरह दिखना चाहता था।

But Muslim Sultans and Padshahs did not claim to be incarnations of god. However, Persian court chronicles described the Sultan as the 'Shadow of God'.

लेकिन मुस्लिम सुल्तानों और पादशाहों ने ईश्वर के अवतार होने का दावा नहीं किया। हालाँकि, फ़ारसी दरबारी इतिहासकारों ने सुल्तान को 'ईश्वर की छाया' के रूप में वर्णित किया।

Rulers offered patronage to the learned and pious people.

शासकों ने विद्वान और पवित्र लोगों को संरक्षण दिया

Rulers also built tanks and reservoirs and got praise. Sultan Iltutmish won universal respect for constructing a large reservoir just outside Delhi-i Kuhna. It was called the Hanzi Sultani or the king's Reservoir.

शासकों ने तालाबों और जलाशयों का भी निर्माण किया और प्रशंसा प्राप्त की। दिल्ली-ए कुहना के ठीक बाहर एक बड़े जलाशय के निर्माण के लिए सुल्तान इल्तुतमिश ने सार्वभौमिक सम्मान जीता। इसे हंजी सुल्तानी या राजा का जलाशय कहा जाता था।

Kings built temples but they often looted them while attacking one another's kingdoms. राजाओं ने मंदिरों का निर्माण किया लेकिन वे अक्सर एक दूसरे के राज्यों पर हमला करते हुए उन्हें लूटते थे।

In the early 11th century when the Chola King Rajendra I built a Shiva temple in his capital he filled it with prized statues seized from defeated rulers.

11 वीं शताब्दी की शुरुआत में जब चोल राजा राजेंद्र प्रथम ने अपनी राजधानी में एक शिव मंदिर का निर्माण किया तो उन्होंने इसे पराजित शासकों से जब्त की गई बेशकीमती मूर्तियों से भर दिया।

Sultan Mahmud of Ghazni attacked the temples of defeated kings and looted their wealth and idols.

गजनी के सुल्तान महमूद ने पराजित राजाओं के मंदिरों पर हमला किया और उनकी संपत्ति और मूर्तियों को लूट लिया।

Under the Mughal rulers, gardens, tombs and forts were built.

मुगल शासकों के अधीन उद्यान, मकबरे और किले बनाए गए।

Babur was interested in planning and laying out formal gardens, placed within rectangular walled enclosures and divided into four quarters by artificial channels. These gardens were called Chahar Bagh, four gardens, because of their symmetrical division into quarters.

बाबर औपचारिक उद्यानों की योजना बनाने और उन्हें बिछाने में रुचि रखता था, जो आयताकार दीवार वाले बाड़ों के भीतर रखा गया था और कृत्रिम चैनलों द्वारा चार तिमाहियों में विभाजित किया गया था। क्वार्टरों में सममित विभाजन के कारण इन उद्यानों को चाहर बाग, चार उद्यान कहा जाता था।

During Akbar's reign tomb architecture became important. His architects turned to the tombs of his central Asian ancestors, Timur. The central towering dome and the tall gateway (pishtaq) were

important aspects of Mughal architecture, first visible in Humayun's tomb.

अकबर के शासनकाल के दौरान मकबरे की वास्तुकला महत्वपूर्ण हो गई। उनके वास्तुकारों ने उनके मध्य एशियाई पूर्वजों, तैमूर की कब्रों की ओर रुख किया। केंद्रीय विशाल गुंबद और लंबा प्रवेश द्वार (पिश्तक) मुगल वास्तुकला के महत्वपूर्ण पहलू थे, जो पहले हुमायूँ के मकबरे में दिखाई देते थे।

During Shah Jahan's reign, huge construction activity was carried on in Agra and Delhi. शाहजहाँ के शासन काल में आगरा और दिल्ली में विशाल निर्माण कार्य हुआ।

Shah Jahan's audience halls were specially constructed to resemble a mosque.

शाहजहाँ के दर्शक कक्ष विशेष रूप से एक मस्जिद के सदृश बनाए गए थे।

He adapted the river-front garden in the layout of the Taj Mahal. Here, the white marble mausoleum was placed on a terrace by the edge of the river and the garden was to its south. Shah Jahan developed this architectural form as a means to control the access that nobles had to the river.

उन्होंने ताजमहल के लेआउट में रिवर-फ्रंट गार्डन को अनुकूलित किया। यहाँ सफेद संगमरमर का मकबरा नदी के किनारे एक चबूतरे पर रखा गया था और उद्यान उसके दक्षिण में था। शाहजहाँ ने इस स्थापत्य रूप को उस पहुँच को नियंत्रित करने के साधन के रूप में विकसित किया था जो रईसों के पास नदी तक थी।

In the new city of Shahjahanabad that he constructed in Delhi, the imperial palace commanded the river-front. Only especially favoured nobles were given access to the river.

शाहजहाँनाबाद के नए शहर में जिसे उन्होंने दिल्ली में बनाया था, शाही महल ने नदी-तट की कमान संभाली थी। केवल विशेष रूप से इष्ट रईसों को ही नदी तक जाने की अनुमति दी गई थी।

The Mughal rulers were particularly skilled in adapting regional architectural styles in the construction of their own buildings.

मुगल शासक अपने स्वयं के भवनों के निर्माण में क्षेत्रीय स्थापत्य शैली को अपनाने में विशेष रूप से कुशल थे

In Bengal, the local rulers had developed a roof that was designed to resemble a thatched hut. The Mughals liked this 'Bangla dome'.

बंगाल में, स्थानीय शासकों ने एक छत विकसित की थी जिसे फूस की झोपड़ी के समान बनाया गया था। मुगलों को यह 'बंगला गुंबद' पसंद आया।

In Akbar's capital at Fatehpur Sikri, many of the buildings show the influence of the architectural styles of Gujarat and Malwa.

अकबर की राजधानी फतेहपुर सीकरी में कई इमारतें गुजरात और मालवा की स्थापत्य शैली के प्रभाव को दर्शाती हैं।

Superstructure: It refers to the part of a building above the ground floor.

अधिरचना: यह भूतल के ऊपर एक इमारत के हिस्से को संदर्भित करता है।

Baolis: They were large stepped-wells.

बाओली: ये बड़े सीढ़ीदार कुएँ थे।

Shikhara: The top-most point of the temple.

शिखर: मंदिर का सबसे ऊपरी बिंदु।

Arcuate: An architectural form in which the weight of the superstructure above the doors and windows was sometimes carried by arches.

धनुषाकार: एक स्थापत्य रूप जिसमें दरवाजों और खिड़कियों के ऊपर की अधिरचना का भार कभी-कभी मेहराबों द्वारा उठाया जाता था।

Chahar Bagh: Four gardens.

चाहर बाग: चार बाग।

Pishtaq: The tall gateway.

पिस्ताक: लंबा प्रवेश द्वार।

Pietra dura: Coloured, hard stones placed in depressions carved into marble or sandstone creating beautiful ornate patterns.

पिएट्रा ड्यूरा: रंगीन, कठोर पत्थरों को संगमरमर या बलुआ पत्थर में उकेरे गए गड्ढों में रखा जाता है जिससे सुंदर अलंकृत पैटर्न बनते हैं।

Diwan-i Khas or am: The ceremonial halls of public and private audience.

दीवान-ए खास या आम: सार्वजनिक और निजी दर्शकों के औपचारिक हॉल।

Hasht bihisht or eight paradises: A central hall surrounded by eight rooms.

हश्त बिहिश्त या आठ स्वर्ग: आठ कमरों से घिरा एक केंद्रीय हॉल।

Towns, Traders and Craftpersons Chapter 6

शहर, व्यापारी और शिल्पकार अध्याय 6

One of the most interesting aspects of the medieval period in the 17th century was the growth of urbanization. In medieval India, there were three types of towns—a temple town, an administrative town and a commercial town or a port town.

17वीं शताब्दी में मध्ययुगीन काल के सबसे दिलचस्प पहलुओं में से एक शहरीकरण का विकास था। मध्ययुगीन भारत में, तीन प्रकार के शहर थे- एक मंदिर शहर, एक प्रशासनिक शहर और एक वाणिज्यिक शहर या एक बंदरगाह शहर

The Arabs, Turkish and Afghans settled in many parts of the country leading to the evolution of towns and cities.

अरब, तुर्की और अफगान देश के कई हिस्सों में बस गए, जिससे कस्बों और शहरों का विकास हुआ।

Sources of Knowing about the History of this Period (इस काल के इतिहास के बारे में जानने के स्रोत)

- The sources of history are travellers' accounts.
इतिहास के स्रोत यात्रियों के वृत्तांत हैं।
- Monserrate, Fritch, Thomas Roe, Domingo Paes, Nicolo Conti and Abdul Razzaq Samarqandi wrote about the life of this period.
मोंसेरेट, फ्लिच, थॉमस रो, डोमिंगो पेस, निकोलो कोंटी और अब्दुल रज्जाक समरकंडी ने इस अवधि के जीवन के बारे में लिखा।

Court Towns (कोर्ट टाउन)

- Some of the important court towns were Lahore, Agra, Fatehpur Sikri and Delhi. लाहौर, आगरा, फतेहपुर सीकरी और दिल्ली कुछ महत्वपूर्ण दरबारी नगर थे।
- Fatehpur Sikri was the new capital founded by Akbar.
फतेहपुर सीकरी अकबर द्वारा स्थापित नई राजधानी थी।
- Delhi was known as Shahjahanabad and was built by Shah Jahan in 1639.
दिल्ली को शाहजहानाबाद के नाम से जाना जाता था और इसे 1639 में शाहजहाँ ने बनवाया था।

Port and Trading Towns (बंदरगाह और व्यापारिक नगर)

- Some towns developed as ports due to their proximity to the seashore.
कुछ कस्बे समुद्र तट से निकटता के कारण बंदरगाहों के रूप में विकसित हुए।
- Some major ports were Cambay, Surat, Broach, Masulipatanam, Nagapattinam, etc.
कुछ प्रमुख बंदरगाहों में कैम्बे, सूरत, ब्रोच, मसूलीपट्टनम, नागपट्टिनम आदि थे।

Administrative Towns (प्रशासनिक कस्बों)

- Some towns were capital cities. They were centres of administration.
कुछ शहर राजधानी शहर थे। वे प्रशासन के केंद्र थे।
- Thanjavur and Uraiyur were important centres.
तंजावुर और उरैयूर महत्वपूर्ण केंद्र थे।

Temple Towns and Pilgrimage Centres (मंदिर नगर और तीर्थाटन केंद्र)

- Temple's towns were important centres of urbanization and led to the development of cities, economy and society.
मंदिर नगर शहरीकरण के महत्वपूर्ण केंद्र थे और इससे शहरों, अर्थव्यवस्था और समाज का विकास हुआ
- Pilgrims gave huge donations to temples. This wealth was used by temple authorities to finance their trade and banking.
तीर्थयात्रियों ने मंदिरों को भारी दान दिया। इस धन का उपयोग मंदिर के अधिकारियों ने अपने व्यापार और बैंकिंग के वित्तपोषण के लिए किया था।
- Important temple towns were Bhillasvamin in Madhya Pradesh, Somnath in Gujarat, Kanchipuram and Madurai
महत्वपूर्ण मंदिर नगर मध्य प्रदेश में भिलास्वामिन, गुजरात में सोमनाथ, कांचीपुरम और मदुरै थे

How important was Bronze (कांस्य कितना महत्वपूर्ण था)

- Bronze is an alloy compound of copper and tin.
कांस्य तांबे और टिन का मिश्र धातु यौगिक है।
- Chola rulers used this metal to make statues through the 'lost wax' technique.
चोल शासकों ने इस धातु का उपयोग लॉस्ट वैक्स तकनीक के माध्यम से मूर्तियाँ बनाने के लिए किया।

The Emergence of Small Towns (छोटे शहरों का उदय)

- From the 8th century onwards, small towns emerged in India. They emerged from large villages. They had a 'mandapika' where villagers sold their produce.
8वीं सदी के बाद से भारत में छोटे शहरों का उदय हुआ। वे बड़े गाँवों से निकले। उनके पास एक 'मंडपिका' थी जहाँ ग्रामीण अपनी उपज बेचते थे
- Likewise, there were market streets, called 'hatta', full of shops.
इसी तरह, दुकानों से भरी बाज़ार की गलियाँ थीं, जिन्हें 'हट्टा' कहा जाता था।
- Many villagers came to buy local articles and sell products like horses, camphor, saffron, betel nut, spices, salt, etc.
बहुत से ग्रामीण स्थानीय वस्तुएँ खरीदने और घोड़े, कपूर, केसर, सुपारी, मसाले, नमक इत्यादि जैसे उत्पादों को बेचने के लिए आते थे।
- Normally a Samanta was appointed who fortified the palaces and gave the right to collect taxes from traders, artisans, etc.
आम तौर पर एक सामंत नियुक्त किया जाता था जो महलों की किलेबंदी करता था और व्यापारियों, कारीगरों आदि से कर वसूलने का अधिकार देता था।

Name of Traders (व्यापारियों का नाम)

- Many kinds of traders existed.
कई प्रकार के व्यापारी मौजूद थे।
- Trader travelled in caravans by forming guilds.
व्यापारी दल बनाकर कारवाँ में यात्रा करते थे।
- Trade was done on a regular basis within the peninsula and with South-east Asia and China.
प्रायद्वीप के भीतर और दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन के साथ व्यापार नियमित आधार पर किया जाता था।
- Some other important traders were the Chettiers, Marwari, Banjaras, Baniyas, Muslim Bohras, etc.
कुछ अन्य महत्वपूर्ण व्यापारी चेट्टियार, मारवाड़ी, बंजारा, बनिया, मुस्लिम बोहरा आदि थे।

Crafts in Towns (कस्बों में शिल्प)

- Craftwork was famous by the name of Bidri in the region.
शिल्पकला इस क्षेत्र में बिदरी के नाम से प्रसिद्ध थी।
- The goldsmith, bronzesmith, blacksmith, masons and carpenters were together called as the 'Panchalas' or 'Vishwakarma'.
सुनार, कांस्यकार, लोहार, राजमिस्त्री और बढ़ई को एक साथ 'पांचाल' या 'विश्वकर्मा' कहा जाता था
- Some other crafts were cotton cleaning, spinning and dyeing.
कुछ अन्य शिल्प कपास की सफाई, कताई और रंगना थे।
- Surat in Gujarat was a cosmopolitan city. The textiles of Surat were famous for their gold lace borders known as zari and had a market in West Asia, Africa and Europe.
गुजरात में सूरत एक महानगरीय शहर था। सूरत के वस्त्र अपने सोने के फीते की सीमाओं के लिए प्रसिद्ध थे जिन्हें जरी के नाम से जाना जाता था और पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में इसका बाजार था।

There were three types of medieval towns—a temple town, an administrative centre, and a commercial town or a port town.

मध्यकालीन नगर तीन प्रकार के थे- एक मंदिर नगर, एक प्रशासनिक केंद्र और एक वाणिज्यिक नगर या एक बंदरगाह नगर।

Thanjavur, the capital of the Cholas a thousand years ago, emerged as an administrative centre as well as a temple town.

एक हजार साल पहले चोलों की राजधानी तंजावुर एक प्रशासनिक केंद्र के साथ-साथ एक मंदिर शहर के रूप में उभरा।

The perennial river Kaveri flows near this beautiful town. The famous Rajarajeshvara temple built by King Rajaraja Chola lies here.

इस खूबसूरत शहर के पास बारहमासी नदी कावेरी बहती है। राजा राजराज चोल द्वारा निर्मित प्रसिद्ध राजराजेश्वर मंदिर यहाँ स्थित है।

As Thanjavur was an administrative centre, Kings held courts in the mandapas, which were parts of palaces, issuing orders to their subordinates.

जैसा कि तंजावुर एक प्रशासनिक केंद्र था, राजाओं ने मंडपों में अदालतें आयोजित कीं, जो महलों के हिस्से थे, जो उनके अधीनस्थों को आदेश जारी करते थे।

Temple towns represent a very important pattern of urbanisation, the process by which cities develop. - '

मंदिर नगर शहरीकरण के एक बहुत ही महत्वपूर्ण पैटर्न का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह प्रक्रिया जिसके द्वारा शहरों का विकास होता है। - '

Rulers built temples to demonstrate their devotion to various deities.

शासकों ने विभिन्न देवताओं के प्रति अपनी भक्ति प्रदर्शित करने के लिए मंदिरों का निर्माण किया।

Important temple towns were Bhillasvamin in Madhya Pradesh, Somnath in Gujarat, Kanchipuram and Madurai in Tamil Nadu and Tirupati in Andhra Pradesh.

महत्वपूर्ण मंदिर नगर मध्य प्रदेश में भिलास्वामिन, गुजरात में सोमनाथ, तमिलनाडु में कांचीपुरम और मदुरै और आंध्र प्रदेश में तिरुपति थे।

Pilgrimage centres also developed into townships. Examples—Vrindvan in Uttar Pradesh and Tiruvannamalai in Tamil Nadu.

तीर्थयात्रा केंद्र भी टाउनशिप में विकसित हुए। उदाहरण- उत्तर प्रदेश में वृंदावन और तमिलनाडु में तिरुवन्नामलाई।

Small towns emerged from large villages. They usually had a mandapika or mandi of later times to which nearly villages brought their produce to sell. They also had market streets called hatta or heat of later times lined with shops.

बड़े गाँवों से छोटे नगरों का उदय हुआ। उनके पास आमतौर पर बाद के समय की एक मंडपिका या मंडी होती थी, जिसमें अधिकांश गाँव अपनी उपज बेचने के लिए लाते थे। उनके पास बाज़ार की सड़कें भी थीं जिन्हें हट्टा या बाद के समय की गर्मी कहा जाता था जो दुकानों से सजी हुई थीं।

Different kinds of artisans such as potters, oil pressers, sugar makers, toddy makers, smiths, etc. also lived in these towns.

विभिन्न प्रकार के कारीगर जैसे कुम्हार, तेल निकालने वाले, चीनी बनाने वाले, ताड़ी बनाने वाले, लोहार आदि भी इन नगरों में रहते थे।

There were many kinds of traders. They usually travelled in caravans and formed guilds to protect their interests.

कई तरह के व्यापारी थे। वे आमतौर पर कारवां में यात्रा करते थे और अपने हितों की रक्षा के लिए मंडली बनाते थे।

There were also communities like the Chettians and the Marwari Oswal. Gujarati traders traded extensively with the ports of the Red Sea, Persian Gulf, East Africa, South-east Asia and China.

चेट्टियार और मारवाड़ी ओसवाल जैसे समुदाय भी थे। गुजराती व्यापारियों ने लाल सागर, फारस की खाड़ी, पूर्वी अफ्रीका, दक्षिण-पूर्व एशिया और चीन के बंदरगाहों के साथ बड़े पैमाने पर व्यापार किया।

Indian spices such as pepper, cinnamon, nutmeg, etc. became very popular in European homes. Indian cotton cloth was also in great demand. This eventually drew European traders to India.

भारतीय मसाले जैसे काली मिर्च, दालचीनी, जायफल आदि यूरोपीय घरों में बहुत लोकप्रिय हो गए। भारतीय सूती कपड़े की भी काफी मांग थी। इसने अंततः यूरोपीय व्यापारियों को भारत की ओर आकर्षित किया।

The craftspersons of Bidar were very famous. Their inlay work in copper and silver came to be known as Bidri.

बीदर के शिल्पकार बहुत प्रसिद्ध थे। तांबे और चांदी में उनकी जड़ाई का काम बिदरी के नाम से जाना जाने लगा।

The Panchalas or Vishwakarma community, consisting of goldsmiths, bronzesmiths, blacksmiths, masons and carpenters contributed a lot in the building of temples.

पंचाल या विश्वकर्मा समुदाय, जिसमें सुनार, कांस्यकार, लोहार, राजमिस्त्री और बढ़ई शामिल थे, ने मंदिरों के निर्माण में बहुत योगदान दिया।

The weavers such as the Saliyar or Kaikkolars also donated to temples.

सालियार या कैक्कोलर जैसे बुनकरों ने भी मंदिरों को दान दिया।

Hampi was the capital of the Vijayanagara Empire. The architecture of Hampi was distinctive. It bustled with commercial and cultural activities during the 15-16th centuries.

हम्पी विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। हम्पी की वास्तुकला विशिष्ट थी। यह 15-16वीं शताब्दी के दौरान वाणिज्यिक और सांस्कृतिक गतिविधियों से भरा हुआ था।

Moors, Chettis and agents of European traders thronged the markets of Hampi. हम्पी के बाजारों में मूर, चेटी और यूरोपीय व्यापारियों के एजेंट उमड़ पड़े।

Temples were the hub of cultural activities.
मंदिर सांस्कृतिक गतिविधियों के केंद्र थे।

Hampi fell into ruin following the defeat of Vijayanagara in 1565 by the Deccani Sultans. 1565 में दक्खनी सुल्तानों द्वारा विजयनगर की हार के बाद हम्पी बर्बाद हो गया।

Surat in Gujarat was a cosmopolitan city. People of all castes and creeds lived there. गुजरात में सूरत एक महानगरीय शहर था। सभी जातियों और पंथों के लोग वहां रहते थे।

The textiles of Surat were famous for their gold lace borders known as zari and had a market in west Asia, Africa and Europe.

सूरत के वस्त्र अपने सोने के फीते की सीमाओं के लिए प्रसिद्ध थे जिन्हें जरी के नाम से जाना जाता था और पश्चिम एशिया, अफ्रीका और यूरोप में इसका बाजार था।

The Kathiawad Seth or mahajans had huge banking houses at Surat. The Surat hundis were honoured in the far-off markets of Cairo in Egypt, Basra in Iraq and Antwerp in Belgium.

काठियावाड़ सेठों या महाजनों के सूरत में बड़े-बड़े बैंकिंग घराने थे। मिस्र में काहिरा, इराक में बसरा और बेल्जियम में एंटवर्प के दूर-दराज के बाजारों में सूरत हुंडियों का सम्मान किया गया।

Surat began to decline towards the end of the 17th century.
17वीं सदी के अंत में सूरत का पतन शुरू हुआ।

The town of Masulipatnam was a centre of intense activity in the 17th century. As it became the most important port on the Andhra coast both the Dutch and English East India Companies attempted to control it.

17वीं शताब्दी में मैसूलीपट्टनम शहर गहन गतिविधियों का केंद्र था। चूंकि यह आंध्र तट पर सबसे महत्वपूर्ण बंदरगाह बन गया, डच और अंग्रेजी ईस्ट इंडिया कंपनियों दोनों ने इसे नियंत्रित करने का प्रयास किया।

The Qutb Shahi rulers of Golconda decided to prevent the attempts of the various East India Companies. As a result fierce competition among various trading groups made the city populous and prosperous. However, Golconda was annexed by Aurangzeb in 1686-1687.

गोलकुंडा के कुतुब शाही शासकों ने विभिन्न ईस्ट इंडिया कंपनियों के प्रयासों को रोकने का फैसला किया। परिणामस्वरूप विभिन्न व्यापारिक समूहों के बीच भयंकर प्रतिस्पर्धा ने शहर को आबादी वाला और समृद्ध बना दिया। हालाँकि, 1686-1687 में औरंगज़ेब द्वारा गोलकुंडा पर कब्जा कर लिया गया था।

This caused the European Companies to look for the alternatives. The Company traders moved to Bombay, Calcutta and Madras. This caused the decline of Masulipatnam in the 18th century.

इसके कारण यूरोपीय कंपनियों को विकल्प तलाशने पड़े। कंपनी के व्यापारी बंबई, कलकत्ता और मद्रास चले गए। इससे 18वीं शताब्दी में मसूलीपट्टनम का पतन हुआ।

The English emerged as the most successful commercial and political power in the subcontinent.
उपमहाद्वीप में अंग्रेज सबसे सफल वाणिज्यिक और राजनीतिक शक्ति के रूप में उभरे।

Indian textiles were in great demand in Europe and west Asia. More and more people began to engage themselves in the crafts of spinning, weaving, bleaching, dyeing, etc. But the craftspersons

were no more independent. They now began to work on a system of advances which meant that they had to weave cloth which was already promised to European agents.

यूरोप और पश्चिम एशिया में भारतीय कपड़ों की भारी माँग थी। अधिक से अधिक लोग कताई, बुनाई, विरंजन, मरने, आदि के शिल्प में खुद को संलग्न करने लगे, लेकिन शिल्पकार अब स्वतंत्र नहीं थे। अब उन्होंने पेशगी की एक प्रणाली पर काम करना शुरू कर दिया जिसका मतलब था कि उन्हें कपड़ा बुनना था जो पहले से ही यूरोपीय एजेंटों को देने का वादा किया गया था

Bombay, Calcutta and Madras became important cities in the 18th century.

18वीं शताब्दी में बंबई, कलकत्ता और मद्रास महत्वपूर्ण शहर बन गए।

The Europeans established Black Towns in these new cities and merchants and artisans were made to move there.

यूरोपीय लोगों ने इन नए शहरों में ब्लैक टाउन की स्थापना की और व्यापारियों और कारीगरों को वहां जाने के लिए मजबूर किया।

The 'white' rulers occupied the superior residences of Fort St George in Madras or Fort St William in Calcutta.

'श्वेत' शासकों ने मद्रास में फोर्ट सेंट जॉर्ज या कलकत्ता में फोर्ट सेंट विलियम के श्रेष्ठ आवासों पर कब्जा कर लिया

Administrative town: A town from where the administration is carried on.

प्रशासनिक नगर: वह नगर जहाँ से प्रशासन चलाया जाता है।

Temple town: A town with a number of famous temples.

मंदिरों का शहर: कई प्रसिद्ध मंदिरों वाला शहर।

Commercial town: A town which is the centre of sale and purchase of commodities.

व्यापारिक नगर : वह नगर जो वस्तुओं के क्रय-विक्रय का केन्द्र होता है।

Emporium: A place where goods from diverse production centres are bought and sold.

एम्पोरियम (एम्पोरियम) : एक ऐसा स्थान विभिन्न उत्पादन केन्द्रों से वस्तुएँ और फैलाते हैं।

Hundi: It is not recording a deposit made by a person. The amount deposited can be claimed in another place by presenting the record of the deposit.

हुंडी: यह किसी व्यक्ति द्वारा किए गए जमा को दर्ज नहीं कर रहा है। जमा की गई राशि को जमा का रिकॉर्ड पेश करके दूसरी जगह क्लेम किया जा सकता है।

Factor: It referred to an official merchant of the East India Company.

फैक्टर: यह ईस्ट इंडिया कंपनी के एक आधिकारिक व्यापारी को संदर्भित करता है।

Sthapatis: Sculptors who made beautiful bronze idols and tall, ornamental bell metal lamps.

स्थापति: मूर्तिकार जिन्होंने सुंदर कांस्य की मूर्तियाँ और लम्बे, सजावटी बेल धातु के दीपक बनाए।

Pilgrimage Centres: Religious places where people go for pilgrimage.

तीर्थस्थल: धार्मिक स्थान जहाँ लोग तीर्थ यात्रा के लिए जाते हैं।

1336: Vijayanagara Empire was founded.

1336: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हुई।

1565: Vijayanagara Empire was defeated.

1565: विजयनगर साम्राज्य की हार हुई।

1704: Murshidabad became the capital of Bengal.

1704: मुर्शिदाबाद बंगाल की राजधानी बना।

At the end of the 17th Century: Surat began to decline.

17वीं सदी के अंत में: सूरत का पतन शुरू हो गया।

In the 17th Century: The town of Masalipatnam was a centre of intense activity.

17वीं सदी में: मस्लीपट्टनम शहर गहन गतिविधियों का केंद्र था।

The 18th century: Rise of Bombay, Madras and Calcutta.

18वीं शताब्दी: बॉम्बे, मद्रास और कलकत्ता का उदय।

Tribes, Nomads and Settled Communities Chapter 7 **जनजाति, खानाबदोश और बसे हुए समुदाय अध्याय 7**

During the Medieval Age, several social, economic and political development took place. मध्यकालीन युग के दौरान, कई सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक विकास हुए।

The Indian society was divided on the basis varnas. During the medieval period, gap between the rich and poor increased.

भारतीय समाज वर्णों के आधार पर विभाजित था। मध्यकाल में अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ गई

There were, however, several communities which did not follow rules laid down by the Brahmins. These included the tribes, nomads and settled communities.

हालाँकि, कई समुदाय ऐसे थे जो ब्राह्मणों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं करते थे। इनमें जनजातियाँ, खानाबदोश और बसे हुए समुदाय शामिल थे।

Tribal Societies (आदिवासी समाज)

- Tribes are people who do not follow norms laid down by society.
जनजाति वे लोग हैं जो समाज द्वारा निर्धारित मानदंडों का पालन नहीं करते हैं।
- Most of the tribes were dependant on agriculture. Others were herders or hunter-gatherers.
अधिकांश जनजातियाँ कृषि पर निर्भर थीं। अन्य चरवाहे या शिकारी-संग्रहकर्ता थे
- Tribes were even nomadic and moved from one place to another.
जनजातियाँ खानाबदोश भी थीं और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती थीं
- Many tribes lived in forests, hills, deserts and other places which were difficult to reach. They preserved their culture and heritage through oral tradition.
कई जनजातियाँ जंगलों, पहाड़ियों, रेगिस्तानों और अन्य स्थानों पर रहती थीं जहाँ पहुँचना मुश्किल था। उन्होंने मौखिक परंपरा के माध्यम से अपनी संस्कृति और विरासत को संरक्षित रखा।
- There were even clashes between tribes and powerful caste-based societies.
जनजातियों और शक्तिशाली जाति-आधारित समाजों के बीच संघर्ष भी हुए।
- Contemporary historians and travellers from medieval India hardly give any information about the tribes.
मध्यकालीन भारत के समकालीन इतिहासकार और यात्री जनजातियों के बारे में मुश्किल से ही कोई जानकारी देते हैं।
- Many of the tribes emerged as politically powerful groups through their areas of influence and activities varied.
कई जनजातियाँ अपने प्रभाव क्षेत्र और गतिविधियों में विविधता के कारण राजनीतिक रूप से शक्तिशाली समूहों के रूप में उभरीं।

- Some of the powerful tribes were Khokhar tribe in Punjab; Langahs and Arghuns in Multan; Gaddis in the Himalayas;
कुछ शक्तिशाली जनजातियाँ पंजाब में खोखर जनजाति थीं; मुल्तान में लंगाह और अरघुन; हिमालय में गद्दी
- Kolis and Berads of Gujarat; Gonds of Chhattisgarh, Bhil tribe in Central India, etc.
गुजरात की कोली और बेराड; छत्तीसगढ़ के गोंड, मध्य भारत में भील जनजाति आदि।
- The tribal societies underwent a change as a result of interaction with the Hindu and Islamic societies.
हिंदू और इस्लामी समाजों के साथ बातचीत के परिणामस्वरूप जनजातीय समाजों में बदलाव आया।

Pastoral Nomads (देहाती खानाबदोश)

- The pastoral nomads moved from one place to another with their herd of animals. खानाबदोश चरवाहे अपने जानवरों के झुंड के साथ एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते थे
- They survived on milk products and exchanged ghee, wool, etc. with farmers for grains, cloth, utensils, etc.
वे दुग्ध उत्पादों पर जीवित रहते थे और अनाज, कपड़ा, बर्तन आदि के लिए किसानों के साथ घी, ऊन आदि का आदान-प्रदान करते थे।
- The most important trader nomads were Banjaras. Their caravan was called 'tanda'. Sultan Alauddin Khilji used Banjaras to move grain to the city markets. बंजारों का सबसे महत्वपूर्ण व्यापारी खानाबदोश था। उनके कारवां को 'टांडा' कहा जाता था। सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने शहर के बाजारों में अनाज ले जाने के लिए बंजारों का इस्तेमाल किया
- Pastoral tribes thus basically reared and sold animals like horses and cattle to the prosperous people.
देहाती जनजातियाँ इस प्रकार मूल रूप से घोड़ों और मवेशियों जैसे पशुओं को पालती थीं और समृद्ध लोगों को बेचती थीं।

Changes in Caste Structure of India (भारत की जाति संरचना में परिवर्तन)

- In the fields of trade and agriculture, there emerged a multi-caste population in many villages on account of the spread of Islam.
व्यापार और कृषि के क्षेत्र में, इस्लाम के प्रसार के कारण कई गाँवों में एक बहु-जातीय आबादी का उदय हुआ।
- Sufi and Bhakti movement preached equality between different castes and religious groups.
सूफी और भक्ति आंदोलन ने विभिन्न जातियों और धार्मिक समूहों के बीच समानता का प्रचार किया।
- Inter-caste marriages started between Rajputs and Muslim nobles.
राजपूतों और मुस्लिम कुलीनों के बीच अंतर्जातीय विवाह होने लगे।
- With the growth of the economy, new jatis and varnas emerged.
अर्थव्यवस्था के विकास के साथ नई जातियों और वर्णों का उदय हुआ।
- Many tribes became part of rule changes.
कई जनजातियाँ नियम परिवर्तन का हिस्सा बनीं।

The Gonds (गोंड)

- Gonds were sometimes referred to by their tribal dialect, Gondi. They practised shifting cultivation.
गोंडों को कभी-कभी उनकी आदिवासी बोली, गोंडी द्वारा संदर्भित किया जाता था। वे झूम खेती करते थे।
- The Gonds rose when Delhi Sultanate declined.
गोंडों को कभी-कभी उनकी बोली बोली, गोंडी द्वारा संदर्भित किया जाता था। वे झूम खेती करते हैं।
- The Gond kingdom Gondwana in southeastern Madhya Pradesh was founded in the 15th century
दक्षिण-पूर्वी मध्य प्रदेश में गोंड साम्राज्य गोंडवाना की स्थापना 15वीं सदी में हुई थी

Ahoms (अहोम)

- The Ahom tribe is traced to some tribes living in south-east Asia who had travelled overland through the forests of Assam.
अहोम जनजाति का पता दक्षिण-पूर्व एशिया में रहने वाली कुछ जनजातियों से है, जिन्होंने असम के जंगलों के माध्यम से यात्रा की थी।
- The religion and culture of Assam is a fusion of the local traditions and of migrant tribes.
असम का धर्म और संस्कृति स्थानीय परंपराओं और प्रवासी जनजातियों का मिश्रण है।
- The Ahoms belonged to a warrior class and built roads and irrigation system even before establishing their rule.
अहोम योद्धा वर्ग के थे और उन्होंने अपना शासन स्थापित करने से पहले ही सड़कों और सिंचाई प्रणाली का निर्माण किया था।
- The Ahoms formed the new kingdom by suppressing the older political system of Bhuiyans.
अहोमों ने भुईयों की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को दबा कर नए साम्राज्य की स्थापना की

Tribal societies were absolutely different from those which existed in big cities.
जनजातीय समाज बड़े शहरों में मौजूद समाजों से बिल्कुल अलग थे।

Tribal societies did not follow the social rules and rituals, prescribed by the Brahmanas, because they divided societies into numerous unequal classes. These societies were known as tribes.
आदिवासी समाजों ने ब्राह्मणों द्वारा निर्धारित सामाजिक नियमों और रीति-रिवाजों का पालन नहीं किया, क्योंकि उन्होंने समाजों को कई असमान वर्गों में विभाजित किया था। इन समाजों को कबीलों के रूप में जाना जाता था।

There was a unique bond of kinship among the members of each tribe.
प्रत्येक जनजाति के सदस्यों के बीच रिश्तेदारी का एक अनूठा बंधन था।

Their main source of livelihood was agriculture. However, hunter-gatherers or herders were also there.
उनकी आजीविका का मुख्य स्रोत कृषि था। हालाँकि, शिकारी-संग्रहकर्ता या चरवाहे भी वहाँ थे।

Some tribes were nomadic and kept on moving from one place to another.
कुछ जनजातियाँ खानाबदोश थीं और एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाती रहती थीं।

A tribal group controlled land and pastures jointly and divided these amongst households as per its own rules.
एक आदिवासी समूह ने संयुक्त रूप से भूमि और चरागाहों को नियंत्रित किया और अपने स्वयं के नियमों के अनुसार घरों में बांट दिया।

Many large tribes lived in forests, hills, deserts and places difficult to reach.
कई बड़ी जनजातियाँ जंगलों, पहाड़ियों, रेगिस्तानों और दुर्गम स्थानों में रहती थीं।

Tribal people did not keep written records. But they preserved rich customs and oral traditions which help historians to collect knowledge about them.
आदिवासी लोग लिखित रिकॉर्ड नहीं रखते थे। लेकिन उन्होंने समृद्ध रीति-रिवाजों और मौखिक परंपराओं को संरक्षित रखा जो इतिहासकारों को उनके बारे में ज्ञान एकत्र करने में मदद करते हैं।

Tribal people were spread in almost every region of the subcontinent. Some powerful tribes controlled large territories.
जनजातीय लोग उपमहाद्वीप के लगभग हर क्षेत्र में फैले हुए थे। कुछ शक्तिशाली जनजातियों ने बड़े प्रदेशों को नियंत्रित किया

In Punjab, the Khokhar tribe was very influential during the 13th and 14th centuries. Later, the Gakkhars became more important.

पंजाब में 13वीं और 14वीं शताब्दी के दौरान खोखर जनजाति बहुत प्रभावशाली थी। बाद में गक्खरों का महत्व और बढ़ गया।

In Multan and Sind, the Languages and Arghuns dominated extensive regions.

मुल्तान और सिंध में, भाषाएँ और अरघुन व्यापक क्षेत्रों पर हावी थे।

The Balochis were found in the north-west.

बलूची उत्तर-पश्चिम में पाए जाते थे।

The Shepherd tribe of Gaddis lived in the western Himalayas.

गद्दी की चरवाहा जनजाति पश्चिमी हिमालय में रहती थी।

The north-eastern part of the subcontinent was dominated by the Nagas, Ahoms and many others.

उपमहाद्वीप के उत्तर-पूर्वी भाग में नागाओं, अहोमों और कई अन्य लोगों का प्रभुत्व था।

The Mundas and Santals were important tribes found in Bihar, Jharkhand, Orissa and Bengal.

मुंडा और संथाल बिहार, झारखंड, उड़ीसा और बंगाल में पाई जाने वाली महत्वपूर्ण जनजातियाँ थीं।

The Kolis were found in Maharashtra, Karnataka and Gujarat.

कोली महाराष्ट्र, कर्नाटक और गुजरात में पाए जाते थे।

The Bhils were spread across western and central India.

भील पश्चिमी और मध्य भारत में फैले हुए थे।

The Gonds lived in Chhattisgarh, Madhya Pradesh, Maharashtra and Andhra Pradesh.

गोंड छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश में रहते थे।

Nomadic pastoralists lived on milk and other pastoral products. The Banjaras were the most important trader-nomads.

खानाबदोश पशुपालक दूध और अन्य पशुचारण उत्पादों पर अपना गुजारा करते थे। बंजारे सबसे महत्वपूर्ण व्यापारी-खानाबदोश थे।

Smaller castes or jatis emerged with the growth of society. Smiths, carpenters and masons were recognised as separate jatis.

समाज के विकास के साथ छोटी जातियों या जातियों का उदय हुआ। स्मिथ, बढ़ई और राजमिस्त्री को अलग-अलग जातियों के रूप में मान्यता दी गई थी

Among the Kshatriyas, new Rajput clans became powerful by the 11th and 12th centuries. They belonged to different lineages such as Hunas, Chandelas, Chalukyas, etc. Some of these had been tribes earlier. Many of these clans came to be regarded as Rajputs.

क्षत्रियों में, 11वीं और 12वीं शताब्दी तक नए राजपूत वंश शक्तिशाली हो गए। वे अलग-अलग वंशों जैसे हूण, चंदेल, चालुक्य आदि से संबंधित थे। इनमें से कुछ पहले जनजातियाँ थीं। इनमें से कई कुलों को राजपूत माना जाने लगा।

The rise of Rajput clans to the position of rulers set an example for the tribal people to follow.

शासकों की स्थिति में राजपूत वंशों के उदय ने जनजातीय लोगों के अनुसरण के लिए एक उदाहरण स्थापित किया

The Gonds lived in a vast forested region known as Gondwana. They practised shifting cultivation. The large Gond tribe was further divided into many smaller clans. Each clan had its own raja or rai. About the time that the power of the Delhi Sultans was declining, a few large Gond kingdoms were beginning to dominate the smaller Gond chiefs. The Akbar Nama mentions the Gond kingdom of

Garha Katanga.

गोंड एक विशाल जंगली क्षेत्र में रहते थे जिसे गोंडवाना के नाम से जाना जाता था। वे झूम खेती करते थे। बड़ी गोंड जनजाति आगे कई छोटे कुलों में विभाजित थी। प्रत्येक कबीले का अपना राजा या राय होता था। जिस समय दिल्ली के सुल्तानों की शक्ति कम हो रही थी, कुछ बड़े गोंड साम्राज्य छोटे गोंड प्रमुखों पर हावी होने लगे थे। अकबरनामा में गढ़ कटंगा के गोंड साम्राज्य का उल्लेख है।

Garha Katanga was a rich state. However, it was defeated by the Mughals. Despite that, the Gond kingdoms survived for some time.

गढ़ कटंगा एक समृद्ध राज्य था। हालाँकि, यह मुगलों से हार गया था। उसके बावजूद गोंड राज्य कुछ समय तक जीवित रहे।

The Ahoms migrated to the Brahmaputra valley from present-day Myanmar in the 13th century. They created a new state by suppressing the older political system of the bhuiyans (landlords).

अहोम 13वीं शताब्दी में वर्तमान म्यांमार से ब्रह्मपुत्र घाटी में चले गए थे। उन्होंने भुइयां (जमींदारों) की पुरानी राजनीतिक व्यवस्था को दबा कर एक नए राज्य का निर्माण किया।

During the 16th century, they annexed the kingdoms of the Chhutiya and of Koch-Hajo and subjugated many other tribes. Thus, they built a large state. However, they faced many invasions from the south-west and finally, they were defeated by the Mughals.

16वीं शताब्दी के दौरान, उन्होंने छुटिया और कोच-हाजो के राज्यों पर कब्जा कर लिया और कई अन्य जनजातियों को अपने अधीन कर लिया। इस प्रकार, उन्होंने एक बड़े राज्य का निर्माण किया। हालाँकि, उन्हें दक्षिण-पश्चिम से कई आक्रमणों का सामना करना पड़ा और अंत में, वे मुगलों से हार गए।

Ahom society was divided into clans or Khels. The society was very sophisticated.

अहोम समाज कुलों या खेल में विभाजित था। समाज बहुत परिष्कृत था।

The Ahoms worshipped their own tribal gods. However, in the reign of Sib Singh Hinduism became the predominant religion? But the Ahom kings did not completely give up their traditional beliefs.

अहोम अपने आदिवासी देवताओं की पूजा करते थे। हालाँकि, सिब सिंह के शासनकाल में हिंदू धर्म प्रमुख धर्म बन गया था? लेकिन अहोम राजाओं ने अपनी पारंपरिक मान्यताओं को पूरी तरह से नहीं छोड़ा।

Clan: A clan is a group of families or households claiming descent from a common ancestor. The tribal organisation is often based on kinship or clan loyalties.

कबीला: एक कबीले परिवारों या परिवारों का एक समूह है जो एक सामान्य पूर्वज से वंश का दावा करता है। आदिवासी संगठन अक्सर रिश्तेदारी या कबीले की वफादारी पर आधारित होता है।

Nomads: People who keep on moving from one place to another.

खानाबदोश: वे लोग जो एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूमते रहते हैं

Nomadic pastoralists: People who move over long distances with their animals.

खानाबदोश पशुपालक: वे लोग जो अपने पशुओं के साथ लंबी दूरी तय करते हैं।

Tanda: The caravan of the Banjaras was called tanda.

टांडा: बंजारों के कारवां को टांडा कहा जाता था।

Itinerant Group: This group consists of craftspersons, peddlers and entertainers who travel from place to place practising their different occupations.

घुमंतू समूह: इस समूह में शिल्पकार, फेरीवाले और मनोरंजन करने वाले शामिल होते हैं जो अपने विभिन्न व्यवसायों का अभ्यास करने के लिए एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा करते हैं।

Shifting Cultivation: Trees and bushes in a forest area are first cut and burnt. The crop is then

sown in the ashes. After some time when this land loses its fertility, another patch of land is cleared and planted in the same manner.

स्थानान्तरित खेती: वन क्षेत्र में पेड़ों और झाड़ियों को पहले काट कर जला दिया जाता है। इसके बाद फसल को राख में बो दिया जाता है। कुछ समय बाद जब यह भूमि अपनी उर्वरता खो देती है, तो भूमि का एक और भाग साफ करके उसी तरह से लगाया जाता है।

1591 – Cheros were defeated.

1591 - चेरोस की हार हुई।

1523 – The Ahoms annexed the kingdoms of the Chaityas.

1523 - अहोमों ने चैत्यों के राज्यों पर कब्जा कर लिया।

1581 – The Ahoms annexed the kingdoms of Koch-Hajo.

1581 - अहोमों ने कोच-हाजो के राज्यों पर कब्जा कर लिया।

1662 – The Mughals under Mir Jumla attacked the Ahonri kingdom.

1662 - मीर जुमला के तहत मुगलों ने अहोनरी साम्राज्य पर हमला किया।

1714-1744 – Sib Singh reigned the Ahom kingdom.

1714-1744 - सिब सिंह ने अहोम साम्राज्य पर शासन किया।

Devotional Paths to the Divine Chapter 8 **दैवीय भक्ति पथ अध्याय 8**

In the eighth century, two new religious movements Sufism and Bhakti emerged.
आठवीं शताब्दी में दो नए धार्मिक आंदोलन सूफीवाद और भक्ति का उदय हुआ।

Devotion to God without discrimination on the basis of caste was taught by the Bhakti and Sufi saints.
जाति के आधार पर भेदभाव के बिना भगवान की भक्ति भक्ति और सूफी संतों द्वारा सिखाई गई थी।

Both Sufism and Bhakti movements had several common traits and spread as popular movements at about the same time.

सूफीवाद और भक्ति आंदोलनों दोनों में कई सामान्य लक्षण थे और लगभग एक ही समय में लोकप्रिय आंदोलनों के रूप में फैल गए।

The Idea of a Supreme God (एक सर्वोच्च ईश्वर का विचार)

Before large kingdoms emerged, different groups of people worshipped their own Gods and Goddesses. As people were brought together through the growth of towns, trade and empires, new ideas began to develop.

बड़े राज्यों के उदय से पहले, लोगों के विभिन्न समूह अपने-अपने देवी-देवताओं की पूजा करते थे। जैसे-जैसे कस्बों, व्यापार और साम्राज्यों के विकास के माध्यम से लोगों को एक साथ लाया गया, नए विचार विकसित होने लगे।

The idea that all human beings are not equal at birth gained ground during this period.

The idea of a Supreme God who could deliver humans from bondage through devotion or bhakti emerged.

एक सर्वोच्च ईश्वर का विचार उभरा जो मनुष्यों को भक्ति या भक्ति के माध्यम से बंधन से छुड़ा सकता है

Gods and goddesses worshipped in different areas came to be identified with Shiva, Vishnu or Durga

(विभिन्न क्षेत्रों में पूजे जाने वाले देवी-देवताओं को शिव, विष्णु या दुर्गा के रूप में पहचाना जाने लगा)

A New Kind of Bhakti in South India – Nayanars and Alvars
दक्षिण भारत में एक नई तरह की भक्ति - नयनार और अलवर

The seventh to ninth centuries saw the emergence of a new religious movement, led by Nayanars (saints devoted to Shiva) and Alvars (saints devoted to Vishnu).

सातवीं से नौवीं शताब्दी में नयनारों (शिव को समर्पित संत) और अलवर (विष्णु को समर्पित संत) के नेतृत्व में एक नए धार्मिक आंदोलन का उदय हुआ।

They were sharply critical of the Buddhists and Jainas and preached ardent love of Shiva or Vishnu as the path to salvation.

वे बौद्धों और जैनियों के कटु आलोचक थे और मोक्ष के मार्ग के रूप में शिव या विष्णु के प्रबल प्रेम का उपदेश देते थे।

The Nayanars and Alvars went from place to place composing exquisite poems of praise of the deities enshrined in the village they visited and set them to music.

नयनार और अलवर एक स्थान से दूसरे स्थान पर गए और उन्होंने उस गाँव में प्रतिष्ठित देवताओं की स्तुति की उत्कृष्ट कविताओं की रचना की और उन्हें संगीत में स्थापित किया।

The Chola and Pandya kings built elaborate temples around many of the shrines.

Philosophy and Bhakti

चोल और पांड्य राजाओं ने कई मंदिरों के चारों ओर विस्तृत मंदिर बनवाए।

दर्शन और भक्ति

Shankara, a philosopher, of Kerala advocated Advaita or the doctrine of the oneness of the individual soul and the Supreme God which is the ultimate reality.

केरल के एक दार्शनिक, शंकर ने अद्वैत या व्यक्तिगत आत्मा और सर्वोच्च ईश्वर की एकता के सिद्धांत की वकालत की जो परम वास्तविकता है।

Ramanuja of Tamil Nadu advocated that the best means of attaining salvation was through intense devotion to Vishnu.

तमिलनाडु के रामानुज ने वकालत की कि मोक्ष प्राप्त करने का सबसे अच्छा साधन विष्णु की गहन भक्ति है।

Basavanna's Virashaivism (बसवन्ना का वीरशैववाद)

Virashaivism movement was initiated by Basavanna and his companions Allama Prabhu and Akkamahadevi in Karnataka in the mid-12 century.

वीरशैव आंदोलन की शुरुआत बासवन्ना और उनके साथियों अल्लामा प्रभु और अक्कमहादेवी ने 12वीं शताब्दी के मध्य में कर्नाटक में की थी।

They argued strongly for equality of all human beings, opposed Brahmanical ideas on caste and treatment of women.

उन्होंने सभी मनुष्यों की समानता के लिए दृढ़ता से तर्क दिया, जाति और महिलाओं के उपचार पर ब्राह्मणवादी विचारों का विरोध किया।

The Saints of Maharashtra (महाराष्ट्र के संत)

Jnaneshwar, Namdev, Eknath, Tukaram, Sakkubai and the family of Chokhamela focused on the bhakti of Vitthala (a form of Vishnu).

ज्ञानेश्वर, नामदेव, एकनाथ, तुकाराम, सक्कूबाई और चोखामेला के परिवार ने विठ्ठल (विष्णु का एक रूप) की भक्ति पर ध्यान केंद्रित किया।

Some of these belonged to lower castes. They rejected all forms of ritualism, outward display of piety and social differences based on birth.

इनमें से कुछ निचली जातियों के थे। उन्होंने सभी प्रकार के कर्मकांडों, धार्मिकता के बाहरी प्रदर्शन और जन्म के आधार पर सामाजिक मतभेदों को खारिज कर दिया।

A number of religious groups that emerged during this period criticized the ritual and other aspects of conventional religion and the social order, using simple, logical arguments.

इस अवधि के दौरान उभरे कई धार्मिक समूहों ने सरल, तार्किक तर्कों का उपयोग करते हुए पारंपरिक धर्म और सामाजिक व्यवस्था के अनुष्ठान और अन्य पहलुओं की आलोचना की।

Among them were the Nathpanthis, Siddhcharas and Yogis.

इनमें नाथपंथी, सिद्धचर और योगी थे।

Islam and Sufism (इस्लाम और सूफीवाद)

Islam propagated monotheism or submission to one God. '

इस्लाम ने एकेश्वरवाद या एक ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रचार किया। '

It also rejected idol worship. Muslim scholars developed a holy law called Shariat.

इसने मूर्ति पूजा को भी खारिज कर दिया। मुस्लिम विद्वानों ने शरीयत नामक एक पवित्र कानून विकसित किया।

The Sufis rejected the elaborate codes of behaviour demanded by Muslim religious scholars.

सूफियों ने मुस्लिम धार्मिक विद्वानों द्वारा मांगे गए आचार संहिता को खारिज कर दिया

The sought unison with God, as a lover seeks his beloved with a disregard for the world.

एक प्रेमी के रूप में भगवान के साथ वांछित एकता, दुनिया की उपेक्षा के साथ अपनी प्रेमिका की तलाश करती है।

Among the great Sufis of Central Asia were Ghazzali, Rumi and Sadi.

मध्य एशिया के महान सूफियों में गज़ाली, रूमी और सादी थे।

Sufism introduced many popular orders or silsilas of which the most widespread was the Shariat and Chisti Silsilas.

सूफीवाद ने कई लोकप्रिय आदेश या सिलसिला पेश किए जिनमें से सबसे व्यापक शरीयत और चिश्ती सिलसिला थे।

The Chisti silsila was among the most influential orders. A long line of teachers included Khwaja Moinuddin Chisti

चिश्ती सिलसिला सबसे प्रभावशाली सम्प्रदायों में से एक था। शिक्षकों की एक लंबी कतार में ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती शामिल थे

Ajmer, Qutbuddin Bakhtiyar Kaki of Delhi, Baba Farid of Punjab, Khwaja Nizamuddin Auliya of Delhi and Bandanawaz Gisudaraz of Gulbarga.

अजमेर, दिल्ली के कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी, पंजाब के बाबा फरीद, दिल्ली के ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया और गुलबर्गा के बंदनवाज गिसूदराज

New Religious Developments in North India (उत्तर भारत में नए धार्मिक विकास)

The period after the 13th century saw a new wave of bhakti movement in North India.

13वीं शताब्दी के बाद की अवधि में उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की एक नई लहर देखी गई।

This wave was led by scholars like Tulsidas, Surdas, Kabir and Baba Guru Nanak

इस लहर का नेतृत्व तुलसीदास, सूरदास, कबीर और बाबा गुरु नानक जैसे विद्वानों ने किया था

This tradition also included saints like Dadu Dayal, Ravidas and Mirabai. Mirabai was devoted to Lord Krishna.

इस परंपरा में दादू दयाल, रविदास और मीराबाई जैसे संत भी शामिल थे। मीराबाई भगवान कृष्ण के प्रति समर्पित थीं।

A unique feature of most of these saints is that their works were composed in regional languages and could be sung.

इनमें से अधिकांश संतों की एक अनूठी विशेषता यह है कि उनकी रचनाएँ क्षेत्रीय भाषाओं में रचित थीं और उन्हें गाया जा सकता था।

Kabir ridiculed idol worship and believed in one formless Supreme God with devotion as the path of salvation.

कबीर ने मूर्ति पूजा का उपहास किया और मोक्ष के मार्ग के रूप में भक्ति के साथ एक निराकार परमेश्वर को माना।

Guru Nanak emphasized on the importance of one God and nam-japna, kirti-kama and vand-chhakna.

गुरु नानक ने एक ईश्वर और नाम-जपना, कीर्ति-काम और वंद-छकना के महत्व पर जोर दिया।

Baba Guru Nanak's followers increased through the 16th century under his successors.

बाबा गुरु नानक के अनुयायियों में उनके उत्तराधिकारियों के अधीन 16वीं शताब्दी में वृद्धि हुई।

Shankara was an advocate of Advaita or the doctrine of the oneness of the individual soul and the Supreme God.

शंकर अद्वैत या व्यक्तिगत आत्मा और सर्वोच्च ईश्वर की एकता के सिद्धांत के समर्थक थे।

Various kinds of Bhakti and Sufi movements evolved since the eighth century.

आठवीं शताब्दी से विभिन्न प्रकार के भक्ति और सूफी आंदोलन विकसित हुए।

Before the emergence of large kingdoms, different groups of people worshipped their own gods and goddesses.

बड़े राज्यों के उदय से पहले, लोगों के विभिन्न समूह अपने देवी-देवताओं की पूजा करते थे।

Several people also showed their interest in the teachings of the Buddha or the Jainas.

कई लोगों ने बुद्ध या जैनों की शिक्षाओं में भी अपनी रुचि दिखाई।

Others felt attracted to the idea of a Supreme God. Such people sought the path of Bhakti to approach this Supreme God. As a result, Shiva, Vishnu and Durga came to be recognised as supreme deities. People began to worship them through elaborate rituals.

दूसरों ने सर्वोच्च ईश्वर के विचार से आकर्षित महसूस किया। ऐसे लोगों ने इस सर्वोच्च भगवान से संपर्क करने के लिए भक्ति का मार्ग खोजा। परिणामस्वरूप, शिव, विष्णु और दुर्गा को सर्वोच्च देवताओं के रूप में पहचाना जाने लगा। लोग विस्तृत अनुष्ठानों के माध्यम से उनकी पूजा करने लगे।

The seventh to ninth centuries saw the emergence of new religious movements, led by the Nayanars (saints devoted to Shiva) and Alvars (saints devoted to Vishnu) who came from all castes including untouchables.

सातवीं से नौवीं शताब्दियों में नयनारों (शिव को समर्पित संत) और अलवर (विष्णु को समर्पित संत) के नेतृत्व में नए धार्मिक आंदोलनों का उदय हुआ, जो अछूतों सहित सभी जातियों से आए थे।

They criticised the Buddhists and Jainas and preached ardent love of Shiva or Vishnu as the path of salvation.

उन्होंने बौद्धों और जैनियों की आलोचना की और मोक्ष के मार्ग के रूप में शिव या विष्णु के प्रबल प्रेम का प्रचार किया।

Elaborate temples were built by the Chola and Pandya kings between the tenth and twelfth centuries. Thus, the Bhakti tradition got strongly linked with temple worship. दसवीं और बारहवीं शताब्दी के बीच चोल और पांड्य राजाओं द्वारा विस्तृत मंदिरों का निर्माण किया गया था। इस प्रकार, भक्ति परंपरा मंदिर पूजा के साथ मजबूती से जुड़ गई।

Shankara, a Bhakti saint, was an advocate of Advaita or the doctrine of the oneness of the individual soul and the Supreme God which is the Ultimate Reality. He preached renunciation of the world and adoption of the path of knowledge. शंकर, एक भक्ति संत, अद्वैत के समर्थक थे या व्यक्तिगत आत्मा और सर्वोच्च ईश्वर की एकता के सिद्धांत जो परम वास्तविकता है। उन्होंने संसार के त्याग और ज्ञान के मार्ग को अपनाने का उपदेश दिया।

Ramanuja, another Bhakti saint, was deeply influenced by the Alvars. According to him the best means of attaining salvation was through intense devotion to Vishnu. एक अन्य भक्ति संत रामानुज अलवारों से गहरे प्रभावित थे। उनके अनुसार मोक्ष प्राप्त करने का सबसे अच्छा साधन विष्णु की गहन भक्ति है।

Virashaiva movement was initiated by Basavanna and his companions. This movement began in Karnataka in the mid-twelfth century. The Virashaivas were against all forms of ritual and idol worship. वीरशैव आंदोलन की शुरुआत बासवन्ना और उनके साथियों ने की थी। यह आंदोलन कर्नाटक में बारहवीं शताब्दी के मध्य में शुरू हुआ। वीरशैव सभी प्रकार के कर्मकांडों और मूर्ति पूजा के खिलाफ थे।

The saint-poets of Maharashtra such as Janeshwar, Namdev, Eknath and Tukaram inspired people through their songs in simple Marathi. These saints rejected all forms of ritualism, outward display of piety and social differences based on birth. They also rejected the idea of renunciation and preferred to live with their families. जनेश्वर, नामदेव, एकनाथ और तुकाराम जैसे महाराष्ट्र के संत-कवियों ने सरल मराठी में अपने गीतों के माध्यम से लोगों को प्रेरित किया। इन संतों ने सभी प्रकार के कर्मकांडों, धार्मिकता के बाहरी प्रदर्शन और जन्म के आधार पर सामाजिक मतभेदों को खारिज कर दिया। उन्होंने त्याग के विचार को भी खारिज कर दिया और अपने परिवारों के साथ रहना पसंद किया।

Several other religious groups such as Nathpanthis, Siddhas and Yogis also criticised the ritual and other aspects of conventional religion and the social order. They advocated renunciation of the world. They inspired people to lay in meditation on the formless Ultimate Reality and the realisation of oneness with it. They gave importance to yogasanas. कई अन्य धार्मिक समूहों जैसे नाथपंथियों, सिद्धों और योगियों ने भी पारंपरिक धर्म और सामाजिक व्यवस्था के अनुष्ठान और अन्य पहलुओं की आलोचना की। उन्होंने संसार के त्याग की वकालत की। उन्होंने लोगों को निराकार परम वास्तविकता और उसके साथ एकता की अनुभूति पर ध्यान लगाने के लिए प्रेरित किया। वे योगासनों को महत्व देते थे।

Sufis were Muslim mystics. They rejected outward religiosity and emphasized love and devotion to God and comparison towards all fellow human beings. सूफी मुस्लिम रहस्यवादी थे। उन्होंने बाहरी धार्मिकता को खारिज कर दिया और भगवान के प्रति प्रेम और भक्ति और सभी साथी मनुष्यों के प्रति तुलना पर जोर दिया।

Islam propagated monotheism i.e. submission to one God. It rejected idol worship, इस्लाम ने एकेश्वरवाद यानी एक ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रचार किया। इसने मूर्ति पूजा को अस्वीकार कर दिया

Muslim scholars developed a holy law called Shariat. The Sufis rejected the elaborate rituals and codes of behaviour demanded by Muslim religious scholars. मुस्लिम विद्वानों ने शरीयत नामक एक पवित्र कानून विकसित किया। सूफियों ने मुस्लिम धार्मिक विद्वानों द्वारा मांगे गए

विस्तृत कर्मकांडों और आचार संहिताओं को खारिज कर दिया

The Sufis too composed poems like the saint-poets. Some of the great Sufis were Ghazzali, Rumi and Sadi.

सूफियों ने भी संत-कवियों की तरह कविताओं की रचना की। कुछ महान सूफी गज़ाली, रूमी और सादी थे।

The Sufi saints developed elaborate methods of training using zikr (chanting of a name or sacred formula), contemplation, sama (singing), rags (dancing), discussion of parables, breath control etc. under the guidance of a master or pir. Thus, emerged the silsilas, a genealogy of Sufi teachers. The Chishti silsila is worth-mentioning in this regard.

सूफी संतों ने एक गुरु या पीर के मार्गदर्शन में ज़िक्र (एक नाम या पवित्र सूत्र का जाप), चिंतन, समा (गायन), लता (नृत्य), दृष्टांतों की चर्चा, सांस नियंत्रण आदि का उपयोग करके प्रशिक्षण के विस्तृत तरीके विकसित किए। इस प्रकार, सूफी शिक्षकों की एक वंशावली, सिलसिलाओं का उदय हुआ। इस संबंध में चिश्ती सिलसिला उल्लेखनीय है।

The Sufi teachers held their assemblies in their Khanqahs or hospices (houses of rest for travellers). Here, they discussed spiritual matters.

सूफी शिक्षक अपनी सभाएँ अपने खानकाहों या धर्मशालाओं (यात्रियों के विश्राम गृह) में आयोजित करते थे। यहां उन्होंने आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की।

Sufi shrines are visited by devotees of all backgrounds.

सभी पृष्ठभूमि के भक्तों द्वारा सूफी मंदिरों का दौरा किया जाता है।

A new wave of Bhakti movement began in north India after the 13th century. This was an age when Islam, Brahmanical Hinduism, Sufism, various strands of Bhakti and the Nathpanths, Siddhas and Yogis influenced one another.

13वीं सदी के बाद उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन की एक नई लहर शुरू हुई। यह एक ऐसा युग था जब इस्लाम, ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म, सूफीवाद, भक्ति के विभिन्न सूत्र और नाथपंथ, सिद्ध और योगी एक दूसरे को प्रभावित करते थे।

Kabir and Baba Guru Nanak rejected all orthodox religions. Others like Tulsidas and Surdas accepted existing beliefs and practices but wanted to make these accessible to all. Tulsidas's composition, the Ramcharitmanas, written in Awadhi, is important both as an expression of his devotion and as a literary work.

कबीर और बाबा गुरु नानक ने सभी रूढ़िवादी धर्मों को खारिज कर दिया। तुलसीदास और सूरदास जैसे अन्य लोगों ने मौजूदा मान्यताओं और प्रथाओं को स्वीकार किया लेकिन इन्हें सभी के लिए सुलभ बनाना चाहते थे। अवधी में लिखी गई तुलसीदास की रचना, रामचरितमानस, उनकी भक्ति की अभिव्यक्ति और साहित्यिक कृति दोनों के रूप में महत्वपूर्ण है।

Surdas was an ardent devotee of Krishna.

सूरदास कृष्ण के अनन्य भक्त थे।

Dadu Dayal, Ravidas and Mirabai were some other important saints of this tradition.

दादू दयाल, रविदास और मीराबाई इस परंपरा के कुछ अन्य महत्वपूर्ण संत थे।

The works of these saints were composed in regional languages and therefore they became very popular.

इन संतों की रचनाएँ क्षेत्रीय भाषाओं में रची गईं और इसलिए वे बहुत लोकप्रिय हुईं।

We come to know about Kabir through his sakhis and pads, Kabir's teachings were based on complete rejection of the major religious traditions. He believed in a formless Supreme God and preached that the only path to salvation was through Bhakti or devotion.

हमें कबीर के बारे में उनकी साखियों और पादों के माध्यम से पता चलता है, कबीर की शिक्षाएँ प्रमुख धार्मिक परंपराओं की पूर्ण अस्वीकृति पर आधारित थीं। वह एक निराकार सर्वोच्च ईश्वर में विश्वास करते थे और उपदेश देते थे कि मुक्ति का

एकमात्र मार्ग भक्ति या भक्ति है

Guru Nanak emphasised the importance of the worship of one God. He insisted that caste, creed or gender was irrelevant for attaining liberation. He used the terms nam, dan and isnan for the essence of his teachings which actually meant right worship, welfare of others and purity of conduct.

गुरु नानक ने एक ईश्वर की पूजा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि मुक्ति प्राप्त करने के लिए जाति, पंथ या लिंग अप्रासंगिक था। उन्होंने अपनी शिक्षाओं के सार के लिए नाम, दान और इस्नान शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसका वास्तव में अर्थ था सही पूजा, दूसरों का कल्याण और आचरण की पवित्रता।

Virashaivism: It was popular in Karnataka during the mid-twelfth century. Its followers argued strongly for the equality of all human beings and against Brahmanical ideas about caste and the treatment of women.

वीरशैववाद: यह बारहवीं शताब्दी के मध्य में कर्नाटक में लोकप्रिय था। इसके अनुयायियों ने सभी मनुष्यों की समानता और जाति और महिलाओं के उपचार के बारे में ब्राह्मणवादी विचारों के खिलाफ दृढ़ता से तर्क दिया।

Hagiography: Writing of saint's lives.

हैगोग्राफी: संत के जीवन का लेखन।

Vilthala: A form of Vishnu.

विलथल: विष्णु का एक रूप।

Hospice: House of rest for travellers, especially one kept by a religious order.

धर्मशाला: यात्रियों के लिए विश्राम गृह, विशेष रूप से एक धार्मिक आदेश द्वारा रखा गया।

Khanqah: It literarily means hospice.

खानकाह: इसका शाब्दिक अर्थ है धर्मशाला।

Dargah: It is a tomb of a religious saint in Muslim community recognised as a pilgrimage

दरगाह: यह मुस्लिम समुदाय के एक धार्मिक संत का मकबरा है जिसे तीर्थ यात्रा के रूप में मान्यता प्राप्त है

Langer: A common kitchen where people of all backgrounds eat together.

लैंगर: एक आम रसोई जहां सभी पृष्ठभूमि के लोग एक साथ भोजन करते हैं।

Dharamsala: A sacred space created by Baba Guru Nanak.

धर्मशाला: बाबा गुरु नानक द्वारा निर्मित एक पवित्र स्थान।

Khaba Panth: The community of the Sikhs.

खाबा पंथ: सिखों का समुदाय।

Bhakti: It means devotion to God.

भक्ति: इसका अर्थ है भगवान की भक्ति।

Sufi: He was a Muslim mystic.

सूफी: वह एक मुस्लिम फकीर थे।

Silsila: A genealogy of Sufi teachers.

सिलसिला: सूफी शिक्षकों की एक वंशावली।

Salvation: Getting freedom from the cycle of birth and death.

मोक्ष : जन्म मरण के चक्र से मुक्ति।

Shariat: Holy law made by Muslim Scholars.
शरीयत: मुस्लिम विद्वानों द्वारा बनाया गया पवित्र कानून।

Gurmukhi: A new script introduced by Guru Nanak.
गुरुमुखी: गुरु नानक द्वारा पेश की गई एक नई लिपि।

1469-1539 – The period of Baba Guru Nanak.
1469-1539 - बाबा गुरु नानक का काल।

1539 – Baba Guru Nanak died.
1539 - बाबा गुरु नानक की मृत्यु हुई।

1604 – Guru Arjan compiled all the compositions written by the three successors of Guru Angad.
1604 - गुरु अर्जन ने गुरु अंगद के तीन उत्तराधिकारियों द्वारा लिखी गई सभी रचनाओं को संकलित किया।

1606 – Guru Arjan was executed.
1606 - गुरु अर्जन को फाँसी दी गई।

1699 – The Khalsa was instituted by Guru Gobind Singh.
1699 - खालसा पंथ की स्थापना गुरु गोबिंद सिंह ने की थी।

The Making of Regional Cultures Chapter 9 **क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण अध्याय 9**

The medieval period saw the emergence of several regional languages and the associated literature. It is quite common for us to identify a region with its language. मध्ययुगीन काल में कई क्षेत्रीय भाषाओं और संबंधित साहित्य का उदय हुआ। किसी क्षेत्र को उसकी भाषा से पहचानना हमारे लिए काफी सामान्य है।

Every region is identified with a certain distinct type of food, clothing, poetry, dance, painting and music. प्रत्येक क्षेत्र की पहचान एक निश्चित प्रकार के भोजन, वस्त्र, कविता, नृत्य, चित्रकला और संगीत से होती है।

The Chera Empire of Mahodayapuram, which was established in 9th century in the southwestern part of Kerala introduced the Malayalam language. महोदयपुरम के चेरा साम्राज्य, जिसे 9वीं शताब्दी में केरल के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थापित किया गया था, ने मलयालम भाषा की शुरुआत की।

Rulers and Religious Traditions: The Jagannatha Cult **शासक और धार्मिक परंपराएँ: जगन्नाथ पंथ**

- In several regions, regional cultures developed around religious traditions. कई क्षेत्रों में धार्मिक परंपराओं के इर्द-गिर्द क्षेत्रीय संस्कृतियां विकसित हुईं।
- The local people made a wooden image of the deity which, originally a local God, came to be identified with Vishnu. स्थानीय लोगों ने देवता की एक लकड़ी की छवि बनाई, जो मूल रूप से एक स्थानीय देवता थे, जिन्हें विष्णु के रूप में पहचाना जाने लगा।
- Temple became the centre of pilgrimage. मंदिर तीर्थयात्रा का केंद्र बन गया।

The Rajputs and Traditions of Heroism (राजपूत और वीरता की परंपराएं)

- In the 19th century, the Rajasthan of today was called Rajputana by the British. 19वीं शताब्दी में आज के राजस्थान को अंग्रेज राजपुताना कहते थे।
- There are many groups who call themselves Rajputs in Northern and Central India. ऐसे कई समूह हैं जो खुद को उत्तरी और मध्य भारत में राजपूत कहते हैं।
- Prithviraj Chauhan was one such ruler. पृथ्वीराज चौहान ऐसे ही एक शासक थे।
- Women had been given a heroic image since they committed sati or self-immolation. सती या आत्मदाह करने के बाद से महिलाओं को एक वीर छवि दी गई थी

Beyond Regional Frontiers: The Story of Kathak

बिरोन्ड रीजनल फ्रंटियर्स: द स्टोरी ऑफ कथक

- The heroic traditions of various regions also helped in the evolution of dance in several regions. विभिन्न क्षेत्रों की वीर परंपराओं ने भी कई क्षेत्रों में नृत्य के विकास में मदद की।
- One such dance was Kathak, which was evolved in Northern India. The Kathaks initially were a caste of story-tellers in North Indian temples. ऐसा ही एक नृत्य था कथक, जिसका विकास उत्तर भारत में हुआ था। कथक शुरू में उत्तर भारतीय मंदिरों में कहानी कहने वालों की एक जाति थी
- The legends of Radha-Krishna were enacted in folk plays known as rasalila. रासलीला के नाम से जाने जाने वाले लोक नाटकों में राधा-कृष्ण की कथाओं का मंचन किया गया।
- It integrated folk dance with the basic gestures of the kathak story-tellers. इसने लोकनृत्य को कथक कथावाचकों के मूल इशारों के साथ एकीकृत किया।
- Music also developed into various forms like qawwali and khayal and new instruments like Sitar were invented. संगीत कव्वाली और ख्याल जैसे विभिन्न रूपों में भी विकसित हुआ और सितार जैसे नए उपकरणों का आविष्कार किया गया।

Paintings for Patrons: The Traditions of Miniatures

संरक्षकों के लिए पेंटिंग्स: लघुचित्रों की परंपराएं

- During this period, one more tradition which deserves our attention is the miniature painting. Miniatures are small sized paintings done in watercolour on cloth or paper. इस अवधि के दौरान, एक और परंपरा जो हमारे ध्यान के योग्य है, वह लघु चित्रकला है। लघुचित्र कपड़े या कागज पर पानी के रंग में छोटे आकार के चित्र होते हैं।
- Akbar, Jahangir and Shah Jahan hired highly skilled painters to illustrate their manuscripts in the Kitab Khana containing their accounts and poetry. अकबर, जहाँगीर और शाहजहाँ ने अत्यधिक कुशल चित्रकारों को किताबखाना में अपनी पाण्डुलिपियों को चित्रित करने के लिए काम पर रखा था जिसमें उनके खाते और कविताएँ थीं।
- When the Mughal Empire started declining, new artistic tastes developed in the regional court of Deccan and Rajput rulers. जब मुगल साम्राज्य का पतन शुरू हुआ, तो दक्खन और राजपूत शासकों के क्षेत्रीय दरबार में नए कलात्मक स्वाद विकसित हुए।
- One bold style of miniature painting was called Basohli. लघु चित्रकला की एक साहसिक शैली को बसोहली कहा जाता था।
- One of the most popular paintings of the Himalayas region was Bhanudatta's Rasamanjari. हिमालय क्षेत्र के सबसे लोकप्रिय चित्रों में से एक भानुदत्त की रसमंजरी थी।
- The Kangra artists by mid-18th century infused a new life into miniature painting. 18वीं शताब्दी के मध्य तक कांगड़ा कलाकारों ने लघु चित्रकला में एक नया जीवन भर दिया।

The Growth of a Regional Language: Bengal

क्षेत्रीय भाषा का विकास: बंगाल

- Regional language is the language which a person speaks in a region.
क्षेत्रीय भाषा वह भाषा है जो एक व्यक्ति किसी क्षेत्र में बोलता है।
- It is generally assumed that the Bengali language is spoken by people of Bengal. आमतौर पर यह माना जाता है कि बंगाली भाषा बंगाल के लोगों द्वारा बोली जाती है
- Bengali originated from Sanskrit but later on developed its own identity and literature.
बंगाली की उत्पत्ति संस्कृत से हुई थी लेकिन बाद में इसने अपनी अलग पहचान और साहित्य विकसित किया।
- Early Bengali literature may be divided into two categories—The first includes translations from Sanskrit epics and the प्रारंभिक बंगाली साहित्य को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है- पहले में संस्कृत महाकाव्यों के अनुवाद शामिल हैं और दूसरा
- The second includes Nath literature.
दूसरे में नाथ साहित्य शामिल है।

Pirs and Temples (पीर और मंदिर)

- From the 16th century, people migrated in large numbers from less fertile western Bengal to the forested and marshy of south-eastern Bengal.
16वीं शताब्दी से, लोग कम उपजाऊ पश्चिमी बंगाल से बड़ी संख्या में दक्षिण-पूर्वी बंगाल के जंगलों और दलदली इलाकों में चले गए
- With Mughal control over Bengal, the capital shifted to Dhaka. Officials received land grants. Mosques were set up.
बंगाल पर मुगलों के नियंत्रण के साथ, राजधानी ढाका स्थानांतरित हो गई। अधिकारियों को भूमि अनुदान प्राप्त हुआ। मस्जिदें बना दी गईं।
- The early settlers got help from teachers called Pirs. They included saints or Sufis and prominent religious personalities.
शुरुआती बसने वालों को पीर नामक शिक्षकों से मदद मिली। इनमें संत या सूफी और प्रमुख धार्मिक हस्तियां शामिल थीं।

Regional cultures today are often the product of complex processes of intermixing of local traditions with ideas from other parts of the subcontinent.

क्षेत्रीय संस्कृतियाँ आज अक्सर उपमहाद्वीप के अन्य हिस्सों के विचारों के साथ स्थानीय परंपराओं के परस्पर मिश्रण की जटिल प्रक्रियाओं का उत्पाद हैं।

The Chera Kingdom of Mahodayapuram was established in the ninth century in the south-western part of the peninsula, part of present-day Kerala. The rulers introduced the Malayalam language and script in their inscriptions.

महोदयपुरम का चेरा साम्राज्य नौवीं शताब्दी में प्रायद्वीप के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थापित किया गया था, जो वर्तमान केरल का हिस्सा है। शासकों ने अपने शिलालेखों में मलयालम भाषा और लिपि का परिचय दिया।

The Cheras also drew upon Sanskritic traditions. The temple theatre of Kerala borrowed stories from the Sanskrit epics.

चेरों ने संस्कृत परंपराओं को भी अपनाया। केरल के मंदिर रंगमंच ने संस्कृत महाकाव्यों से कहानियाँ उधार लीं।

In other regions, regional cultures grew around religious traditions. The best example of this process is the cult of Jagannath at Puri, Orissa. The word Jagannath literally means the lord of the world, a name for Vishnu.

अन्य क्षेत्रों में, क्षेत्रीय संस्कृतियाँ धार्मिक परंपराओं के इर्द-गिर्द विकसित हुईं। इस प्रक्रिया का सबसे अच्छा उदाहरण

उड़ीसा के पुरी में जगन्नाथ का पंथ है। जगन्नाथ शब्द का शाब्दिक अर्थ है विश्व का स्वामी, विष्णु का एक नाम

Anantavarman, the ruler of the Ganga dynasty in the 12th century, built a temple for Purushottama Jagannatha at Puri.

12वीं शताब्दी में गंग वंश के शासक अनंतवर्मन ने पुरी में पुरुषोत्तम जगन्नाथ के लिए एक मंदिर बनवाया था।

The Rajputs contributed a lot to the distinctive culture of Rajasthan. From about the eighth century, most of the present-day state of Rajasthan was ruled by various Rajput families. Prithviraj was one such ruler.

राजपूतों ने राजस्थान की विशिष्ट संस्कृति में बहुत योगदान दिया। लगभग आठवीं शताब्दी से, वर्तमान राजस्थान राज्य के अधिकांश भाग पर विभिन्न राजपूत परिवारों का शासन था। ऐसे ही एक शासक थे पृथ्वीराज

Rajput rulers cherished the ideal of the hero who fought valiantly, often choosing death on the battlefield rather than face defeat.

राजपूत शासकों ने उस नायक के आदर्श को संजोया जो बहादुरी से लड़े, अक्सर हार का सामना करने के बजाय युद्ध के मैदान में मौत को चुनते थे।

Stories about Rajput heroes were recorded in poems and songs. Women were also focused on these stories. They are depicted as following their heroic husbands in both life and death. They often chose to become sati on the funeral pyre of their husbands.

राजपूत वीरों की कहानियाँ कविताओं और गीतों में दर्ज की गईं। महिलाएं भी इन कहानियों पर केंद्रित थीं। उन्हें जीवन और मृत्यु दोनों में अपने वीर पतियों का अनुसरण करते हुए दर्शाया गया है। वे अक्सर अपने पतियों की चिता पर सती होने का विकल्प चुनती थीं।

Not only heroic traditions are found in different regions in different forms, but dance too. Just take the history of one dance form, Kathak.

विभिन्न क्षेत्रों में न केवल वीर परम्पराएं विभिन्न रूपों में पाई जाती हैं, बल्कि नृत्य भी। केवल एक नृत्य शैली, कथक का इतिहास लें।

The term kathak is derived from Katha, a word used in Sanskrit and other languages for a story. कथक शब्द की उत्पत्ति कथा से हुई है, जो संस्कृत और अन्य भाषाओं में एक कहानी के लिए प्रयुक्त शब्द है।

The Kathaks was originally a caste of story-tellers in temples of north India, who beautified their performances with gestures and songs.

कथक मूल रूप से उत्तर भारत के मंदिरों में कहानी सुनाने वालों की एक जाति थी, जो इशारों और गीतों के साथ अपने प्रदर्शन को सुशोभित करते थे।

Kathak began evolving into a distinct mode of dance in the 15th and 16th centuries.

15वीं और 16वीं शताब्दी में कथक नृत्य की एक विशिष्ट विधा के रूप में विकसित होने लगा।

Under the Mughals, it developed in two traditions or gharanas—one in the courts of Rajasthan (Jaipur) and the other in Lucknow. Slowly and steadily it took root in Punjab, Haryana, Jammu and Kashmir etc.

मुगलों के अधीन, यह दो परंपराओं या घरानों में विकसित हुआ- एक राजस्थान (जयपुर) के दरबार में और दूसरा लखनऊ में। धीरे-धीरे इसने पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर आदि में जड़ें जमा लीं।

Kathak was recognised as one of six classical forms of dance in the country after independence.

Other classical dances are—Bharatnatyam (Tamil Nadu), Kathakali (Kerala), Odissi (Orissa), Kuchipudi (Andhra Pradesh) and Manipuri (Manipur).

कथक को स्वतंत्रता के बाद देश में नृत्य के छह शास्त्रीय रूपों में से एक के रूप में मान्यता दी गई थी। अन्य शास्त्रीय नृत्य हैं- भरतनाट्यम (तमिलनाडु), कथकली (केरल), ओडिसी (उड़ीसा), कुचिपुड़ी (आंध्र प्रदेश) और मणिपुरी

The tradition of miniature painting is also noteworthy. Miniatures are small-sized paintings, generally done in watercolour on cloth or paper. The earliest miniatures were on palm leaves or wood. मिनिएचर पेंटिंग की परंपरा भी उल्लेखनीय है। मिनिएचर छोटे आकार के चित्र होते हैं, जो आमतौर पर कपड़े या कागज पर पानी के रंग में बनाए जाते हैं। सबसे पुराने लघुचित्र ताड़ के पत्तों या लकड़ी पर बने थे।

The Mughal emperors patronised highly skilled painters.
मुगल सम्राटों ने अत्यधिक कुशल चित्रकारों को संरक्षण दिया

With the decline of the Mughal Empire, many painters moved out to the courts of the emerging regional states.
मुगल साम्राज्य के पतन के साथ, कई चित्रकार उभरते हुए क्षेत्रीय राज्यों के दरबारों में चले गए।

By the late 17th century a bold and intense style of miniature painting called Basohli got developed in the Himalayan foothills around the modern-day state of Himachal Pradesh. Here, the Mughal artists founded the Kangra School of painting.

17 वीं शताब्दी के अंत तक लघु चित्रकला की एक साहसिक और गहन शैली जिसे बसोहली कहा जाता है, आधुनिक हिमाचल प्रदेश के आसपास हिमालय की तलहटी में विकसित हुई। यहां मुगल कलाकारों ने कांगड़ा चित्रकला शैली की स्थापना की

Soft colours, including cool blues and greens, and lyrical treatment of themes distinguished Kangra painting.

शांत नीले और हरे सहित कोमल रंग, और विषयों के गीतात्मक उपचार ने कांगड़ा चित्रकला को विशिष्ट बनाया।

Now we will see how Bengali, a regional language, grew in the course of time.
अब हम देखेंगे कि बंगाली, एक क्षेत्रीय भाषा, समय के साथ कैसे विकसित हुई।

From the eighth century, Bengal became the centre of a regional kingdom under the Palas. Between the 14th and 16th centuries, Bengal was ruled by Sultans. In 1586, Akbar conquered Bengal while Persian was the language of administration, Bengali developed as a regional language. आठवीं शताब्दी से, बंगाल पलास के अधीन एक क्षेत्रीय साम्राज्य का केंद्र बन गया। 14वीं से 16वीं शताब्दी के बीच बंगाल पर सुल्तानों का शासन था। 1586 में, अकबर ने बंगाल पर विजय प्राप्त की, जबकि फारसी प्रशासन की भाषा थी, बंगाली एक क्षेत्रीय भाषा के रूप में विकसित हुई।

Although Bengali is derived from Sanskrit, it passed through several stages of evolution.
हालाँकि बंगाली संस्कृत से ली गई है, लेकिन यह विकास के कई चरणों से गुज़री है।

Early Bengali literature may be divided into two categories. The first includes translations of the Sanskrit epics, the Mangala Kavyas and Bhakti literature such as biographies of Chaitanyadeva, the second includes Nath literature such as songs of Maynamati and Gopichand, stories concerning the worship of Dharma Thakur and fairy tales, folk tales and ballads.

प्रारंभिक बंगाली साहित्य को दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है। पहले में संस्कृत महाकाव्य, मंगला काव्य और भक्ति साहित्य जैसे चैतन्यदेव की जीवनी के अनुवाद शामिल हैं, दूसरे में नाथ साहित्य जैसे मयनामती और गोपीचंद के गीत, धर्म ठाकुर की पूजा से संबंधित कहानियाँ और परियों की कहानियाँ, लोक कथाएँ और गाथागीत शामिल हैं।

The cult of ptr (a spiritual guide) became popular in Bengal and their shrines can be found there.
पीटीआर (एक आध्यात्मिक मार्गदर्शक) का पंथ बंगाल में लोकप्रिय हो गया और उनके मंदिर वहां पाए जा सकते हैं।

A number of temples got constructed in Bengal. Now local deities began to be worshipped in temples.
बंगाल में अनेक मंदिरों का निर्माण हुआ। अब मंदिरों में स्थानीय देवताओं की पूजा होने लगी।

Bengal, being in a riverine plain, produces abundant rice and fish. These two items are important foods of the Bengalis. The Bengal Brahmanas too eat fish.
बंगाल, नदी के मैदान में होने के कारण प्रचुर मात्रा में चावल और मछली का उत्पादन करता है। ये दो वस्तुएं बंगालियों के महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ हैं। बंगाल के ब्राह्मण भी मछली खाते हैं।

Fishing has been a major occupation of the Bengalis.
मत्स्य पालन बंगालियों का एक प्रमुख व्यवसाय रहा है।

Bengali literature contains several references to fish.
बंगाली साहित्य में मछली के कई संदर्भ हैं।

Lilatilakam: A fourteenth-century text of Sanskrit that deals with grammar and poetics.
लीलातिलकम्: चौदहवीं शताब्दी का संस्कृत का एक पाठ जो व्याकरण और काव्यशास्त्र से संबंधित है

Rajputana: The region that constitutes most of present-day Rajasthan was called Rajputana by the British during the 19th century.

राजपुताना: वह क्षेत्र जो आज के अधिकांश राजस्थान का गठन करता है, 19वीं शताब्दी के दौरान अंग्रेजों द्वारा राजपुताना कहा जाता था।

Sati: The immolation of widows on the funeral pyre of their husbands.
सती: अपने पतियों की चिता पर विधवाओं की आहुति।

Kathak: The term is derived from Katha, a word used in Sanskrit and other languages for the story.
कथक: यह शब्द कथा से लिया गया है, कहानी के लिए संस्कृत और अन्य भाषाओं में प्रयुक्त शब्द।

Rasa Lila: The legends of Radha-Krishna were enacted in folk plays known as rasa Lila.
रास लीला: रासा लीला के नाम से जाने जाने वाले लोक नाटकों में राधा-कृष्ण की किंवदंतियों को अधिनियमित किया गया था।

Gharana: Tradition of classical dance, music.
घराना: शास्त्रीय नृत्य, संगीत की परंपरा।

Classical: Old and memorable having permanent value.
शास्त्रीय: स्थायी मूल्य वाले पुराने और यादगार।

Miniature: It is small-sized painting, usually done in watercolour on cloth or paper.
मिनिचर: यह छोटे आकार की पेंटिंग है, जो आमतौर पर कपड़े या कागज पर पानी के रंग में की जाती है।

Basohli: It refers to the bold and intense style of miniature painting.
बसोहली: यह लघु चित्रकला की बोल्ड और गहन शैली को संदर्भित करता है।

Per: It is a Persian word that means a spiritual guide.
प्रति: यह एक फ़ारसी शब्द है जिसका अर्थ है आध्यात्मिक मार्गदर्शक।

Animism: Attribution of living soul to plants, inanimate objects, and natural phenomena
एनिमिज़्म: जीवित आत्मा का पौधों, निर्जीव वस्तुओं और प्राकृतिक घटनाओं से जुड़ाव।

Kolu: Oil pressures.
कोलू: तेल का दबाव।

Kansari: Bell metal workers.

कंसारी: बेल मेटल वर्कर्स।

Dochala: Double-roofed structure.

दोचला: दो छत वाली संरचना।

About 12th Century – First Literary works in Malayalam.

12वीं सदी के बारे में - मलयालम में पहली साहित्यिक रचना।

14th Century Lilatilakam – a text dealing with grammar and poetics combining two languages Sanskrit and regional languages was published.

14वीं शताब्दी का लीलातिलकम् - दो भाषाओं संस्कृत और क्षेत्रीय भाषाओं को मिलाकर व्याकरण और काव्यशास्त्र से संबंधित एक पाठ प्रकाशित किया गया था

12th Century – Anantavarman, a ruler of Ganga dynasty decided to erect a temple for Purushottam Jagannatha at Puri.

12वीं शताब्दी - गंगा वंश के एक शासक अनंतवर्मन ने पुरी में पुरुषोत्तम जगन्नाथ के लिए एक मंदिर बनाने का फैसला किया।

1230 AD – King Anangabhim III dedicated his kingdom to the deity and proclaimed himself as the 'deputy' of the God.

1230 AD - राजा अनंगभीम III ने अपना राज्य देवता को समर्पित किया और खुद को भगवान का 'उप' घोषित किया

19th Century – The region of Rajputana constituted by the British.

19वीं शताब्दी - अंग्रेजों द्वारा गठित राजपूताना का क्षेत्र।

3rd quarter of the 19th Century – 'Kathak' was firmly entrenched as a dance form in many regions.

19वीं शताब्दी की तीसरी तिमाही - 'कथक' कई क्षेत्रों में एक नृत्य रूप के रूप में मजबूती से स्थापित हो गया था।

1739 AD – Nadar Shah invaded and conquered Delhi.

1739 ई. - नादर शाह ने दिल्ली पर आक्रमण कर उसे जीत लिया।

Mid-18th Century – Kangra artists developed a style of miniature painting for their survival.

18वीं सदी के मध्य - कांगड़ा के कलाकारों ने अपने अस्तित्व के लिए मिनिचर पेंटिंग की एक शैली विकसित की।

Eighteenth-Century Political Formations Chapter 10

अठारहवीं शताब्दी के राजनीतिक गठन अध्याय 10

By 1765, the British had captured major chunks of Indian Territory in eastern India.

1765 तक, अंग्रेजों ने पूर्वी भारत में भारतीय क्षेत्र के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

After Aurangzeb's death, the Mughal Empire started to decline because of weak and inefficient rulers. औरंगजेब की मृत्यु के बाद, कमजोर और अक्षम शासकों के कारण मुगल साम्राज्य का पतन होने लगा।

States like Hyderabad, Awadh, Bengal and states under the control of Sikhs and Marathas declared independence.

हैदराबाद, अवध, बंगाल जैसे राज्यों और सिखों और मराठों के नियंत्रण वाले राज्यों ने स्वतंत्रता की घोषणा की।

The declining power of the Mughals also gave rise to the regional powers like the Jats, Sikhs and Marathas.

मुगलों की घटती शक्ति ने जाटों, सिखों और मराठों जैसी क्षेत्रीय शक्तियों को भी जन्म दिया

The Crisis of the Empire and the Later Mughals (साम्राज्य का संकट और बाद के मुगल)

- After reaching its zenith, Mughal Empire started declining under Emperor Aurangzeb. This was because of Aurangzeb's military and religious policy which depleted the financial resources of the Mughals.
अपनी पराकाष्ठा पर पहुँचने के बाद, बादशाह औरंगज़ेब के अधीन मुगल साम्राज्य का पतन शुरू हो गया। यह औरंगज़ेब की सैन्य और धार्मिक नीति के कारण था जिसने मुगलों के वित्तीय संसाधनों को समाप्त कर दिया।
- Under his succession, the efficiency of the imperial administration broke down. It became difficult to check governors and mansabdars.
उसके उत्तराधिकार के तहत, शाही प्रशासन की दक्षता टूट गई। गवर्नरों और मनसबदारों को नियंत्रित करना कठिन हो गया।
- In the midst of this crisis, Nadir Shah's invasion in 1739 and invasions of Afghan ruler Ahmed Shah Abdali between 1748-1761, weakened the Mughal Empire.
इस संकट के बीच 1739 में नादिर शाह के आक्रमण और 1748-1761 के बीच अफगान शासक अहमद शाह अब्दाली के आक्रमणों ने मुगल साम्राज्य को कमजोर कर दिया।
- The nobility was divided into two major groups Iranis and Turanis. For a long time, the later Mughal emperors were puppets in the hands of either one or the other of these two powerful groups.
कुलीन वर्ग दो प्रमुख समूहों ईरानी और तुरानी में विभाजित था। लंबे समय तक, बाद के मुगल बादशाह इन दो शक्तिशाली समूहों में से किसी एक या दूसरे के हाथों की कठपुतली थे।

The emergence of New States (नए राज्यों का उदय)

- With the decline of Mughal authority, the governors consolidated their authority
मुगल सत्ता के पतन के साथ, सूबेदारों ने अपनी सत्ता को मजबूत किया।
- Broadly speaking, the states were divided into three overlapping groups; old Mughal provinces like Awadh, Bengal and
मोटे तौर पर, राज्यों को तीन अतिव्यापी समूहों में विभाजित किया गया था; अवध, बंगाल और जैसे पुराने मुगल प्रांत
- The Hyderabad States which enjoyed consideration independence like Watan Jagirs and several Rajput principalities and the last group included states like Marathas, Sikhs and the Jats.
जिन हैदराबाद राज्यों ने वतन जागीरों और कई राजपूत रियासतों की तरह स्वतंत्रता का आनंद लिया और अंतिम समूह में मराठा, सिख और जाट जैसे राज्य शामिल थे।

The Old Mughal Provinces (पुराने मुगल प्रांत)

- These included the states of Awadh, Bengal and Hyderabad.
इनमें अवध, बंगाल और हैदराबाद राज्य शामिल थे।
- Hyderabad state was founded by Nizam-ul-Mulk Asaf Jah. The state was constantly engaged in a struggle against the Marathas.
हैदराबाद राज्य की स्थापना निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह ने की थी। राज्य लगातार मराठों के खिलाफ संघर्ष में लगा हुआ था।
- Awadh was founded by Burhan-ul-Mulk Saadat Khan in 1722.
अवध की स्थापना 1722 में बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान ने की थी।
- The rich alluvial plains allowed the development of the region.
समृद्ध जलोढ़ मैदानों ने इस क्षेत्र के विकास की अनुमति दी।
- Bengal was founded by Murshid Quli Khan. He commanded revenue administration of the state. Under Alivardi Khan the state became prosperous.

बंगाल की स्थापना मुर्शिद कुली खान ने की थी। उन्होंने राज्य के राजस्व प्रशासन की कमान संभाली। अलीवर्दी खान के अधीन राज्य समृद्ध हुआ।

The Watan Jagirs of the Rajputs (राजपूतों की वतन जागीरें)

- Many Rajput Kings, particularly those belonging to Amber and Jodhpur had served under the Mughals with distinction
कई राजपूत राजाओं, विशेष रूप से आमेर और जोधपुर के राजाओं ने मुगलों के अधीन विशिष्टता के साथ सेवा की थी।)
- They got considerable autonomy and thus were called Watan jagir
उन्हें काफी स्वायत्तता प्राप्त थी और इस प्रकार उन्हें वतन जागीर कहा जाता था।
- Maratha expansion after the 1740s put a restriction on the growth of Rajput expansion.
1740 के दशक के बाद मराठा विस्तार ने राजपूत विस्तार के विकास पर रोक लगा दी।

The Sikhs (सिख)

- The Sikh arose as a power under Guru Gobind Singh who inspired the Khalsa with the belief that their destiny was to rule
सिख गुरु गोबिंद सिंह के अधीन एक शक्ति के रूप में उभरे जिन्होंने खालसा को इस विश्वास के साथ प्रेरित किया कि उनकी नियति शासन करना है
- Maharaja Ranjit Singh reunited the Sikhs as a powerful group and established his capital at Lahore in 1799.
महाराजा रणजीत सिंह ने सिखों को एक शक्तिशाली समूह के रूप में फिर से संगठित किया और 1799 में लाहौर में अपनी राजधानी स्थापित की।

The Marathas (मराठा)

- The Maratha kingdom rose under Shivaji. After Shivaji's death, Peshwa led the Maratha Empire to its zenith
शिवाजी के अधीन मराठा साम्राज्य का उदय हुआ। शिवाजी की मृत्यु के बाद, पेशवा ने मराठा साम्राज्य को अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया।
- Marathas collected huge revenue from taxes of church and Sardsh mukhi in the entire kingdom.
मराठों ने पूरे राज्य में चर्च और सरदरुखी के करों से भारी राजस्व एकत्र किया।
- Maratha chiefs included Peshwa, Sindhia, Gaekwad and Bhonsle. Their territory touched near Delhi in its peak stages.
मराठा प्रमुखों में पेशवा, सिंधिया, गायकवाड़ और भोंसले शामिल थे। उनका क्षेत्र चरम अवस्था में दिल्ली के निकट छू गया।

The Jats (जाट)

- Jats were powerful in areas near Delhi under the leadership of Churaman.
चूड़ामन के नेतृत्व में जाट दिल्ली के निकट के क्षेत्रों में शक्तिशाली थे।
- They were prosperous agriculturalists.
वे समृद्ध कृषक थे।
- Under Suraj Mai, the kingdom of Bharatpur emerged as a strong state.
सूरजमल के अधीन भरतपुर राज्य एक शक्तिशाली राज्य के रूप में उभरा।
- Jats even built a garden palace at Dig (जाटों ने डीग में एक उद्यान महल भी बनाया।)

With the decline of the Mughal Empire, new political groups began to emerge in the sub-continent during the first half of the 18th century.

मुगल साम्राज्य के पतन के साथ, 18वीं शताब्दी के पूर्वार्द्ध के दौरान उपमहाद्वीप में नए राजनीतिक समूह उभरने लगे।

The Mughal Empire lost its glory and started facing a variety of crises towards the closing years of the 17th century.

मुगल साम्राज्य ने अपनी महिमा खो दी और 17वीं शताब्दी के अंतिम वर्षों में कई तरह के संकटों का सामना करना शुरू कर दिया।

Emperor Aurangzeb is held responsible for this. He had depleted the military and financial resources of his empire by fighting a long war in the Deccan.

इसके लिए बादशाह औरंगजेब को जिम्मेदार ठहराया जाता है। उसने दक्कन में एक लंबा युद्ध लड़कर अपने साम्राज्य के सैन्य और वित्तीय संसाधनों को समाप्त कर दिया था।

Under his successors, the efficiency of the imperial administration broke down. Nobles appointed as governors became more powerful. They began to control the offices of revenue and military administration. This created a political and economic crisis.

उसके उत्तराधिकारियों के अधीन, शाही प्रशासन की दक्षता टूट गई। गवर्नर के रूप में नियुक्त रईस अधिक शक्तिशाली हो गए। उन्होंने राजस्व और सैन्य प्रशासन के कार्यालयों को नियंत्रित करना शुरू कर दिया। इससे राजनीतिक और आर्थिक संकट पैदा हो गया।

The attack of Nadir Shah the ruler of Iran, on Delhi in 1739 aggravated the crisis. He plundered the city of Delhi and took away immense amounts of wealth.

1739 में दिल्ली पर ईरान के शासक नादिर शाह के हमले ने संकट को और बढ़ा दिया। उसने दिल्ली शहर को लूटा और बेशुमार दौलत अपने साथ ले गया।

Soon Ahmad Shah Abdali became active. He invaded north India five times between 1748 and 1761.

जल्द ही अहमद शाह अब्दाली सक्रिय हो गया। उसने 1748 और 1761 के बीच पांच बार उत्तर भारत पर आक्रमण किया।

The competition amongst different groups of nobles further weakened the empire. These were two major groups or factions—the Iranis and Taranis (nobles of Turkish descent). For a long time, the later Mughal emperors were puppets in the hands of either one or the other of these two powerful groups.

रईसों के विभिन्न समूहों के बीच प्रतिस्पर्धा ने साम्राज्य को और कमजोर कर दिया। ये दो प्रमुख समूह या गुट थे- ईरानी और तारानी (तुर्की वंश के कुलीन)। लंबे समय तक, बाद के मुगल बादशाह इन दो शक्तिशाली समूहों में से किसी एक या दूसरे के हाथों की कठपुतली थे।

Through the 18th century, the Mughal Empire gradually fragmented into a number of independent, regional states.

18वीं शताब्दी के माध्यम से, मुगल साम्राज्य धीरे-धीरे कई स्वतंत्र, क्षेत्रीय राज्यों में विभाजित हो गया।

The states of the 18th century can be divided into three overlapping groups.

18वीं शताब्दी के राज्यों को तीन अतिव्यापी समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

- States that were old Mughal provinces such as Awadh, Bengal and Hyderabad वे राज्य जो पुराने मुगल प्रांत थे जैसे अवध, बंगाल और हैदराबाद।
- States that had enjoyed considerable independence under the Mughal as Watan jagirs, जिन राज्यों ने मुगल काल में वतन जागीर के रूप में पर्याप्त स्वतंत्रता प्राप्त की थी

- States under the control of Marathas, Sikhs and others like the Jats.
मराठों, सिक्खों और जाटों जैसे अन्य राज्यों के नियंत्रण में राज्य।

Hyderabad state (1724-1748) was founded by Nizam-ul-Mulk Asaf Jah. He was one of the most powerful members at the court of the Mughal Emperor Farrukh Siyar. He was given the charge of the Deccan. Soon he became powerful there and declared himself the actual ruler of that region. Although he was still a servant of the Mughal emperor, he ruled independently.

हैदराबाद राज्य (1724-1748) की स्थापना निजाम-उल-मुल्क आसफ जाह ने की थी। वह मुगल बादशाह फारुख सियार के दरबार के सबसे शक्तिशाली सदस्यों में से एक था। उन्हें दखन का परिवर्तन दिया गया था। जल्द ही वह वहां शक्तिशाली हो गया और खुद को उस क्षेत्र का वास्तविक शासक घोषित कर दिया। हालाँकि वह अभी भी मुगल बादशाह का नौकर था, फिर भी वह स्वतंत्र रूप से शासन करता था।

The state of Awadh was founded by Burhan-ul-Mulk Sa'adat Khan in the year 1722. He did not like the Mughal influence in the Awadh region and therefore reduced the number of officeholders or jagirdars appointed by the Mughals. He also reduced the size of jagirs and appointed his own loyal servants to vacant positions.

अवध राज्य की स्थापना बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान ने वर्ष 1722 में की थी। वह अवध क्षेत्र में मुगल प्रभाव को पसंद नहीं करते थे और इसलिए मुगलों द्वारा नियुक्त पदाधिकारियों या जागीरदारों की संख्या कम कर दी। उसने जागीरों के आकार को भी कम कर दिया और अपने वफादार नौकरों को खाली पदों पर नियुक्त कर दिया।

Murshid Quli Khan took control of Bengal and began to command the revenue administration of the state. He transferred all Mughal jagirdars to Orissa in order to reduce the Mughal influence in Bengal. He ordered a major reassessment of the revenues of Bengal. Revenue was collected in cash with great strictness from all zamindars.

मुर्शिद कुली खान ने बंगाल पर अधिकार कर लिया और राज्य के राजस्व प्रशासन की कमान संभालने लगे। उसने बंगाल में मुगल प्रभाव को कम करने के लिए सभी मुगल जागीरदारों को उड़ीसा स्थानांतरित कर दिया। उन्होंने बंगाल के राजस्व का एक बड़ा पुनर्मूल्यांकन करने का आदेश दिया। सभी जमींदारों से बड़ी सख्ती के साथ राजस्व नकद वसूल किया जाता था।

The Rajput Kings, of Amber and Jodhpur, were given permission by the Mughals, to enjoy considerable autonomy in their water jagirs. Soon, these rulers began to extend their control over adjacent regions.

अंबर और जोधपुर के राजपूत राजाओं को मुगलों ने अपनी जल जागीरों में काफी स्वायत्तता का आनंद लेने की अनुमति दी थी। जल्द ही, इन शासकों ने निकटवर्ती क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण स्थापित करना शुरू कर दिया।

Raja Ajit Singh of Jodhpur held the governorship of Gujarat and Sawai Raja Jai Singh of Amber was governor of Malwa. They also tried to extend their territories by seizing portions of imperial territories neighbouring their watans. Nagpur was conquered and annexed to the housed of Jodhpur while Amber seized large portions of Bundi.

जोधपुर के राजा अजीत सिंह ने गुजरात की सूबेदारी संभाली और आमेर के सवाई राजा जय सिंह मालवा के सूबेदार थे। उन्होंने अपने वतन के आस-पास के शाही क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर कब्जा करके अपने क्षेत्रों का विस्तार करने का भी प्रयास किया। नागपुर को जीत लिया गया और जोधपुर के कब्जे में ले लिया गया, जबकि अंबर ने बूंदी के बड़े हिस्से को जब्त कर लिया।

In the 18th century, the Sikhs organised themselves into a number of bands called jathas and later on mils. Their combined forces were known as the grand army (dal Khalsa).

18वीं शताब्दी में, सिक्खों ने खुद को जत्थों और बाद में मिलों नामक कई बैंडों में संगठित किया। उनकी संयुक्त सेना को भव्य सेना (दल खालसा) के रूप में जाना जाता था।

Guru Gobind Singh had inspired the Khalsa with the belief that their destiny was to rule. Their well-knit organisation enabled them to put up a successful resistance to the Mughal governors first and

then to Ahmad Shah Abdali who had seized the rich province of the Punjab and the Sirhind from the Mughals. The Khalsa declared their sovereign rule by striking in 1765.

गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा को इस विश्वास से प्रेरित किया था कि उनकी नियति शासन करना है। उनके सुगठित संगठन ने उन्हें पहले मुगल शासकों और फिर अहमद शाह अब्दाली, जिन्होंने मुगलों से पंजाब के समृद्ध प्रांत और सरहिंद को जब्त कर लिया था, के खिलाफ एक सफल प्रतिरोध करने में सक्षम बनाया। खालसा ने 1765 में हड़ताल करके अपने संप्रभु शासन की घोषणा की।

The Sikh territories extended from the Indus to the Jamuna in the late 18th century but they were divided under different rulers such as Maharaja Ranjit Singh.

18 वीं शताब्दी के अंत में सिख क्षेत्र सिंधु से जमुना तक फैले हुए थे लेकिन वे महाराजा रणजीत सिंह जैसे विभिन्न शासकों के अधीन विभाजित थे।

Shivaji carried out the Maratha Kingdom. He built a powerful Maratha army and challenged the Mughals in the peninsula.

शिवाजी ने मराठा साम्राज्य को चलाया। उसने एक शक्तिशाली मराठा सेना का निर्माण किया और प्रायद्वीप में मुगलों को चुनौती दी।

After the death of Shivaji, Peshwas took control of the Maratha Kingdom. Poona became its capital.

शिवाजी की मृत्यु के बाद, पेशवाओं ने मराठा साम्राज्य पर अधिकार कर लिया। पूना इसकी राजधानी बनी।

Between 1720 and 1761, the Maratha Empire expanded and gradually chipped away at the authority of the Mughal Empire. Malwa and Gujarat were seized from the Mughals by the 1720s. By the 1730s the Maratha King was recognised as the overlord of the entire Deccan peninsula.

1720 और 1761 के बीच, मराठा साम्राज्य का विस्तार हुआ और धीरे-धीरे मुगल साम्राज्य के अधिकार से दूर हो गया। 1720 के दशक तक मालवा और गुजरात को मुगलों से जब्त कर लिया गया था। 1730 के दशक तक मराठा राजा को पूरे दक्कन प्रायद्वीप के अधिपति के रूप में मान्यता दी गई थी।

After raiding Delhi in 1737, the frontiers of Maratha domination expanded rapidly into Rajasthan and Punjab in the north, into Bengal and Orissa in the east and into Karnataka and the Tamil and Telugu countries in the south.

1737 में दिल्ली पर हमला करने के बाद, मराठा वर्चस्व की सीमाएं उत्तर में राजस्थान और पंजाब में, पूर्व में बंगाल और उड़ीसा में और कर्नाटक और दक्षिण में तमिल और तेलुगु देशों में तेजी से फैल गईं।

The jats consolidated their power during the late 17th and 18th centuries. Under their leader, Churaman, they acquired control over territories situated to the west of the city of Delhi, and by the 1680s they had begun dominating the region between the two imperial cities of Delhi and Agra.

जाटों ने 17वीं और 18वीं शताब्दी के अंत में अपनी शक्ति को मजबूत किया। उनके नेता चूड़ामन के तहत, उन्होंने दिल्ली शहर के पश्चिम में स्थित क्षेत्रों पर नियंत्रण हासिल कर लिया, और 1680 के दशक तक उन्होंने दिल्ली और आगरा के दो शाही शहरों के बीच के क्षेत्र पर हावी होना शुरू कर दिया था।

Subadar: Government of a province or state.

सूबेदार: किसी प्रांत या राज्य की सरकार।

Diwani: The offices of revenue.

दीवानी: राजस्व के कार्यालय।

Faujdar: Military administration.

फौजदारी: सैन्य प्रशासन।

The Iranis and Taranis: Nobles of Turkish descent.

ईरानी और तारानी: तुर्की वंश के कुलीन।

Coffers: Treasury.

तिजोरी : कोषालय।

Nayaks: Telugu warrior chiefs.

नायक: तेलुगु योद्धा प्रमुख।

Jagirdari: Land ownership.

जागीरदारी: भूमि का स्वामित्व।

Ijaradars: Revenue farmers.

इजरदार : राजस्व कृषक।

Watan Jagirs: States that had enjoyed considerable independence under the Mughals.

वतन जागीरें: वे राज्य जिन्होंने मुगलों के अधीन काफी स्वतंत्रता का आनंद लिया था।

Misls: Small political groups of Sikh warriors.

Misls: सिख योद्धाओं के छोटे राजनीतिक समूह।

Chauth: 25% of the land revenue claimed by zamindars.

चौथ: जमींदारों द्वारा दावा किए गए भू-राजस्व का 25%।

Sardishmukhi: 9-10% of the land revenue paid to the head revenue collector in the Deccan. Subahdar Governorship of a province or state.

सरदीमुखी: दक्कन में मुख्य राजस्व कलेक्टर को भू-राजस्व का 9-10% भुगतान किया जाता था। एक प्रांत या राज्य के सूबेदार गवर्नरशिप।

Later Mughals: The Mughal emperors who succeeded after Aurangzeb.

बाद के मुगल: मुगल बादशाह जो औरंगजेब के बाद सफल हुए।

Kunbis: Maratha peasant-warriors.

कुनबी: मराठा किसान-योद्धा।

1707 – Aurangzeb died.

1707 - औरंगजेब की मृत्यु हुई।

1739 – Nadir Shah invaded Delhi.

1739 - नादिर शाह ने दिल्ली पर आक्रमण किया।

1713-1719 – Farrukh Siyar reigned the Mughal Empire.

1713-1719 - फर्रुखसियर ने मुगल साम्राज्य पर शासन किया।

1754-1759 – Alamgir 11 reigned the Mughal Empire.

1754-1759 - आलमगीर 11 ने मुगल साम्राज्य पर शासन किया।

1724-1748 – Asaf Jah remained the Nizam of Hyderabad.

1724-1748 - आसफ़ जाह हैदराबाद के निज़ाम रहे।

1722 – Burhan-ul-Mulk Sa'adat Khan was appointed Subadar of Awadh.

1722 - बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान को अवध का सूबेदार नियुक्त किया गया।

1699 – The year in which Khalsa was instituted.

1699 - जिस वर्ष खालसा की स्थापना हुई।

1708 – Guru Gobind Singh died.

1708 - गुरु गोबिंद सिंह की मृत्यु हुई।

1715 – Banda Bahadur was captured

1715 - बंदा बहादुर को बंदी बनाया गया

1716 – Banda Bahadur was executed.

1716 - बंदा बहादुर को फाँसी दी गई।

1799 – Maharaja Ranjit Singh established his capital at Lahore.

1799 - महाराजा रणजीत सिंह ने लाहौर में अपनी राजधानी स्थापित की।

1627-1680 – The period of Shivaji.

1627-1680 - शिवाजी का काल।

1761 – Third battle of Panipat.

1761 - पानीपत का तीसरा युद्ध।



United Liberal Foundation

Address - F 21/B Shahi Astabal, Garden Reach Rd, Kolkata, West Bengal

Contact - 6204607570 , 8017216638

Email - admin@unitedliberalfoundation.com

Website - www.unitedliberalfoundation.com

